अधिकतम :24° C
न्यूनतम: 12° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, सोमवार 24 नवम्बर 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 107 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 4 विक्रमी सम्वत् 2082 2 जमादिउल उखरा1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

बीएलओ की मौत के आंकड़े वास्तविकता से बहुत अधिक, स्थिति अत्यंत चिंताजनकः खड़गे पेज 2

केएल राहुल साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में कप्तानी करेंगे खेल टाइम्स

सेना बनाम सर्वोच्च न्यायालय बनाम मानवाधिकार सम्पादकीय

बांग्लादेश में विशेषज्ञों ने दी भीषण भूकंप की चेतावनी पेज 12

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर अभियान: 19 दिन में 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत

नई दिल्ली। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन गई हैं। 21 नवम्बर की रात से 22 नवम्बर के मध्य प्रदेश में दो बीएलओ की बीमारी के कारण मौत हो गई। मध्य प्रदेश के भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है। निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 फीसदी फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 फीसदी फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 फीसदी फॉर्म बंट चुके हैं।

मैदानों में कड़ाके की सर्दी शुरू, चार शहरों में एक्यूआई 300+

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी राज्यों पर बर्फबारी हो रही है। इससे मैदानी इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर समेत 7 शहरों में शनिवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। पचमढ़ी में सबसे कम 6.2 डिग्री दर्ज किया गया। राजस्थान में सर्दी के साथ धुंध का असर बढ़ने लगा है। इसके कारण शहरों में प्रदूषण भी बढ़ गया है। शनिवार शाम को भिवाड़ी, जयपुर, कोटा, टोंक में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) लेवल 300 से ऊपर दर्ज हुआ। 8 शहरों में एक्यूआई 200 से ऊपर रहा। यूपी और बिहार में अब तक सर्दी से राहत थी, लेकिन सोमवार से तापमान गिरने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, यूपी में पहाड़ों से ठंडी हवाएं आने लगी हैं। इसके कारण, अगले पांच दिनों के दौरान राज्य का तापमान 2 से 4 डिग्री तक गिरने की आशंका है। बिहार में 24 नवम्बर के बाद तापमान गिरने लगेगा। 27-28 नवम्बर तक भीषण सर्दी पड़ सकती है। कई शहरों में अभी से घना कोहरे छाने लगा है।

शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ से संबंधित विधेयक नहीं आएगा: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की वैधानिक स्थिति बदलने के बारे में आ रही रिपोर्टों के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अभी चंडीगढ़ के लिए केंद्र द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है और इस संबंध में संसद के शीतकालीन सत्र में विधेयक लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इन रिपोर्टों के कारण सियासी हलकों में तीखी प्रक्रिया हो रही है। इसे देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परंपरागत संबंधों को परिवर्तित करने के बारे में कोई बातचीत नहीं चल रही है। पोस्ट में कहा गया है कि संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ के लिए सिर्फ केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अभी केंद्र सरकार के स्तर पर विचाराधीन है।

देश में एक दिसम्बर से केस लिस्टिंग का नया सिस्टम: जस्टिस सूर्यकांत

शाह टाइम्स ब्यूरो

- बोले- मेरा फोकस अदालतों में पेंडिंग केसों की संख्या कम करना, आज शपथ ग्रहण
- जस्टिस सूर्यकांत एक दिसम्बर को देश को सरप्राइज देंगे
- लिस्टिंग की व्यवस्था इतनी अच्छी होगी सब इसका करेंगे स्वागत

नई दिल्ली। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवम्बर को सुप्रीम कोर्ट के 53वें सीजेआई के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। इससे पहले संकेत दिए कि वे एक दिसम्बर को देश को सरप्राइज देंगे। उन्होंने केवल इतना इशारा किया कि सरप्राइज केसों की लिस्टिंग को लेकर है। लिस्टिंग की व्यवस्था इतनी अच्छी होगी कि सब इसका स्वागत करेंगे।

देश के सबसे बड़े ज्यूडिशियल ऑफिस का चार्ज संभालने से पहले, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डेजिग्नेटेड, जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि उनका मेन फोकस देश की अदालतों में पेंडिंग केसों की भारी संख्या को कम करना होगा। जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट के उन मामलों का निपटारा करेंगे, जो हाईकोर्ट में लास्ट स्टेज में हैं और सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण लटके हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने मीडिएशन को भी एक गेम चेंजर बताया। उन्होंने कहा कि यह लिटिगेंट्स को कोर्ट के बाहर तेजी से सेटलमेंट दिला सकता है। अगर पेंडिंग और प्री-लिटिगेशन केस मीडिएशन से सुलझाए जाते हैं, तो कोर्ट पर बोझ काफी कम हो जाएगा। जस्टिस सूर्यकांत दिल्ली में अपने सरकारी आवास पर लीगल जर्नलिस्ट्स के एक ग्रुप को एड्रेस कर रहे थे। जस्टिस सूर्यकांत की बकेटलिस्ट के अनुसार एरियर (पेंडिंग केस) को इंडिविजुअल कोर्ट लेवल पर और पैन-इंडिया बेसिस पर, दोनों तरह से एड्रेस किया जाना चाहिए। एक बड़ा चैलेंज मामलों का ओवरलैप होना है। कई जरूरी केस 5, 7 या 9 जजों की कॉन्स्टीट्यूशनल बेंच को भेजे गए हैं और इस वजह से, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी कई दूसरे केस नहीं देख पा रहे हैं। हजारों मामले इन बड़ी बेंचों के फैसलों का इंतजार करते हुए रुके हुए हैं। इस वजह से, हाईकोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट भी कई कानूनी सवालों की वजह से अटके हुए हैं, जो अभी तक सुलझे नहीं हैं। हालात को करीब से समझने के लिए लगभग एक हफ्ते का समय लगेगा और इस काम में भी कुछ समय लगेगा। एक क्राइटेरिया यह है कि सबसे पुराने केस पहले लिए जाएं। हालांकि, कुछ नए मामले भी हैं जिन पर तुरंत और सच में ध्यान देने की जरूरत है। डिजिटल कोर्ट और एआई के इस्तेमाल को भी ज्यूडिशियल सिस्टम के कामकाज में शामिल किया जा सकता है। यह एक ऐसी टेक्नोलॉजी है, जो मतलब का बदलाव ला सकती है। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब हर लिटिगेंट आखिरी फैसला सुनाने के लिए एक इंसानी कोर्ट की उम्मीद करता है। इसलिए, मुकदमेबाजी में एआई की सीमित लेकिन उपयोगी भूमिका है।

शीर्ष उल्फा कमांडर, बॉडी गार्ड ने किया सरेंडर

गुवाहाटी। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के एंटी-टॉक ग्रुप के एक शीर्ष कमांडर और उसके एक साथी ने रविवार को असम राइफल्स के सामने सरेंडर कर दिया। अरुणोदोई दहोतिया उर्फ बिजित गोगोई नाम का यह कमांडर, संगठन की 709 कंपनी से जुड़ा था, जिसे उल्फा (इंडिपेंडेंट) के नाम से भी जाना जाता था। दहोतिया को उल्फा (आई) चीफ परेश बरुआ का भरोसेमंद साथी भी माना जाता है। दहोतिया के साथ उसके एक बॉडी गार्ड, फ्रांसिस असोम ने भी आत्मसमर्पण कर दिया।

एआई के गलत इस्तेमाल पर रोक जरूरी: पीएम मोदी

कहा: अपराध और आतंकवाद में एआई का प्रयोग खतरनाक

जोहान्सबर्ग, वार्ता

- जी-20 में ग्लोबल लीडर्स से मिले पीएम
- इससे बचाव के लिए मजबूत नियम और कानून बनाने चाहिए
- एआई पर अंतर्राष्ट्रीय समझौता होना जरूरी
- एआई का गलत इस्तेमाल समाज के लिए बड़ी समस्या बन जाएगा

पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में हो रहे जी-20 समिट के दौरान दुनिया के 20 ग्लोबल लीडर्स से मुलाकात की। इनमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों समेत कई बड़े अंतर्राष्ट्रीय नेता शामिल रहे।

मोदी ने रविवार को समिट के तीसरे सेशन में दुनिया को एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है, इसलिए सभी देशों को मिलकर इसके लिए मजबूत नियम-कानून बनाने चाहिए। मोदी ने कहा कि एआई पर एक ग्लोबल काम्पैक्ट (यानी अंतर्राष्ट्रीय समझौता) होना जरूरी है। इसमें तीन चीजें सबसे जरूरी होंगी। निगरानी , सुरक्षा और पारदर्शिता। उन्होंने खास तौर पर चेतावनी दी कि डीपफेक वीडियो-ऑडियो, अपराध और आतंकवाद में एआई का इस्तेमाल बहुत खतरनाक है। मोदी ने कहा कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए, तो एआई का गलत इस्तेमाल समाज के लिए बड़ी समस्या बन सकता है। इसलिए समय रहते पूरी दुनिया को एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। इससे पहले मोदी ने बताया था कि, शनिवार को जी-20 शिखर सम्मेलन की बैठक अच्छी रही। उन्होंने कहा कि मैंने दो सत्रों में भाग लिया और प्रमुख मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। मोदी ने एक्स पर बताया कि जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति रामफोसा के साथ शानदार बैठक हुई। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की, विशेष रूप से ट्रेड, कल्चर, इंवेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी, स्किल डेवलपमेंट, एआई, रेयर अर्थ मेटल में सहयोग में विविधता लाने पर। इसके साथ ही मोदी ने जी-20 की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा को बधाई दी। मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत- ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) नेताओं की बैठक में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 में पहली बार मेजबानी हैंडओवर नहीं हुई

- ट्रम्प के न आने से नाराज था साउथ अफ्रीका, अमेरिका बोला: यह ठीक नहीं किया

जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रीका में 20वां जी-20 समिट रविवार को बिना औपचारिक हैंडओवर के समाप्त हो गया। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने किसी अमेरिकी अधिकारी को गवेल अध्यक्षता का प्रतीक हथौड़ा नहीं सौंपा। विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा कि आज कोई औपचारिक हैंडओवर सेरेमनी नहीं होगी।

अमेरिका चाहे तो सोमवार से डीआईआरसीओ (दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रालय) के दफ्तर से जी-20 से जुड़े दस्तावेज ले सकता है। इसके बाद व्हाइट हाउस की डिप्टी सेकेट्री अन्ना केली ने आरोप लगाया कि साउथ अफ्रीका ने जी-20 का औपचारिक हैंडओवर नहीं कर गलत किया है। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने रविवार को जी-20 समिट के समापन का ऐलान किया। दरअसल, हर जी-20 समिट में पिछले साल की मेजबानी करने वाला देश, अगले मेजबानी करने वाले देश को औपचारिक रूप से 'गवेल' सौंपता है। यह एक लाइव सेरेमनी होती है, जिसमें दोनों देशों के नेता आमने-सामने मौजूद रहते हैं। इस बार अमेरिका की तरफ से राष्ट्रपति ट्रम्प शामिल नहीं हुए। ट्रम्प ने कहा कि साउथ अफ्रीका में गोरे ईसाइयों को मारा जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद आर्केस्ट्रा जैसा था: सेना प्रमुख

शाह टाइम्स ब्यूरो

- हर म्यूजिशियन ने भूमिका निभाई, 22 मिनट में भारतीय सेना ने 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद आर्केस्ट्रा की तरह था, जहां हर म्यूजिशियन ने एक साथ मिलकर काम करने वाली भूमिका निभाई, इसी तरह 22 मिनट में भारतीय सेना ने 9 आतंकी जगहों को तबाह कर दिया।

उन्होंने कहा कि मिलिट्री ऑपरेशन में हालात के बदलने के साथ बदलाव का अंदाजा लगाने की दूर की सोच दिखाई देती है। यह एक ऐसा जवाब था, जो उस पल में नहीं बल्कि सालों की सोच से बना था कि कैसे इंटेलिजेंस, सटीकता और टेक्नोलॉजी मिलकर एक्शन में बदल सकती हैं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले किए और उसके बाद भारत के सभी जवाबी हमले भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए। न्यूक्लियर हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच करीब 88 घंटे तक चली मिलिट्री लड़ाई 10 मई की शाम को एक समझौते पर पहुंचने के बाद रुक गई। सेना 21वीं सदी में दुनिया प्रतिस्पर्धा और टकराव से भरी है।

बॉर्डर कब बदल जाए कोई नहीं जानता: राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज सिंध की जमीन भारत का हिस्सा भले न हो, लेकिन सभ्यता के हिसाब से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। और जहां तक जमीन की बात है।

कब बॉर्डर बदल जाए कौन जानता है, कल सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए। राजनाथ सिंह ने ये बातें रविवार को दिल्ली में सिंधी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने लाल कृष्ण आडवाणी का भी जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने (आडवाणी) अपनी एक किताब में लिखा था कि सिंधी हिंदू, खासकर उनकी पीढ़ी के लोग अभी भी सिंध को भारत से अलग नहीं मानते हैं। दरअसल 1947 में भारत- पाकिस्तान बंटवारे के बाद सिंध प्रांत पाकिस्तान में चला गया। यह पाकिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा प्रांत है। जिसकी राजधानी कराची है। प्रांत में उर्दू, सिंधी और अंग्रेजी बोली जाती है।

कहा: आज सिंध की जमीन भारत का हिस्सा भले न हो, पर सभ्यता के हिसाब से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा

दिल्ली ब्लास्ट: उमर को जमात से मिले थे 40 लाख

- हिसाब गड़बड़ हुआ तो उमर व मुजम्मिल झगड़े
- पुलिस ने फरीदाबाद में मस्जिद, घर, होटल, गोदाम खंगाले

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 नवम्बर को हुए कार ब्लास्ट में शामिल सुसाइड बॉम्बर डा. उमर और डा. मुजम्मिल के बीच 40 लाख रुपये को लेकर झगड़ा हुआ था। फॉडिंग जमात की तरफ से हुई थी। इसी पैसे से सामान खरीदने में हुए खर्च को लेकर उमर और मुजम्मिल की बीच तनाव था।

एनआईए टीम यूनिवर्सिटी के पास की मस्जिद के मौलवी इश्तियाक को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इसे ही जमात के जरिए कई लाख रुपये मिले थे, जिसका इस्तेमाल मुजम्मिल ने ब्लास्ट के लिए सामान खरीदने में किया था। सूत्रों के मुताबिक इन्हीं पैसों में हेरफेर को लेकर मुजम्मिल और उमर के बीच तनाव था। इधर, फरीदाबाद में पुलिस ने धौज गांव समेत 4 थाना क्षेत्रों में शनिवार को सर्च अभियान चलाया। पुलिस टीम ने दिनभर मस्जिदों, दुकानों, होटलों, घरों व गोदामों में चेकिंग की। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया मॉड्यूल का हर आरोपी एक अलग हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। मुजम्मिल का हैंडलर अलग था, जबकि ब्लास्ट करने वाला उमर दूसरे हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। दो खास हैंडलर मंसूर और हाशिम एक सीनियर हैंडलर इब्राहिम के अंडर काम कर रहे थे, जो मॉड्यूल की पूरी एक्टिविटीज को सुपरवाइज कर रहा था।

पाकिस्तानी पत्रकार ने फेक न्यूज फैलाई: फ्रांसीसी नौसेना

हमने राफेल गिरने की बात नहीं मानी, गलत तरीके से पेश किया अफसर का बयान

- हामिद मीर ने एक फ्रांसीसी अधिकारी के बयान का हवाला देते हुए राफेल गिरने का किया था दावा
- रिपोर्ट में जिस अफसर का नाम लिखा गया है, वह भी गलत : फ्रांसीसी नेवी

पेरिस। फ्रांसीसी ने ऑपरेशन सिंदूर में राफेल गिरने की पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर की रिपोर्ट को फर्जी बता दिया है। नौसेना ने कहा है कि राफेल गिरने की बात न तो कभी मानी गई और न ही किसी अधिकारी ने ऐसा बयान दिया।

हामिद मीर ने एक फ्रांसीसी अधिकारी के बयान का हवाला देते राफेल गिरने का दावा किया था। फ्रांसीसी नेवी ने बताया कि रिपोर्ट में जिस अफसर का नाम लिखा गया है, वह भी गलत है। रिपोर्ट में जैक्स लौने कहा गया, जबकि सही नाम कैप्टन यवन लौने है। नेवी ने कहा कि कैप्टन लौने के पद और जिम्मेदारियों को भी बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया। फ्रांस के मुताबिक कैप्टन लौने ने न तो राफेल गिराए जाने की कोई बात कही और न ही भारत-पाकिस्तान झड़प को लेकर कोई दावा किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल पूछे जाने पर सिर्फ इतना कहा था कि वे इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते। इसके बावजूद रिपोर्ट में इसे पुष्टि की तरह पेश किया गया। हामिद मीर ने अपनी रिपोर्ट में कैप्टन लै.नि. के बयान का झूठा हवाला देते हुए भारत के राफेल फाइटर जेट गिरने की बात की। हामिद के मुताबिक कैप्टन लै.नि. ने कहा कि राफेल के गिरना चीन के जे-10 से. की तकनीकी क्षमता की वजह से नहीं, बल्कि ऑपरेशन को संभालने के तरीके वजह से हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक कैप्टन लै.नि. ने कहा कि राफेल में कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन उसका सही उपयोग नहीं किया गया। राफेल किसी भी स्थिति में जे-10सी को हरा सकता है। पाकिस्तानी पत्रकार ने कैप्टन लौने के हवाले से रिपोर्ट में दावा किया कि दोनों देशों के 140+ फाइटर जेट एक-दूसरे के सामने थे। इतनी बड़ी संख्या में टारगेट होने से किसी भी विमान को मार गिराना आसान था। पाकिस्तान इस जटिल स्थिति को बेहतर तरीके से संभालने में कामयाब रहा। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा कि पाकिस्तान का मिस इन्फॉर्मेशन नेटवर्क एक बार फिर बेनकाब हो गया है। उन्होंने कहा कि हामिद मीर की रिपोर्ट में राफेल जेट्स को लेकर वही पुराने, मनगढ़ंत दावे दोहराए गए, जिन्हें अब फ्रांसीसी नेवी ने भी झूठा बता दिया है। मालवीय ने यह भी आरोप लगाया कि हामिद मीर के कुछ भारतीय मीडिया संस्थानों से करीबी संबंध हैं, जिससे पाकिस्तान की प्रोपेगेंडा मशीनरी को बढ़ावा मिलता है। एक अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन की लड़ाई (ऑपरेशन सिंदूर) में पाकिस्तान को बड़ी सैन्य कामयाबी मिली थी। इस रिपोर्ट में पहलगाम अटैक को भी आतंकी हमला न मानकर विद्रोही हमला माना गया है। 800 पन्नों की इस रिपोर्ट को यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (यूएससीसी) ने जारी किया है। रिपोर्ट पर पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिकी संसद में पेश हुई इस रिपोर्ट ने भारत के साथ हुई सैन्य टकराव में पाकिस्तान की जीत पर मुहर लगा दी है।

संक्षिप्त समाचार

डीजीपी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को किया सम्मानित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने रविवार को पूरे प्रदेश में गर्व और सम्मान के साथ झंडा दिवस मनाया। लखनऊ में पुलिस डीजीपी राजीव कृष्णा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास पर पहुंचकर पुलिस फ्लैग लगाकर सम्मानित किया। डीजीपी ने मुख्यमंत्री को मोमेंटो भी भेंट किया। मुख्यमंत्री की तरफ से यूपी पुलिस के इस अवसर की तस्वीरें साझा की गई हैं। यह आयोजन यूपी पुलिस के इतिहास और गौरव को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है। 23 नवम्बर 1952 को तत्कालीन पीएम द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस को उत्कृष्ट कार्य और पेशेवर दक्षता के लिए आधिकारिक पुलिस ध्वज प्रदान किया गया था।

उपराज्यपाल ने जम्मू में सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिल्ली में पिछले हफ्ते हुए जानलेवा विस्फोट के बाद के हालात की रविवार को समीक्षा की और यहां एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक में सुरक्षा बलों की सर्दियों की तैयारियों का जायजा लिया। यह सूचना आधिकारिक सूत्रों ने दी। बैठक में पुलिस, आर्मी, सीआरपीएफ के शीर्ष अधिकारियों के साथ-साथ इंटेलिजेंस एजेंसियों और प्रशासन के उच्च अधिकारी शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने के साथ-साथ, सर्दियों की तैयारियों, खासकर अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के हालात का भी जायजा लिया। इसके अलावा, उन्हें जम्मू-कश्मीर में टेरर इकोसिस्टम को खत्म करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री योगी ने साढ़े तीन करोड़ लोगों को दी बड़ी राहत

यूपी में अभी नहीं बढ़ेंगे बिजली के दाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ छह साल पुराने रेट पर ही बनेगा बिल

■ बिजली आपूर्ति और सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाएं अधिकारी: शर्मा

लखनऊ। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने लगातार छठवें साल बिजली दरें न बढ़ने का फैसला लिया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा उपभोक्ताओं को राहत मिली है।

बिजली दरें बढ़ाने को लेकर पावर कॉरपोरेशन की तरफ से नियामक आयोग को प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन अब सरकार के इस कदम से अब उपभोक्ताओं को बिजली जलाने के एवज में अतिरिक्त पैसे खर्च करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अब उन्हें छह साल पहले वाली बिजली की जो दरें तय हैं, उन्हीं से बिल का भुगतान करना होगा। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि जनता के हित में लिए गए इस महत्वपूर्ण निर्णय से स्पष्ट है कि सरकार उपभोक्ता सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। ऊर्जा विभाग की पूरी टीम उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करने और पारदर्शी तरीके से कार्य करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आगामी वर्षों में भी सरकार ऐसे निर्णय लेती रहेगी, जो आम जनता के हित में हों। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बिजली आपूर्ति और सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाएं। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने योगी आदित्यनाथ सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिजली दरों में किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी न किए जाने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी और कहा कि यह निर्णय प्रदेश सरकार की जन-केन्द्रित नीतियों और उपभोक्ता हितों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पिछले कई साल में सरकार ने बिजली के क्षेत्र में बड़े सुधार किए हैं, जिसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है। यह उपलब्धि प्रदेश को देश का पहला ऐसा राज्य बनाती है, जिसने लंबी अवधि तक अपने उपभोक्ताओं को स्थिर और किफायती बिजली दरों का लाभ प्रदान किया है। यूपी विद्युत नियामक आयोग ने घोषणा की है कि घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक, कृषि और ग्रामीण उपभोक्ताओं सहित सभी श्रेणियों के लिए बिजली के टैरिफ लगातार छठवें वर्ष भी पहले की ही तरह रखे गए हैं। किसी भी उपभोक्ता पर अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। इस निर्णय से न सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापारियों, उद्योगों और किसानों को भी लाभ होगा, जिससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और रोजगार को भी मजबूती मिलेगी। बिजली दरों में स्थिरता उद्योगों को अपनी लागत नियंत्रित करने में मदद करती है, जिससे प्रदेश में निवेश का माहौल भी बेहतर होता है। ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि वर्तमान समय में जब देश के कई राज्यों में बिजली दरें बढ़ाई जा रही हैं।

गीता का ज्ञान लोगों को बनाएगा स्मार्ट: सीएम

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म ने हमें सिखाया है कि अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता है और बुरे कर्म का फल बुरा होता है। हमें गीता ने बताया कि फल की इच्छा से इतर निष्काम कर्म ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

सीएम ने स्मार्ट सिटी को लेकर भी बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी का क्या फायदा जब स्मार्ट सिटीजन ही नहीं होंगे। ऐसे में गीता का ज्ञान लोगों को स्मार्ट बनाने के लिए है। स्वार्थगत तुष्टिकरण के बादल छंट रहे हैं, सनातन का उदय हो रहा है। सीएम ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि गीता के संदेश को घर घर और जन जन तक पहुंचाने का है।

बीएलओ की मौत के आंकड़ों की स्थिति चिंताजनक: खड़गे

नई दिल्ली, वार्ता

■ बीजेपी की वोट चोरी बीएलओ की जानलेवा बनी

■ हम नहीं जागे, तो बिखर जाएगा लोकतंत्र: कांग्रेस

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि काम के दबाव में बीएलओ की मौत के जो आंकड़े दिखाए जा रहे हैं वास्तविक संख्या उनसे बहुत अधिक है।

यह अत्यंत गंभीर चिंता का विषय है और इस पर सबको ध्यान देना जरूरी है। खड़गे ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी सरकार के मतदाता सूची गहन विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि भाजपा की वोट चोरी बीएलओ के लिए जानलेवा रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा ष्काम के भार से बीएलओ और पोलिंग अधिकारी लगातार आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। मेरी हर एक परिवार, जिसने अपनों को खोया है, उनके प्रति गहन संवेदनाएं। मौत के जो आंकड़े दिखाए जा रहे हैं वास्तविक संख्या उनसे कहीं अधिक है। जो बेहद चिंता. जनक है। इन परिवारों को न्याय कौन दिलाएगा।ष श्री खड़गे ने चुनाव आयोग पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा चोरी की सत्ता की मलाई खाने में व्यस्त है और आयोग मूक दर्शक बने तमाशा देख रहा है। हड़बड़ी में बिना योजना के जबरन एसआईआर लागू करना नोटबंदी और कोरोना लॉकडाउन की याद दिलाता है। सत्ता का दुरुपयोग कर संस्थानों के कर्मचारियों से आत्महत्या करवाना, संविधान की धज्जियां उड़ाना और लो. कतंत्र को दुर्बल बनाना भाजपा की सत्ता की भूख का नतीजा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब बस ! अगर अभी भी हम नहीं जागे तो लोकतंत्र के आखरी स्तंभों को गिरने से कोई नहीं बचा सकता। जो लोग एसआईआर और वोट चोरी पर चुप हैं वो इन निर्दोष बीएलओ की मृत्यु के कसूरवार है। आवाज़ उठाइए, लोकतंत्र बचाइए।

पुलिस झंडा दिवस उत्कृष्ट कार्य उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए: राज्यपाल

लखनऊ, वार्ता

■ नीरा रावत ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को फ्लैग लगाया

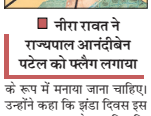

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने को रविवार को राजभवन में पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन, उत्तर प्रदेश, नीरा रावत ने फ्लैग लगाया।

इस मौके पर राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस अवसर पर हुए संवाद में राज्यपाल ने कहा कि पुलिस झंडा दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम न बनकर पूरे वर्ष में अपराध नियंत्रण, नवाचार और समाज सेवा के क्षेत्र में पुलिस द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि झंडा दिवस इस बात का उत्सव होना चाहिए कि कितना अपराध कम हुआ, कौन-कौन से नवाचार किए गए और समाज सेवा में कितना योगदान दिया गया। राज्यपाल ने नौ से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए चल रहे एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों की सभी बेटियों को यह वैक्सीन अवश्य लगनी चाहिए। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को शत-प्रतिशत लक्ष्य के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने बताया कि इस अभियान की शुरुआत सबसे पहले राजभवन उत्तर प्रदेश से हुई, जिसके बाद इसे विश्वविद्यालयों, प्राथमिक विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों और पुलिसकर्मियों की पुत्रियों तक विस्तारित किया गया है। संवाद के दौरान राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान नियमों के अनुसार आयुष्मान कार्ड सात सदस्यों वाले परिवार को ही मिलता है।

एसआईआर कोई सुधार नहीं थोपा गया जुल्म: राहुल गांधी

नई दिल्ली, वार्ता

■ विशेष गहन पुनर्रीक्षण एक सोची-समझी चाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक बार फिर सरकार और चुनाव आयोग पर हमला बोला है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार और चुनाव आयोग को घेरने की कोशिश की है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने एसआईआर के नाम पर देश भर में अफरा-तफरी मचा रखी है, अब इसके नतीजे भी सामने आने लगे। एसआईआर की वजह से पिछले करीब 3 हफ्तों में 16 बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की जान चली गई। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर एक सोची-समझी चाल है, जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और बीएलओ की अनावश्यक दबाव से मौतों को कॉलैटरल डैमेज मानकर अनदेखा किया जा रहा है। यह नाकामी नहीं, षड्यंत्र है और सत्ता की रक्षा में लोकतंत्र की बलि है। राहुल गांधी ने कहा कि इन बीएलओ में से किसी ने काम के दबाव के चलते आत्महत्या कर ली, तो किसी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। आज भी सैकड़ों बीएलओ भारी तनाव में एसआईआर का काम कर रहे हैं।

असम में उग्रवाद नियंत्रित करने में तरूण गोगोई की अहम भूमिका: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता तरुण गोगोई की पुण्यतिथि पर स्मरण करते हुए उन्हें राज्य में उग्रवाद को नियंत्रित करने और सौहार्द स्थापित करने वाला नेता बताया। खड़गे ने कहा कि श्री गोगोई की निर्णायक भूमिका ने असम में उग्रवाद को नियंत्रित करने, सौहार्द स्थापित और राज्य में शांति एवं प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि श्री गोगोई की पुण्यतिथि पर हम उनके योगदान को याद करते हैं। पूर्वोत्तर भारत के सबसे सम्मानित और कद्दावर नेताओं में से एक श्री गोगोई ने अपना जीवन असम के विकास और कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उग्रवाद पर अंकुश लगाने और राज्य में सद्भाव, शांति और प्रगति लाने में उनकी निर्णायक भूमिका को लोग सदैव याद रखेंगे। जोरहाट के ताई-अहोम परिवार में जन्मे श्री गोगोई 1971 से 1985 तक पांच बार लोकसभा सदस्य चुने गए और इंदिरा गांधी, राजीव गांधी सरकारों में केंद्रीय मंत्री भी रहे।

सेंसेक्स 85632.68

निफ्टी 26192.15

सोना रु. 127000

प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 159000

प्रति किलो

शेयर बाजारों में दिखेगा वैश्विक कारकों का प्रभाव

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद अगले सप्ताह वैश्विक कारकों का प्रभाव दिख सकता है। घरेलू स्तर पर शुक्रवार को रुपये में एक प्रतिशत से ज्यादा की भारी गिरावट का असर भी आने वाले सप्ताह में दिख सकता है। इसके अलावा, निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी। अगले सप्ताह औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी जारी होने हैं, लेकिन वे शुक्रवार शाम जारी होंगे जिससे उनका असर आने वाले सप्ताह में नहीं दिखेगा।

शेयर बाजारों के लिए बीता सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा। सोमवार को बाजार तेजी में खुले, लेकिन अगले ही दिन लुढ़क गए। मंगलवार और शुक्रवार को फिर तेजी दर्ज की गई और बीएसई का सेंसेक्स तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का नि“टी.50 सूचकांक इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अंतिम कारोबारी दिवस पर इसमें गिरावट रही। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 669. 14 अंक द्ध0.79 प्रतिशतत्र्क मजबूत हुआ और सप्ताहांत पर 85,231.92 अंक पर बंद हुआ। नि“टी-50 भी 158.10 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में 26,068. 15 अंक पर पहुंच गया। खास बात यह रही कि जहां दिग्गज कंपनियों के सूचकांकों में तेजी रही,वहीं मझौली और छोटी कंपनियों की सूचकांक साप्ताहिक गिरावट में रहा। नि“टी मिडकैप.50 सूचकांक 0.55 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 2.22 प्रतिशत लुढ़क गया। यह दिखाता है कि बाजार में कुल मिलाकर निवेश धारणा नकारात्मक रही। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 17 में साप्ताहिक तेजी और अन्य 13 में गिरावट रही। भारती एयरटेल का शेयर सबसे अधिक 3.06 फीसदी चढ़ा। इंफोसिस में 2.80 प्रतिशत, एक्सिस बैंक में 2.62 फीसदी, पावरग्रिड में 2.34, टाइटन में 2.10, मारुति सुजुकी में 1.92 और रिलायंस में 1.78 फीसदी की मजबूती दर्ज की गई। टेक महिंद्रा का शेयर 1.57 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.49, टीसीएस का 1. 45 और सनफार्मा का 1.33 प्रतिशत चढ़ा। एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी साप्ताहिक बढ़त में रहे। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने सबसे अधिक 7.49 प्रतिशत का नुकसान उठाया। टाटा स्टील का शेयर 3.53 फीसदी, बीईएल का 2.52, अडानी पोर्ट्स का 2.13, बजाज फाइनेंस का 1.30, अल्ट्राटेस सीमेंट का 1. 14 और एशियन पेंट्स का 1.04 प्रतिशत लुढ़क गया।

मदरसा शिक्षक से होगी 16.59 लाख की रिकवरी

लखनऊ। यूपी में राष्ट्रीय सुरक्षा और भ्रष्टाचार पर योगी सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। आजमगढ़ के मदरसा शिक्षक शमशुल हुदा खान के पाकिस्तान से अवैध संबंध उजागर होने के बाद अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के चार अधिकारियों को निलंबित किया गया है। आरोप है कि इन अधिकारियों ने शिक्षक को विदेश में रहते हुए भी वेतन और अन्य लाभ दिलाए। इस मामले में 16.59 लाख की वसूली और विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा इस मामले से जुड़े जितने भी अधिकारियों को निलंबित किया गया है, उन सभी को विभागीय जांच के दायरे में लाया गया है। ये भी संभावना है कि आगे और अधिकारियों और कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। ये मामला आजमगढ़ के मदरसा शिक्षक शमशुल हुदा खान से जुड़ा है, जिसके पाकिस्तान से अवैध कनेक्शन पाए गए थे। आरोप है कि इन अधिकारियों ने शमशुल हुदा खान को विदेश में रहते हुए भी वर्षों तक वेतन, चिकित्सा अवकाश और स्वैच्छिक सेवा. निवृत्ति (वीआरएस) जैसे लाभ दिलाए।

गेहूं, चीनी में साप्ताहिक गिरावट दालें मजबूत, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव स्थिर रहे। गेहूं और चीनी के दाम घट गए जबकि दालों में तेजी देखी गई। खाद्य तेलों में उतार.चढ़ाव का रुख रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत लगभग स्थिर रही और सप्ताहांत पर यह 3,819.66 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

गेहूं नौ रुपये की टूटकर 2,848.14 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। आटे की कीमत 11 रुपये फिसलकर 3,301.38 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। बीते सप्ताह सरसों तेल 44 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ जबकि सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल में टिकाव रहा। मूंगफली तेल औसतन 60 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल की कीमत 43 रुपये और वनस्पति की 38 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। दाल-दलहनों में साप्ताहिक तेजी रही। तुअर दाल 36 रुपये और मसूर दाल 14 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। उड़द दाल की कीमत नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। चना दाल और मूंग दाल के भाव लगभग स्थिर रहे। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 32 रुपये प्रति क्विंटल गिर गए। चीनी भी पांच रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे.दाल-दलहन : दाल चना 7858.64 रुपये, मसूर काली 8113.10 रुपये, मूंग दाल 10087.75 रुपये, उड़द दाल 10380.68 रुपये, तूअर दाल 10544.11 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज : द्धभाव प्रति क्विंटलत्र्क गेहूं दड़ा 2848.14 रुपये और चावल 3819.66 रुपये प्रति क्विंटल। आटा द्धगेहूंत्र्क 3301.38 प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़ : चीनी एस 4319.72 रुपये और गुड़ 4976. 91 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एआई के...

हुए। इसमें विदेश मंत्री एस.जयशंकर भी शामिल हुए। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी बैठक में मौजूद रहे। इस दौरान मोदी ने कहा कि वैश्विक संस्थाओं में सुधार जरूरी है, आईबीएसए को दुनिया को एक संद. ेश देना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार अब वैकल्पिक नहीं, बल्कि जरूरी हो गया है।

ये संस्थाएं 21वीं सदी की वास्तविकता से बहुत दूर हो चुकी हैं। अब बदलाव का समय आ गया है। आतंकवाद के मुद्दे पर कोई दोहरा मापदंड नहीं चल सकता। तीनों देशों को इस लड़ाई में पूरा समन्वय रखना होगा। तकनीक का इस्तेमाल इंसानों के विकास के लिए किया जाए। इसके लिए एक नया 'आईबीएसए डिजिटल इनोवेशन अलायंस' बनाया जाना चाहिए। खाद्य सुरक्षा और सतत विकास के लिए 'आईबीएसए फंड फॉर क्लाइमेट-रेजि. लिएंट एग्रीकल्चर' शुरू किया जाए। यह कोष जलवायु परिवर्तन से प्रभावित कृषि को मजबूत बनाने में मदद करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बायकाट के बावजूद 20वीं जी-20 समिट के पहले दिन शनिवार को सदस्य देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ। वहीं, ट्रम्प ने आखिरी सेशन में 2026 की मेजबानी लेने के लिए एक अमेरिकी अधिकारी को भेजने की बात कही थी। दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता ने अमेरिकी अधिकारी को मेजबानी सौंपने के प्रस्ताव को नकार दिया। इस बार के जी-20 समिट में दो बड़ी परंपराएं टूट गईं और यही वजह है कि यह बैठक ऐतिहासिक रूप से अलग मानी जा रही है। पहली परंपरा मेजबानी सौंपने की है। हर जी-20 समिट में पिछले साल की मेजबानी करने वाला देश, इस साल के मेजबानी देश को औपचारिक रूप से 'गवेल' (अध्यक्षता का प्रतीक) सौंपता है। यह एक लाइव सेरेमनी होती है, जिसमें दोनों देशों के नेता आमने-सामने मौजूद रहते हैं। इस बार अमे. रिका की तरफ से राष्ट्रपति ट्रम्प शामिल नहीं हुए। 2024 में जी-20 की मेजबानी अमेरिका (सैन फ्रांसिस्को) ने की थी, इसलिए गवेल ट्रम्प को ही सौंपना था। लेकिन उनकी गैरहाजिरी की वजह से साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने खाली कुर्सी को मेजबानी सौंपने का ऐलान किया है।

लखनऊ घोषणा पत्र में संयुक्त राष्ट्र में सुधार की मांग उठी

■ 52 देशों के जजों ने की विश्व शांति के लिए सुधार की अपील

लखनऊ। लखनऊ घोषणा पत्र में 52 देशों के मुख्य न्यायाधीशों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में तत्काल सुधार की अपील की। विश्व शांति और स्वच्छ वातावरण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। यह सम्मेलन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 की भावना पर आधारित रहा, जो एक नई विश्व व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लखनऊ में विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का रविवार को सफल समापन हुआ। प्राइवेट सिटी मोंटेसरी स्कूल द्वारा तीन दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। समापन पर 52 देशों के 160 से अधिक मुख्य न्यायाधीशों और न्यायविदों ने सर्वसम्मति से 'लखनऊ घोषणा पत्र' जारी किया। इसमें संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) में सुधार की अपील की गई। यह सम्मेलन 20 से 23 नवंबर तक सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि लखनऊ की मेयर, सुषमा खर्कवाल ने घोषणा पत्र जारी करते हुए यूएन में तत्काल सुधार, विश्व शांति और स्वच्छ वातावरण के लिए सभी देशों के प्रयासों पर बल दिय। सम्मेलन में न्यायविदों ने यूएन सुधार, मूलभूत अधिकारों की रक्षा, सभी धर्मों के सम्मान और स्कूलों में नागरिक व शांति शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी, जो एक नई विश्व व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेयर ने कहा कि यह घोषणा पत्र समता और शांति आधारित नई विश्व व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि प्रात: सत्र में 'बिल्डिंग टुमारोज़ लीगल आर्किटेक्चर' विषय पर चर्चा हुई, जिसमें मिस्र, इस्वातिनी, अर्जेंटीना और सामोआ के शीर्ष न्यायाधीशों ने मध्यस्थता, न्यायिक सहयोग और निरंतर संवाद को वैश्विक स्थिरता के लिए आवश्यक बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले दिन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा था कि न्याय न केवल समता का बल्कि हर नागरिक की सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके भविष्य का आधार बनना चाहिए। वहीं सम्मेलन संयोजिका गीता गांधी किंगडन ने कहा कि यह मंच गरीबी, अशिक्षा, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान को दिशा देगा।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिसीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सीएम ने लक्ष्य सेन को खिताब जीतने पर दी बधाई

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फोन पर वार्ता कर बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य सेन की यह शानदार उपलब्धि उत्तराखण्ड ही नहीं, सम्पूर्ण देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य की मेहनत, समर्पण और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन हमारे सभी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह साबित करता है कि लगन, अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ हर कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने लक्ष्य सेन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे आगे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और देवभूमि उत्तराखंड का नाम इसी प्रकार रोशन करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रगति मैदान में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में किया प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के तहत उत्तराखंड पवेलियन में उत्तराखंड दिवस समारोह एवं इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर नाट्यशाला थियेटर में उत्तराखण्ड के लोक कलाकारों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस वर्ष व्यापार मेले की थीम ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' रखी गयी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला हमारी संस्कृति, हस्तशिल्प, और समृद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का अवसर प्रदान करता है। यही नहीं इस मेले में आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से हमारी लोक संस्कृति और उत्तराखंडी परंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिलती है।

एक युग का अंतः शहर क़ाज़ी की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी के आखरी दीदार को लगी लंबी कतारें, ग़मगीन फिज़ा में किया सुपुर्द-ए-खाक़

■ हजारों की भीड़ उमड़ी, हिन्दू-मुस्लिम सभी वर्गों ने शिरकत की, शहर के कई बाजार रहे बंद

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड की रूहानी व इल्मी शख्सियत शहर काजी व जमीअत उलमा-ए-हिन्द उत्तराखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी को रविवार दोपहर नम आंखों के साथ सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। शनिवार देर शाम 75 वर्ष की उम्र में उनका इंतकाल हो गया था।

रविवार सुबह ठीक 9 बजे मौलाना कासमी को भंडारी बाग स्थित आवास से अंतिम दर्शन के लिए जामा मस्जिद, पलटन बाजार लाया गया। मस्जिद के भीतर और बाहर दूर-दूर तक जनसमूह की कतारें नजर आईं। बुजुर्ग, नौजवान हर वर्ग से लोग उनके अंतिम दीदार के लिए पहुंचे। मस्जिद के आसपास की गलियाँ मानो इंसानी सैलाब से भर गईं।

सुबह 11 बजे उनकी नमाज-ए-जनाजा दारूल उलूम देवबंद के उस्ताद, मुफ्ती रियासत कासमी साहब ने अदा कराई। जनाजे में शिरकत करने वालों की तादाद इतनी ज्यादा थी कि पलटन बाजार से लेकर गांधी रोड, तहसील चौक तक सड़कें और गालियाँ भर गईं। पल्टन बाजार से उनका जनाजा तहसील बाजार, तहसील चौक, गांधी रोड, इन्नामुल्ला बिल्डिंग, प्रिंस चौक से होकर चंदर नगर कब्रिस्तान पहुंचा। जनाजे को कंधा देने के लिए होड़ लगी रही। हर कोई शहर काजी को कंधा देकर सवाब (पुण्य) पा लेना चाहता था।

अंतिम यात्रा में यह रहे मौजूद

नमाज के बाद जनाजा जुलूस को पलटन बाजार से चंदर नगर कब्रिस्तान ले जाया गया, जहां मौलाना कासमी को नम आंखों के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। शहर काजी की तदफीन में शहर मुफ्ती सलीम अहमद कासमी, जमीअत के प्रदेश महासचिव मौलाना शराफत अली कासमी, कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, सरदार अमर जीत सिंह, महानगर अध्यक्ष जसविंदर गोगी, कालिका मंदिर समीति के सदस्य, कालू भगत, जमीअत के प्रदेश उपाध्यक्ष मुफ्ती रईस अहमद कासमी, देहात काजी मौलाना रिसालुद्दीन हक्कानी,

मुफ्ति नाजिम अशरफ, मौलाना अब्दुल मन्नान कासमी, अब्दुल सत्तार, मुफ्ती अयाज अहमद, हाफिज मौहम्मद शाहनजर, मुफ्ती ताहिर कासमी, मुफ्ति वासिल कासमी, मदरसा बोर्ड अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी, मदरसा बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष गुलजार अहमद, हाजी सुलेमान अंसारी, मौलाना अब्बास कासमी, मौलाना अब्दुल कादिर, मुफ्ति हुजैफा कासमी, मौलाना आमिर कासमी, मुस्लिम सेवा संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी, आकिब कुरैशी, इताअत खान, ताहिर अली, जामा मस्जिद पलटन बाजार के अध्यक्ष नसीम अहमद, सचिव वसीम अहमद समेत बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

हिन्दू-मुस्लिम सभी वर्गों ने दी अंतिम विदाई

मौलाना कासमी के जनाजे में सभी धर्मों और वर्गों के लोग शामिल हुए। हिन्दू समाज के कई गणमान्य लोग और संगठनों के प्रतिनिधि भी जनाजे में मौजूद रहे, जो इस बात का प्रमाण है कि मौलाना कासमी ने अपने जीवन में इंसानियत, सद्भाव और भाईचारे का जो पैगाम दिया, उसने हर दिल को छुआ था। उनकी अदम्य लोकप्रियता और इज्जत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पलटन बाजार, तहसील चौक, गांधी रोड सहित तमाम बाजार नमाज-ए-जनाजा तक पूरी तरह बंद रहे।

सबके प्यारे थे शहर काजीः हरीश रावत

देहरादून (शाह टाइम्स)। पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि जो अच्छे लोग होते हैं, ईश्वर/अल्लाह उन्हें बहुत प्यार करता है। ऐसे ही सबके प्यारे थे देहरादून के शहर काजी हजरत कासमी साहब। अपनी धार्मिक निष्ठा के साथ-साथ वे सामाजिक समन्वय और समावेशिता के प्रतीक थे। उनका जाना बहुत खलेगा। उनके निधन की खबर ने मुझे झकझोर दिया, हृदय अत्यंत दुखी है। अल्लाह, उन्हें अपने पास उच्च स्थान दे और उनके परिजनों को इस बड़े दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

शहर काजी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे कांग्रेसी

देहरादून (शाह टाइम्स)। मरहूम शहर काजी मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना पार्टी पदाधिकारियों के साथ पहुंचे। शहर काजी को प्रदेश कांग्रेस की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए धस्माना ने कहा कि शहर काजी साहब एक बेहतरीन खुश मिजाज व अमन पसंद धार्मिक नेता थे और हमेशा शहर में अमन चौन और आपसी धार्मिक सौहार्द के पक्षधर रहे। धस्माना के साथ कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी, अभिनव थापर, पार्षद ऐतात खान, पार्षद आयुष गुप्ता, कमर सिद्दीकी, दिनेश कौशल, शहजाद, फारुक व यामीन खान आदि साथ रहे।

उनकी सादगी व अखलाक को हमेशा याद रखा जाएगाः रौतेला

देहरादून (शाह टाइम्स)। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योती रौतेला ने कहा कि देहरादून शहर काजी मौलाना मुहम्मद अहमद कासमी साहब के इंतकाल की खब्बर बड़े दुख के साथ प्राप्त हुई।

उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन इल्म, इंसाफ, अमन और मोहब्बत की खिध्दमत में लगा दिया। उनकी सादगी, उच्च अखघ्लाक और समाज को जोड़ने वाली सोच को हमेशा याद रखा जाएगा। अल्लाह तआला उनसे रजामंद हो, उनकी मगफिरत फरमाए और जन्नतुल फिरदौस में बुलंद मुकाम अता करे।

आजादी के बाद से देहरादून के तीसरे शहर क़ाज़ी थे मौलाना कासमी

मोहम्मद शाह नज़र

■ 31 वर्ष की आयु में जनवरी 1981 में संभाली थी जिम्मेदारी
■ साइकिल से आते थे मस्जिद

देहरादून। शहर काजी हजरत मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी साहिब का जीवन एक ऐसे रहबर का जीवन था जिन्होंने शहर, समाज और दीन, तीनों की सेवा को अपना फर्ज समझकर निभाया। वर्ष 1981 में महज़ 31 साल की आयु में मौलाना कासमी ने जामा मस्जिद पलटन बाजार के इमाम और शहर क़ाज़ी की बड़ी जिम्मेदारी को संभाला था, तब से लगातार 44 साल तक शहर क़ाज़ी के तौर पर मौलाना कासमी ने देहरादून के मुसलमानों की रहनुमाई की। मस्जिद के अध्यक्ष नसीम अहमद ने बताया कि बादशाह ओरंगजेब के समय से ही इस मस्जिद को शाही मस्जिद का दर्जा प्राप्त है, आजादी के बाद पहले मौलाना मो. मिन और फिर हाफिज़ अय्यूब शहर क़ाज़ी रहे, 1981 से मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी शहर क़ाज़ी हैं। कासमी लंबी अवधि तक जमीअत उलमा-ए-हिंद उत्तराखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष रहे। उत्तराखंड मदरसा बोर्ड में वे मान्यता समिति के सदस्य रहे।

मौलाना तहफ्फुज खत्मे नुबुव्वत के संरक्षक रहे और इस अहम जिम्मेदारी को हमेशा ईमानदारी, सलीके और इल्मी हिकमत के साथ निभाया। उन्होंने हमेशा आक्रोश के बजाय इल्म, दलील और अमन के रास्ते को तरजीह दी। फ्रेंड्स ऑफ एजुकेशन नामी तंजीम का क्याम किया।

महिलाओं के हाथ में 281 सहकारी समितियों की कमान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

■ संचालक मण्डल में 2517 महिलाओं का दबदबा, 159 बनी उपाध्यक्ष, उत्तराखंड के सहकारिता चुनावों में दिखी महिला सशक्तिकरण की छाप

देहरादून। प्रदेश की सहकारी समितियों के चुनावों में महिला सशक्तिकरण की जबरदस्त छाप देखने को मिली है। प्रदेशभर की कुल 668 समितियों में से 281 समितियों की कमान महिलाओं के हाथों में रहेगी, जबकि 159 समितियों में उपाध्यक्ष पद पर भी महिलाओं ने जीत दर्ज की है। इसके अतिरिक्त विभिन्न समितियों के संचालक मण्डल में 2517 महिलाएं निर्वाचित हुई हैं, जो सहकारिता क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण का प्रणाम है। इसके साथ ही उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है जहां सहका. रिता में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया गया।

उत्तराखंड में सहकारिता आंदोलन को गति देने के लिये राज्य सरकार ने सहकारिता में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये 33 फीसदी आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। सरकार के इस निर्णय ने सहकारी समितियों में महिलाओं के प्रति. निधित्व की मजबूत नींव रखी है। प्रदेश की कुल 671 प्रारम्भिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (एम-पैक्स) में हुये चुनावों में कुल 6486 संचालक निर्वाचित हुये जिनमें से लगभग 39 फसदी यानी 2517 महिलाएं विजेता बनी। जिनमें अल्मोड़ा जनपद में 254, बागेश्वर 66, चम्पावत 101, नैनीताल 213, पिथौरागढ़ 281, ऊधमसिंह नगर 154, चमोली 174, देहरादून 173, हरिद्वार 191, पौड़ी 382, रूद्रप्रयाग 138, टिहरी 237 तथा उत्तरकाशी में 153 महिलाएं संच. ालक मंडल में निर्वाचित हुई।

सिर्फ संचालक मण्डल में ही नहीं बल्कि महिलाओं ने पदाधिकारी स्तर के पदों पर भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। प्रदेश की कुल 668 निर्वाचित समितियों में से 281 समितियों की कमान अब महिलाओं के हाथों में रहेगी। जिनमें अल्मोड़ा जनपद में 25, बागेश्वर 7, चम्पावत 10, नैनीताल 19, पिथौरागढ़ 35, ऊधमसिंह नगर 18, चमोली 16, देहरादून 15, हरिद्वार 21, पौड़ी 58, रूद्रप्रयाग 14, टिहरी 30 तथा उत्तरकाशी की 13 समितियां शामिल हैं। इसी प्रकार 159 समितियों में महिलाओं ने उपध्यक्ष के पद पर जीत हासिल की। सहकारी समितियों में महिला प्रतिनिधित्व न केवल सहकारिता आंदोलन को नई दिशा देगा बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला नेतृत्व और सामुदायिक विकास को भी सशक्त बनायेगा।

प्रदेश की सहकारी समितियों में महिलाओं की भागीदारी सहकारिता आंदोलन में एक नई ऊर्जा और गति का संचार करेगी। साथ ही महिलाओं के नेतृत्व से सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता जैसे मूल्य और अधिक मजबूत होंगे। –
डॉ. धन सिंह रावत, सहकारिता मंत्री, उत्तराखंड।

उपनल कर्मचारियों की मांगे माने सरकारः आर्य

देहरादून(शाह टाइम्स)। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि, सरकार को कुंदन सिंह मामले में 2018 के उच्च न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हुए उपनल कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन और नियमितीकरण की मांग मान लेनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, 2018 के उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करवाने की मांग को लेकर उपनल कर्मी पिछले कई दिनों से धरने पर डटे हुए हैं इस धरने के दौरान 2 उपनल कर्मियों की मृत्यु भी हो चुकी है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, कुंदन सिंह मामले में न्यायालय के आदेश का पालन करने के बजाय सरकार ने पहले उच्च न्यायालय की डबल बेंच में अपील की फिर उच्चतम न्यायालय में भी याचिका और पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। लेकिन सरकार को कभी भी सफलता नहीं मिली, उल्टा सरकार को न्यायालय से झाड़ भीं पड़ी है।

देश में गो हत्या रोकने में सरकार रही असफल : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

शाह टाइम्स संवाददाता

■ उत्तरकाशीः चौपडाधार में 111 दिनों से चल रही गौ कथा में पहुंचे शंकराचार्य

उत्तरकाशी। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौ हमारी माता है सनातन धर्म में ब्राह्मण, देव, संत और गौ ही इस धर्म के चार खंभे हैं। इन्हीं पर भारतीय संस्कृति संरक्षित है। हमें गौ को बचाने के लिए संकल्प लेना होगा।

चौपड़धार में 1 वर्ष 11 दिन तक चलने वाली गौ माता की आराधना के रूप में गोपाल मणि महाराज जी व सीता शरण महाराज जी द्वारा गौ प्रतिष्ठा संकल्प सिद्ध अनुष्ठान एवं दिव्या धेनु मानस गौ कथा में पहुंचे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार को पहुंचे। उन्होंने कहा कि चोपड़ा धाम नागराज की भूमि है यह स्थान सिद्ध पीठ है। उन्होंने हिंदुओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे गौ को धक्का मार रहे हैं दूध तक तो गाय ठीक है और उसके बाद गाय को सड़कों में छोड़ दे रहे हैं।

इस बात के प्रमाण हैं की गाय से बढ़कर कुछ नहीं है सबसे श्रेष्ठ धन गौ माता है। उन्होंने कहा कि आज हर घर में तीन प्रकार की समस्याएं हैं आर्थिक, रोग, और कलह सबसे बड़ी समस्या है आर्थिक जिसका समाधान गौ सेवा है गौ सेवा से धन की प्राप्ति होती है जिससे वे आर्थिक रूप से मजबूत होते है। आर्थिक मजबूत होते ही रोग दूर भागते हैं और कलह घर के अंदर प्रविष्टि नहीं हो सकता । उन्होंने कहा कि गाय में ही आय छिपी हुई है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में आज भी गौ हत्या हो रही है, जिसे रोकने में सरकार असफल रही है।

इस दौरान कथा वक्ता गोपाल मणि महाराज ने कहा कि 33 करोड़ देवी-देवताओं का चलता-फिरता मंदिर इस पृथ्वी पर केवल गौ माता है। उन्होंने कहा कि बीमार के लिए अस्पताल, भक्त के लिए भगवान तथा शिष्य के लिए गुरु है गौ माता। गौ की महानता की हद तो स्वयं राम-कृष्ण भी तय नहीं कर सकते। जिस गौ माता का मल भी गणेश के रूप में प्रथम पूजा जाता है, वो गौ माता कितनी पावन होगी। गौ के जैसी तो केवल गौ ही होती है। इस देश की सबसे पुरानी कथा गौ कथा ही है। जो भक्त गौ माता की सेवा करते हैं, वे संस्कारी बनते हैं।

भाजपा ने तेज की पार्षद, सभासद और समितियां में नामित सदस्यों के लिए कयावद

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । नगर निकायों में पार्षद एवं सभासद के साथ विभिन्न विभागों की समितियां में नामित सदस्यों के मनोनयन के लिए भाजपा संगठन ने अपनी कयावद तेज कर दी है। पार्टी का प्रयास है कि सरकार के कार्यों का अधिक से अधिक लाभ जनता तक पहुंचाने के मकसद से होने वाली इन नामित नियुक्तियों में अभिरुचि अनुसार योग्य व्यक्तियों का चयन हो।

प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तराखंड नगर निकाय चुनाव पूर्ण होने के बाद सरकार सभी नगर निग. मों में पार्षद और नगरपालिका एवं नगर पंचायतों में सभासद, तय नियमावली अनुसार मनोनीत करने जा रही है। इसी तरह विभिन्न सरक. ारी विभागों की समितियां में भी उपाध्यक्ष एवं सदस्यों का भी शीघ्र मनोयन किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें प्रमुख रूप हैं, समाज कल्याण, विद्यालय एवं शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, उद्योग, पेयजल, कौशल विकास एवं सेवायोजन आदि विभाग में सदस्यों एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति में एक उपाध्यक्ष और सदस्य नामित होने हैं। जो जिला स्तर पर ब्लॉक स्तर पर भी नामित किए जाने हैं।

उन्होंने कहा, राज्य के विकास और जनता को अधिक लाभ दिलाने की दिशा में नामित होने वाले व्यक्तियों में योग्यता, अभिरुचि, उपलब्धता, सक्रियता, क्षेत्रीय, सामाजिक समीकरणका संज्ञान रखा जाता है। इसमें पार्टी संगठन का प्रयास है

अच्छे लोगों का चयन हो ताकि सरकार के काम सुचारू रहे और जनता की समस्या का आसानी से निराकरण हो सके। लिहाजा इन सभी मानकों पर जो भी कार्यकर्ता उचित पाए जाते हैं उनका अधिक से अधिक मनोनयन कराने की दिशा में हम कार्य कर रहे हैं। फिलहाल इस विषय को लेकर हमारी कयावद तेज हो चुकी है और सक्षम एवं योग्य कार्यकर्ताओं की सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सर्दी में सिर से छिन गया छत का सहारा

विकासनगर। सरकारी जमीनों पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ धामी सरकार का बुलडोजर एक्शन लगातार जारी है, जिससे अतिक्रमणकारियों एक बार हड़कंप मच गया है। रविवार को तहसील विकासनगर की टीम ने ढकरानी में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है। प्रशासन की टीम ने पूर्व में भी डाकपत्थर, नवाबगढ़, भीमावाला, ढकरानी, ढालीपुर और कुल्हाल क्षेत्र में यूजेवीएनएल की सरकारी जमीनों पर बड़े पैमाने पर हुए अवैध कब्जों को कब्जा मुक्त कराया था। इस बार भी इन्हीं क्षेत्रों में बीते सप्ताह चिन्हित किए गए 116 अवैध कब्जों और उस पर किए गए निर्माणों को बुलडोजर की मदद से कब्जा मुक्त करने की कार्रवाई शुरू की गई। वहीं महिलाएं कार्रवाई को गलत बताते हुए बुलडोजर के आगे लेट गई, उनका कहना था कि हमारे ऊपर से बुलडोजर चढ़ा कर मकान ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करेगा।

कृषि मंत्री ने प्रशिक्षण दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

■ पलायन को रोकने में कृषि और बागवानी का बहुत बड़ा योगदान : जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय से नाबार्ड योजनान्तर्गत स्थापित पॉलीहाउस के 05 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु जनपद देहरादून के चयनित 28 कृषकों के दल को गोविंद बल्लभ पंतनगर विश्वविद्यालय के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि नाबार्ड के माध्यम से प्रदेश में 50 हजार पॉलीहाउस स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज पलायन को रोकने में कृषि और बागवानी का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में लौटे प्रवासी सबसे अधिक कृषि और बागवानी क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। ऐसे में सरकार उन्हें कृषि और बाग. वानी आधारित आजीविका से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के लिए रवाना हो रहा यह 28 कृषकों का दल पंतनगर विश्वविद्यालय में उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त कर मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार होगा, जो आगे ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य किसानों को भी प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा कि पॉलीहाउस तकनीक से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि नियंत्रित वातावरण में सब्जियों की बेहतर उत्पादन क्षमता और उच्च गुणवत्ता के कारण बाजार में दो से तीन गुना तक मूल्य प्राप्त होता है। उन्होंने यह भी कहा कि पॉलीहाउस के संचालन व रखरखाव के लिए विशेषज्ञों द्वारा निरंतर तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उत्पादन में और बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सके।

नशा मुक्ति को धार देने के लिए प्रशासन ने कसी कमर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिले को नशा मुक्त बनाने और युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने अपनी कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अवधेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला सभागार में नारकोटिक्स कोर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। इस बैठक में नशीली दवाओं और मन प्रभावी पदार्थों से जुड़े अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की गई कार्यवाहियों की गहन समीक्षा की गई। एडीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है

■ एडीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुई एनसीओआरडी की बैठक, स्कूलों से लेकर मेडिकल स्टोर तक निगरानी बढ़ाने के निर्देश मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए विभागों ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड, शिक्षण संस्थानों में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर

जिसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ एक मिशन के रूप में कार्य करना होगा। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे केवल खानापूर्ति तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि समाज में एक सकारात्मक संदेश जाए।

बैठक के दौरान एडीएम ने विशेष रूप से शिक्षा विभाग और स्कूलों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी विद्यालयों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान छात्र-छात्राओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाए और उन्हें नशा न करने की शपथ दिलाई जाए। इसके अलावा, शिक्षण संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर कड़ी नजर रखने, स्कूलों में शिकायत पेटिका को सक्रिय करने और संदिग्ध मामलों में ड्रग टेस्टिंग कराने के भी निर्देश जारी किए गए। प्रशासन ने अफीम, खस-खस और पोस्त जैसी अवैध खेती के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाया है। एडीएम ने संबंधित विभागों को संयुक्त टीम बनाकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में औचक निरीक्षण और छापेमारी करने को कहा है, ताकि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। उन्होंने यह भी ताकीद की कि अगली बैठक में उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

बैठक में विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्तर पर की गई कार्यवाहियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। औषधि निरीक्षक, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन ऋषभ धमा ने सदन को अवगत कराया कि उनके विभाग द्वारा मेडिकल स्टोरों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि नवंबर माह में अब तक जिले के 18 मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया गया है, जिसमें से 6 संदिग्ध नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। अनियमितता पाए जाने पर 5 मेडिकल संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि दो दुकानों के क्रय-विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह कार्यवाही यह दर्शाती है कि प्रशासन नशे के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों को बख्शने के मूड में नहीं है।

जोशी ने 169 दिव्यांगजनों को वितरित की मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान परिसर में एलिम्को के माध्यम से आयोजित दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल (इलेक्ट्रिक) वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) की सीएसआर निधि से 169 दिव्यांगजनों को निशुल्क इलेक्ट्रिकमोटराइज्ड ट्राईसाइकिलें वितरित की गईं।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने इस सराहनीय पहल के लिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा अपने निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत लगभग 1 करोड़ रुपए की धनराशि इस उद्देश्य के लिए उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते हुए कहा कि विकलांग से दिव्यांग जैसे सम्मान जनक नाम प्रधानमंत्री मोदी ने दिया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के उत्थान हेतु निरंतर नई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लक्ष्य उनके जीवन को अधिक सुलभ, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाना है।

मांदरा गांव में भूस्खलन का खतरा गहराया प्रशासन की अनदेखी से ग्रामीणों में रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद के भिलंगना विकासखंड की बासर पट्टी स्थित मांदरा गांव के निवासी इन दिनों अनजाने भय के साये में जीने को विवश हैं। विगत दो वर्षों से यह पूरा क्षेत्र लगातार हो रहे भूस्खलन और दैवीय आपदा की मार झेल रहा है, जिसके चलते ग्रामीणों की रातों की नींद हराम हो गई है। विडंबना यह है कि सिर पर मंडराते इस गंभीर संकट के बावजूद शासन और प्रशासन की ओर से सुरक्षात्मक कार्यों के नाम पर केवल कागजी औपचारिकताएं ही पूरी की जा रही हैं। ग्रामीणों का आरा. ेप है कि जिम्मेदार अधिकारी और विभाग मूकदर्शक बने हुए हैं, जिससे भविष्य में किसी बड़ी जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।ग्राम प्रधान सुचिता देवी और पूर्व प्रधान मोहन लाल भट्ट ने स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बताया कि गांव में पिछले दो साल से लगातार भू-धंसाव और भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। आपदा आने पर प्रशासनिक टीमें गांव का दौरा तो करती हैं, लेकिन समस्या के स्थाई समाधान के बजाय केवल आश्वासन देकर लौट जाती हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष गांव के ऊपरी हिस्से में भारी भूस्खलन हुआ था, जिसके बाद भूगर्भीय सर्वेक्षण भी कराया गया। उस समय ग्रामीण निर्माण विभाग ने सुरक्षा कार्यों हेतु 8.67 लाख रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा था, लेकिन एक वर्ष का लंबा समय बीत जाने के बाद भी उस प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं मिली है।

गहरी खाई में गिरी कार, पूर्व प्रधान का शव बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी गढ़वाल के घनसाली कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक अत्यंत दुखद सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। शनिवार की देर रात एक शादी समारोह की खुशियों में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे होल्टा नैलचामी के पूर्व प्रधान की कार दुर्घटना में मौके पर ही मृत्यु हो गई। यह हृदयविदारक घटना बडियार गांव के समीप घटित हुई, जहां अनियंत्रित होकर कार सड़क से फिसलकर लगभग 50 से 60 मीटर गहरी दुर्गम खाई में जा गिरी। इस भीषण हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस तंत्र

फाईल फोटो

सक्रिय हो गया, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार के खाई में गिरते ही उसके परखच्चे उड़ गए। स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) को सूचित किया गया, जिसके पश्चात एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम

■ विवाह समारोह से लौटते समय हुआ भीषण हादसा क्षेत्र में शोक की लहर

आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचकर टीम ने देखा कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त अवस्था में खाई में फंसा हुआ था और उसमें सवार व्यक्ति की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। रात्रि का समय और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, एसडीआरएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद अभियान चलाया और शव को खाई से बाहर निक. ालने में सफलता प्राप्त की।

शव को खाई से निकालने के बाद एसडीआरएफ ने उसे अग्रिम कार्यवाही हेतु स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मृतक की पहचान 55 वर्षीय बेलम सिंह गुसाईं पुत्र शिवराम गुसाईं के रूप में हुई है, जो होल्टा नैलचामी गांव के पूर्व प्रधान थे। वे एक विवाह समारोह में सम्मिलित होकर वापस अपने निवास स्थान की ओर जा रहे थे, तभी काल ने उन्हें अपना ग्रास बना लिया। इस दुखद घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

गड्ढा मुक्त सड़कों की जिला मुख्यालय में खुल रही पोल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग में लोक निर्माण विभाग के गढ़डा मुक्त सड़कों की पोल खुल रही है। जिला मुख्यालय के नये बस अडडे से होकर धनपुर व रानीगढ़ पटटी के गांवों को जोड़ने वाले तूना-बौंठा मोटरमार्ग पर बड़े-बड़े गढडे़ पड़े हुये हैं। साथ ही नालियों का पानी भी मोटरमार्ग पर बह रहा है। जिस कारण आम जनता के साथ ही स्कूली नौनिहालों को आवाजाही करने में परेशानी हो रही है।

दरअसल, जिला मुख्यालय के बस अडडे से होकर तूना-बौंठा मोटरमार्ग गुजर रहा है, लेकिन मोटरमार्ग पर बस अडडे के भीतर ही बड़े-बड़े गढडे़ पड़े हुये हैं। आये

■ जिला मुख्यालय के बस अडडे की सड़क पर बड़े-बड़े गढडे़

दिन वाहन एवं राहगीर इन गढडों से होकर आवाजाही कर रहे हैं। यह गढडे़ मोटरमार्ग पर नये व पुराने दोनों बस अडडों पर पड़े हुये हैं। गढडे़ एक स्थान पर नहीं, बल्कि कई स्थानों पर हैं। लोक निर्माण विभाग ने दावा किया था, कि अक्टूबर तक सभी गढडों को भरा जाएगा, लेकिन जब जिला मुख्यालय में ही मोटरमार्गों में गढडे़ पड़े हुये हैं तो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति क्या होगी। कई मोटरमार्गों पर तो विभाग ने जो गढडे़ भरे थे, उनमें बिछाया गया डामर भी उखड़ चुका है।

वहीं दूसरी ओर तूना-बौंठा मोटरमार्ग पर कई दुर्घटनाएं होने के बाद भी इसकी बदहाली कोई सुध नहीं ले रहा है। बस अडडे से लगभग दो सौ मीटर दूर से मोटरमार्ग की बेहद दयनीय स्थिति बनी हुई है। लगभग एक किमी के दायरे में मोटरमार्ग का पूरा डामर उखड़ चुका है और गढडे़ पड़े हुये हैं। साथ ही मोटरमार्ग पर कंक्रीट फैला हुआ है। इस मोटरमार्ग पर नगरपालिका रुद्रप्रयाग के साथ ही धनपुर व रानीगढ़ पटटी की हजारों की जनता आवाजाही करती है। साथ ही आये दिन स्कूली बच्चे भी इस मोटरमार्ग से होकर गुजरते हैं, लेकिन बावजूद इस मोटरमार्ग की सुध नहीं ली जा रही है। समस्या से विभाग को कई बार अवगत कराया गया है, बावजूद इसके कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। पूर्व में मोटरमार्ग के दोनों छोरों से अतिक्रमण को हटाया गया था, लेकिन एक बार फिर से मोटरमार्ग पर अतिक्रमण किया जाना शुरू हो गया है। साथ ही लोग मोटरमार्ग के दोनों छोरों पर अपने दुपहिया वाहन व कारों को आड़ा तिरछा खड़ा कर रहे हैं, जिससे जाम की भी परेशानी हो रही है। स्थानीय व्यापारियों व जनता ने शीघ्र ही लोक निर्माण विभाग से मोटरमार्ग की सुध लेने की मांग की है।

रुद्रप्रयाग में इन दिनों पांडव नृत्य की धूम

रुद्रप्रयाग। देवभूमि में इन दिनों पांडव नृत्य की धूम है। खासकर रुद्रप्रयाग जनपद की केदारघाटी के अधिकांश गांवों में पांडव नृत्य हो रहा है। धार्मिक आयोजन से देवभूमि का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। पहाड के लोग बडे उत्साह से पांडव नृत्य व लीलाओं में भाग ले रहे हैं। धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए प्रवासी भी भारी संख्या में देवभूमि का रूख करने लगे है, जिससे विरान पडे गांवों में रौनक लोटने लगी है।

दीपावली के बाद से देवभूमि में पांडव नृत्य का शुभारंभ हो जाता है। जनपद के अधिकांश हिस्सों में इन दिनों यह धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जा रहा है।

एक नजर ....

कोटद्वार- दुगड्डा हाईवे पर खाई में गिरा डंपर, चालक की मौत

कोटद्वार। रेत, बजरी व सीमेंट लेकर कोटद्वार से संगलाकोटी जा रहा डंपर कोटद्वार- दुगड्डा हाईवे पर आमसौड़ के समीप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। हादसे में डंपर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। रविवार को दुगड्डा चौकी इंचार्ज किशन दत्त शर्मा ने बताया कि शनिवार रात लगभग साढ़े आठ बजे कोटद्वार से डंपर संख्या यूके 14 सीए 3453 रेत, बजरी व सीमेंट लेकर संगलाकोटी के लिए निकला। ट्रक में चालक के अलावा कोई नहीं था। इस बीच डंपर आमसौड़ के समीप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। रात को जब डंपर संगलाकोटी नहीं पहुंचा तो डंपर मालिक ने पुलिस को सूचित किया।पुलिस के खोजबीन करने पर डंपर खाई में गिरा मिला। पुलिस व एसडीआरएफ की टीम की मदद से चालक के शव को खाई से निकाला गया। चालक की पहचान धीरेन्द्र उर्फ धीरू, पुत्र नरेन्द्र रावत, निवासी ग्राम भिंगवाड़ कोटद्वार के रूप में हुई । पुलिस द्वारा पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

30वां एलईडी एक्सपो 27 से 29 नवंबर तक होगा आयोजित

देहरादून : एलईडी एक्सपो 2025 के 30वें संस्करण में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। 27 से 29 नवंबर 2025 के बीच यशोभूमि, नई दिल्ली में आयोजित यह प्रदर्शनी भारत के लाइटिंग उद्योग के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगी। इस प्रदर्शनी को एलईडी एवं स्मार्ट लाइटिंग टेक्नोलॉजी के लिए देश का अग्रणी ट्रेड फेयर कहा जा सकता है, जिसके आगामी संस्करण में 250 से प्रदर्शक 6000 से अधिक प्रोडक्ट्स एवं 2000 से अधिक ब्राण्ड्स का प्रदर्शन करेंगे, इनमें से 75 प्रतिभागी पहली बार प्रदर्शनी में हिस्सा ले रहे हैं।शो में हिस्सा लेने वाली कंपनियां एलईडी प्रोडक्ट्स, कम्पोनेन्ट्स एवं ऐप्लीकेशन्स में आधुनिक इनोवेशन्स पेश करेंगी। एमएसएमई मंत्रालय से मिले सहयोग के चलते एलईडी एक्सपो में एक निर्धारित एमएसएमई पैविलियन भी होगा, जहां 40 से अधिक लघु एवं छोटे उद्यम अपने आधुनिक लाइटिंग प्रोडक्ट्स एवं इनोवेशन्स का प्रदर्शन करेंगे।मेसे फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बोर्ड मेंबर, राज मानेक ने कहा, "पिछले कुछ सालों पर ध्यान दें तो देश में एलईडी लाइटिंग उद्योग में सकारात्मक रूझान देखने को मिले हैं और इसका अडॉप्शन लगातार बढ़ रहा है।

पुलिस उपाधीक्षक पौड़ी तुषार बोरा ने किया थाना सतपुली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

सतपुली । पुलिस उपाधीक्षक पौड़ी तुषार बोरा द्वारा रविवार को थाना सतपुली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। जिसमें सर्वप्रथम सीओ द्वारा गार्द का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात थाना कार्यालय , भोजनालय, कर्मचारी बैरक तथा थाना परिसर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान थाने को आवन्टित सरकारी सम्पत्ति व मालखाने का निरीक्षण करते हुए मालखाने में रखे लम्बित मालों तथा थाना परिसर में खड़े वाहनों का निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। थाना कार्यालय में संचालित सीसीटीएनएस पोर्टल एवं अन्य ऑनलाइन पोर्टलों एवं थाना अभिलेखों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही थाने को आवन्टित शस्त्रों का निरीक्षण कर शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दिए गए। थानाध्यक्ष सतपुली सहित सभी कर्मिकों को अनुशासन, टर्नआउट उच्च कोटि का बनाए रखने, बैरिकों व आवासीय परिसर को साफ-सुथरा रखने, सरकारी सम्पत्ति का रखरखाव करने तथा अभिलेखों को अध्यावधिक करने व उच्चाधिकारियों से निर्गत दिशा निर्देशो का शत प्रतिशत पालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

श्रीनगर में 6 मकान मालिकों पर चालानी कार्रवाई

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने रविवार को नगर क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाकर 6 मकान मालिकों पर चालानी कार्यवाही की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया एसएसपी के आदेश पर श्रीनगर पुलिस ने दो टीम बनाकर सत्यापन अभियान चलाकर किरायेदार, नौकर का सत्यापन न कराने वाले मकान मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। बताया कि अभियान के दौरान 6 मकान मालिकों पर किरायदारों का सत्यापन न मिलने पर चालानी कार्यवाही की गई।

गीता चौहान को आखर विज्ञान शिक्षक सम्मान से नवाजा

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। आखर ट्रस्ट के ओर से रविवार को शिक्षा एवं समाज को समर्पित विज्ञान-गणित शिक्षक स्व. शिवदर्शन सिंह नेगी की जयन्ती के उपलक्ष्य पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राजकीय इंटर कालेज जखण्ड की शिक्षिका गीता चौहान को शिवदर्शन सिंह नेगी स्मृति आखर विज्ञान शिक्षक सम्मान से नवाजा गया। सम्मान स्वरूप सम्मानित शिक्षिका को अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, विशेष आखर स्मृति चिह्न एवं पाँच हजार एक सौ रुपए की धनराशि भेंट की गई। साथ ही बंगलौर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान संगोष्ठी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया उनके छात्र निर्मल पंवार को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि गढवाल विवि के भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. आलोक सागर गौतम ने आखर ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्व. नेगी जिन्होंने समाज एवं शैक्षिक जगत में अपना चिरस्मरणीय योगदान दिया है, उनको याद किया जाना आवश्यक है। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने वायुमंडलीय एवं पर्यावरणीय भौतिकी,उत्तराखण्ड में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस आधारित मौसम पर भी अपना वक्तव्य रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गढ़वाल विवि के शिक्षा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सम्पूर्ण सिंह रावत ने कहा कि आज के समय में स्व. शिव दर्शन सिंह नेगी जैसे व्यक्तित्व और शिक्षक से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। मौके पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के डॉ. प्रदीप अंथवाल, कमलेश चंद्र जोशी, गंगा असनोड़ा थपलियाल, उमा घिल्डियाल,अंजना घिल्डियाल, अनीता काला,आखर ट्रस्ट की संस्थापक लक्ष्मी रावत, राधा मैंदोली, बीना मेहरा, डॉ. हर्षिमणि पाण्डेय, पूर्व प्रधानाचार्य अवधेशमणि, श्वेता पंवार, नन्द किशोर नैथानी सहित आदि मौजूद थे।

खुले में कचरा डाला, तो विभाग करेगा कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष, विशेषकर भालू संबंधित घटनाओं के मद्देनजर प्रभागीय वन अधिकारी रजत सुमन की अध्यक्षता में आपात बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सभी रेन्जों से क्षेत्रवार विवरण प्राप्त कर ग्राम-वार आंकलन किया गया, जिसमें जुलाई से अब तक 128 गांव संवेदनशील पाए गए हैं।

डीएफओ रजत सुमन ने बताया कि वन विभाग की ओर से अक्टूबर से अब तक लगभग 350 गांवों एवं विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

जागरूकता कार्यक्रमों को मजबूत करने को लेकर घर-घर संपर्क तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम

■ खुले में कचरा मिलने पर जंगली जानवर हो रहे आकर्षित,जनपद में जंगली जानवरों के आतंक से 128 गांव संवेदनशील

से सतत जागरूकता प्रसार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वन क्षेत्रों में कम फलन, भोजन की कमी, कचरे का आकर्षण और जलवायु असामान्यताओं के कारण भालुओं के व्यवहार में परिवर्तन देखा जा रहा है। संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान देखा गया कि जहां खुले में जैविक कचरा फेंका गया है, उन क्षेत्रों में घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सभी रेन्जों को खुले में कचरा डालकर वन्यजीवों को आकर्षित करने वाले लोगों के विरूद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। अत्यधिक संवेदनशील गांवों में फॉक्स लाइट्स के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ ही अधिक उपकरणों और अतिरिक्त कार्यबल की व्यवस्था कर जमीनी स्तर पर प्रतिक्रिया क्षमता को सुदृढ़ करने के लिये कहा गया। अन्य सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों तथा जनप्रतिनिधियों को भी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जोड़ने की बात बैठक में कही गई, ताकि साम. ुदायिक सहभागिता बढ़े और सूचना प्रवाह तेज होने के साथ ही संयुक्त प्रयासों से संघर्ष को प्रभावी रूप से कम किया जा सके।

जोशी ने किया अल्ट्रा मैराथन के विजेताओं को पुरस्कृत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून/मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज मसूरी में पद्मश्री स्वर्गीय सिने अभिनेता टॉम आल्टर की स्मृति में आयोजित अल्ट्रा मैराथन 2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। मंत्री जोशी ने विभिन्न वर्गों के विजेताओं, उप-विजेताओं व प्रतिभागियों को ट्रॉफी, मेडल एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस मैराथन में 50 किमी, 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी की दौड़ में कुल 425 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया, जिनमें बड़ी संख्या में युवा, महिला धावक और

देश-विदेश से आए प्रतिभागी शामिल रहे।

अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मसूरी की वादियों में स्वास्थ्य, साहस और अनुशासन का ऐसा अनूठा संगम प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कहा कि यह मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि फिटनेस, पर्यावरण जागरूकता और युवा ऊर्जा का सुंदर उत्सव है।

टॉम आल्टर को श्रद्धांजलि देते हुए मंत्री जोशी ने कहा कि मसूरी से उनका गहरा नाता रहा है और यह

■ मसूरी में पद्मश्री स्वर्गीय सिने अभिनेता टॉम आल्टर की स्मृति में आयोजित अल्ट्रा मैराथन 2025 के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री

आयोजन उनकी स्मृति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि ष्क्वीन ऑफ द हिल्सष के नाम से मशहूर मसूरी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सौम्य वातावरण के साथ अब स्पोर्ट्स टूरिज्म के क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को पूर्ण समर्थन मिलेगा। अंत में मंत्री जोशी ने सभी धावकों को शुभकामनाएँ देते हुए मसूरी अल्ट्रा मैराथन 2025 के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी, पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, टॉम आल्टर के बेटे जिमी आल्टर, मिसेज ग्लोब अनुराधा गर्ग,संदीप साहनी, मोहन पेटवाल सहित सहित कई लोग उपस्थित रहे।

स्मार्ट किलर' का ट्रेलर हुआ लॉन्च मकर संक्रांति को फिल्म होगी रिलीज

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़कोट (उत्तरकाशी) : आने वाली मकर संक्रांति 2026 को लॉन्च होने जा रही बॉलीवुड की बहुचर्चित फिल्म ष्स्मार्ट किलरष में उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की बड़कोट तहसील के अंतर्गत चपटाड़ी गांव निवासी दुर्गेश नौटियाल मुख्य किरदार (हीरो) की भूमिका निभा रहे हैं। स्मार्ट किलर में दुर्गेश नौटियाल के मुख्य किरदार (हीरो) की भूमिका में होने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बॉलीवुड की बहुचर्चित फिल्म स्मार्ट किलर का डॉयलॉग "स्मार्ट किलर कभी मरते नहीं हैं वे हमेशा जिन्दा रहते हैं" बदले की भावना से भरे पारिवारिक थ्रिलर एक्शन ड्रामा फिल्म का ट्रेलर फिल्म के सभी कलाकारों व टेक्नीशियन्स के साथ मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित इंडियन मोशन पिक्चर्स एसोशिएशन ऑडोटिरयम में स्मार्ट किलर का ट्रेलर का भव्यमय तरीके से थिएटर में दिखाया गया। उक्त जानकारी देते हुए फिल्म निर्माता राजाराम सिंह ने बताया है कि स्मार्ट किलर फिल्म ट्रेलर रिलीज के इस शुभ अवसर पर बहुत ही बेहतर खुशनुमा माहौल रहा। इस फिल्म को आने वाली मकर संक्रांति 2026 को रिलीज किया जायेगा। फिल्म स्मार्ट किलर के कलाकारों में दुर्गेश नौटियाल, हेमंत बिरजे, सुनील पाल, रमेश गोयल, विभा तिवारी, पूजा डडवाल, एडि ऐथियो, पिंकी चिनॉय, सपना तिवारी, रंजू भटटाचार्या, निर्देशक योगेश खोखर, लेखक प्रिया नायडू, संगीत एफजे स्टूडियो, गीतकार सतीश सक्सेना, रंजू भटटाचार्य, सिंगर राजा हसन, रंजू भटटाचार्य, नकाश अजीज, डीओपी राकेश तिवारी आर्ट दीपक अम्बावाडेकर, वीएफएक्स रतीश भारती साउण्ड कपोजर शेखर बागची एवं निर्माता राजाराम सिंह आदि हैं।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से पूर्व सैनिक की मौत

■ जंगल किनारे पेड़ पर टहनियां काटने के दौरान हुआ हादसा

शाह टाइम्स संवाददाता

शक्तिफार्म। गांव बैकुंठपुर में रविवार को बकरी के लिए चारा काटते समय पेड़ पर चढ़े पूर्व सैनिक की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, 74 वर्षीय मदन चंद पुत्र हीरा चंद रविवार को अपनी पत्नी गोविंदी देवी के साथ घर से करीब 200 मीटर दूर चारा लेने गए थे। वह गुडेल के पेड़ पर चढ़कर टहनियां काट रहे थे, जबकि उनकी पत्नी नीचे उन्हें एकत्र कर रही थी। इसी दौरान टहनी काटते समय उनकी दराती टहनियों के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। करंट लगते ही वह पेड़ की टहनियों में फंसकर छटपटाते रहे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर एएसआई सुरेंद्र बोरा ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के अनुसार, मदन चंद वर्ष 2004 में सेना से रिटायर हुए थे। उनके परिवार में पत्नी गोविंदी देवी और दो बेटे योगेश व चंदन हैं, जो बाहर प्राइवेट नौकरी करते हैं। बताया जा रहा है कि मदन चंद अपनी पत्नी के साथ रहते थे, जबकि उनका पुत्र इन दिनों मुंबई में रहता है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। स्थानीय भाजपा नेता रमेश राय तथा मंडल अध्यक्ष गोविंद तालुकदार ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को सांत्वना दी।

उपनलकर्मियों पर एस्मा लगाए जाने से भड़के कांग्रेसी

■ सरकार का पुतल फूंक जताया विरोध, किया जोरदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पिछले कई माह से अपनी मांगों को लेकर देहरादून में आन्दोलन कर रहे उपनलकर्मियों पर सरकार द्वारा एस्मा लगाये जाने के विरोध में आज महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ममता रानी के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने डीडी चौक पर जोरदार प्रदर्शन के साथ सरकार का पुलता फूंका।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ममता रानी ने कहा कि प्रदेश में कर्मचारियों को अपनी मांग उठाने का अधिकार भी छीना जा रहा है। उन पर एस्मा लगाकर उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। जो लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज महिला उत्पीड़न बढ़ रहा है, बेरा. `जगार युवक सड़कों पर उतर कर आन्दोलन कर रहा है, आम जनता तमाम मूलभूत परेशानियों से जूझ रही है, विकास कार्यों के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार किया जा रहा है। प्रशासनिक व विभागीय अधिकारी परेशान जनता की कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। इसका बदला आम जनता आगामी वर्ष 2027 में होने वाले विधान सभा चुनाव में लेगी। ममता रानी ने कहा कि यदि उपनल कर्मियों की न्यायोचित मांगों का सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार समाधान नहीं करेगी तो कांग्रेस पार्टी अपना आन्दोलन और तेज करने को बाध्य होगी। पुतला फूंकने वालों में महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा, अनिल शर्मा, उमा सरकार, प्रीति साना, मोहन कुमार, नरेश सागर, अनुज सिंह, रामस्वरूप भारती, देवेन्द्र कुमार, सतीश कुमार, राधेश्याम, मुरारी लाल, चमन सागर, सीपी शर्मा, अर्जुन विश्वास, अरविन्द, छत्रपाल, दिनेश मौर्य, बाबू विश्वकर्मा आदि शामिल थे।

12 प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर डायनेस्टी ने लहराया परचम

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय सभी 12 प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल अकादमी ने कीर्तिमान रच दिया। कार्यक्रम का आयोजन अमर इंटर कॉलेज भंजूराम रुद्रपुर में 21 व 22 नवंबर को किया गया।

सभी विजेता टीमें तीन व चार दिसंबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हरिद्वार में प्रतिभा करेंगी

विद्यालय का यह विजय अभियान अनवरत 12 वर्षों से चला आ रहा है। जनपद स्तर पर आयोजित कनिष्ठ वर्ग में संस्कृत नाटक, समूहगान, आशुभाषण, श्लोकोच्चारण, समूह नृत्य वाद विवाद में प्रथम प्राप्त किया। वहीं वरिष्ठ वर्ग में संस्कृत नाटक, समूहनृत्य, वाद विवाद, आशुभाषण, श्लोकोच्चारण तथा समूहगान में प्रथम स्थान पर रहा। समस्त 12 टीमें आगामी 3 व 4 दिसंबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हरिद्वार में प्रतिभाग करेंगी। नाटक का निर्देशन विद्यालय के अध्यापक सुरेश ओली, समूह गान संगीत प्रशिक्षक नरसिंह कुंवर, रेनू उपाध्याय, ऊधम सिंह, कु. सीमा, श्लोकोच्चारण पूरन चंद्र पांडेय, नृत्य राहुल कुमार व अनुज कुमार के नेतृत्व में आयोजित किए गए। इस विशेष उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट, डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, दिगंबर भट्ट, रमेश चंद्र जोशी, चामू दानू, रूचि, बसंत रावत, दीपा मेहरा, किरन खर्कवाल, पिंकी कापड़ी, ऊषा भट्ट, लिंसी त्यागी, हेमलता बोरा आदि ने समस्त विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

क्षेत्रीय विधायक आदेश चौहान के बड़े भाई का आकस्मिक निधन

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। जनपद ऊधम सिंह नगर के जसपुर क्षेत्र के विधायक आदेश सिंह चौहान के बड़े भाई राकेश सिंह का आकस्मिक निधन हो गया। क्षेत्र के गणमान्य लोगों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं, क्षत्रिय बंधुओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

सड़क हादसे में एक युवक घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। सड़क हादसे में एक युवक घायल हो गया।घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मोहल्ला खताड़ी निवासी आरव बाईक पर सवार होकर बैलपड़ाव से रामनगर की ओर जा रहा था।इसी दौरान ग्राम छोई के समीप सामने से आ रही अज्ञात कार चालक ने बाइक को जोरदार टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।घायल की ओर से तहरीर मिलने पर मामला दर्ज किया जाएगा।

बिजनौर की टीम ने काशीपुर को हराकर जीता सेमीफाइनल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। काशीपुर रोड स्थित जैन ग्लोबल पब्लिक स्कूल के खेल मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। रुद्रा लायन क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की क्रिकेट टीम में इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं।

चौथी शंकुल सक्सेना स्मृति में यह 20-20 ओपन क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जिसका सेमीफाइनल मैच का शुभारंभ काशीपुर जिला के भाजपा सह प्रभारी और समाजसेवी भारत भूषण चुघ ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। सेमी फाइनल मैच बिजनौर क्रिकेट क्लब और किंग्स फोडर्स क्रिकेट अकैडमी काशीपुर के मध्य खेला गया। सेमी फाइनल के मुख्य अतिथि चुघ ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं से आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ता है और खेल प्रतियोगिता से प्रतिभाएं निखरकर सामने आती है। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्र से निकले हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में प्रतिभाग कर रहे हैं और क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने सेमीफाइनल खेलने वाली दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी।

बिजनौर टीम के कप्तान विशाल यादव और काशीपुर टीम के कप्तान जतिन विर्क, अंपायर सत्येंद्र मिश्रा और अमरनाथ यादव स्कोरर सत्यम सागर। पहले खेलते हुए काशीपुर की टीम ने 179 रन बनाए, जिसका पीछा करते हुए 19 ओवर में बिजनौर की टीम ने 180 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाकर मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अमन नवाज रहे। इस दौरान आयोजक नवीन टम्टा, नीरज कत्याल, पंकज पांडे, सुधांशु उपाध्यक्ष, सुनील टम्टा, सर्वेश चुघ, अमित गौड, हिमांशु कन्नौजिया, गुफरान अहमद, अजय मिश्रा समेत तमाम खेल प्रेमी मौजूद थे।

जीडी गोयनका स्कूल का वार्षिक समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न

■ प्रसिद्ध फिल्म एवं टेलीविजन अभिनेता तरुण खन्ना रहे मुख्य अतिथि

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, डिब्डिबा, बिलासपुर में वार्षिक समारोह ''VIBRATIONS 3-0''का आयोजन अत्यंत उल्लास और गरिमा के साथ किया गया। इस वर्ष का विषय "नवांकुर विजन फॉर 2030" रहा, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनशीलता, एकता और सतत विकास के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध फिल्म एवं टेलीविजन अभिनेता तरुण खन्ना तथा विशिष्ट अतिथि निपुण गोयनका, प्रबंध निदेशक जीडी गोयनका ग्रुप रहे। अतिथियों का विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ "द गोयनकन ग्लोरी" (March of Honour) और "प्रकाश स्तंभ ''The Illumination of Wisdom" के साथ हुआ। मंच पर एक के बाद एक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने "शिक्षा '' द लाइट विदिन", "समानता-डांस फॉर इक्वालिटी", "शांति सूत्र- द पाथ ऑफ जस्टिस" और "रंग भारत के" जैसी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षा, समानता, न्याय और एकता का संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रूपाली पुरी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों, नवाचारों और विद्यार्थियों की प्रगति का विस्तृत विवरण दिया। अध्यक्ष अतुल गोयल, अकादमिक निदेशिका रूचि गोयल तथा विद्यालय के निद. `शकगण रोहित गोयल, निधि गोयल, मुकुंज गोयल एवं शिवाली गोयल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ा दिया। विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं, समारोह में उनका विशेष सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि तरुण खन्ना ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि गोयनकन विद्यार्थी आने वाले भारत के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक हैं। समारोह के दौरान विद्यार्थियों को शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रमीय उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन हेड गर्ल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एसके स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय अंतरविद्यालयी खेल का हुआ समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। एसके पब्लिक स्कूल मझोला में चल रहे तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। खेल का आरंभ विद्यालय के प्रबन्धक जगजीत सिंह, प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य मोहनचन्द्र तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित व सरस्वती माँ को मालार्पण कर किया। खेल समारोह में सभी बच्चों के माता-पिता ने पधार कर सभी टीमों का उत्साह वर्धन किया तथा जीत की शुभकामनाएँ दीं। प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग खो-खो में न्यू ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल को पीछे कर अल्कैमिस्ट अकैडमी खटीमा ने जीत प्राप्त की। जूनियर बालिका वर्ग खो-खो टीम में एसके पब्लिक को हराकर न्यू ज्ञानदीप पब्लिक ने जीत प्राप्त की। सीनियर बालिका वर्ग खो-खो प्रतियोगिता में नोजगे पब्लिक स्कूल-एच को हराकर एसके पब्लिक स्कूल ने जीत प्राप्त की। सीनियर बालक वर्ग में खो-खो खेल में नोजगे पब्लिक स्कूल-एच को हराकर डायनेस्टी मोर्डन गुरुकुल अकैडमी ने विजय प्राप्त की। कबड्डी जूनियर बालक वर्ग में एसके पब्लिक स्कूल को हराकर हैल्पलाइन पब्लिक स्कूल ने जीत प्राप्त की। कबड्डी सीनियर बालक वर्ग में एसके पब्लिक स्कूल को हराकर शिक्षा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल खटीमा ने जीत प्राप्त की। रस्सा-कस्सी सीनियर बालिका वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल अमरिया को हराकर अल्कक्ष्या पब्लिक स्कूल ने जीत प्राप्त की। रस्सा-कस्सी सीनियर बालक वर्ग में नोजगे को हराकर डायनेस्टी मार्ड्न गुरुकुल अकैडमी छिनकी ने जीत प्राप्त की। ट्रॉफी व मेडल पाकर सभी के चेहरे खिल उठे।

ट्रॉफी और मेडल प्राप्त कर सभी प्रतिभागियों के चेहरे खिले

विधायक ने किरतपुर में किया मार्ग सुधार के कार्य का शुभारम्भ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। एनएच 74 से किरतपुर ग्रामसभा होते हुऐ उत्तर प्रदेश की सीमा मनिहारखेड़ा को जाने वाले मुख्य मार्ग के सतह सुधार के कार्य का विधायक शिव अरोरा द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया गया।

विधायक शिव अरोरा ने कहा किरतपुर क्षेत्र के मुख्य मार्ग जो काफी खस्ता हाल में थे बरसात के कारण रोड में गड्ढे हों गए थे जिसको लेकर स्थानीय लोगो को उस मार्ग के प्रयोग में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था आये दिन टुक टुक पलटने की घटना सामने आती थी वहीं मार्ग के सतह सुधार से आवागमन पहले बेहतर होगा, जिसका कार्य आरम्भ हों गया है। वही मार्ग का कार्य आरम्भ होने से स्थानीय लोगो ने काफी राहत महसूस की इसी प्रकार जहां-जहां अन्य क्षेत्रों में सड़को की हालत खराब है उसको सही करवाने या बनवाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान प्रधान आशीष यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य कृष्ण पासवान, राजेश पासवान, विनोद धामा, गुरमीत सिंह, आशीष कुमार, चंदन नेगी, राजेश तिवारी, सहायक अभियंता पीडब्लूडी केशव लाल, मनोज मदान, मोनू कबीरा, संजीव गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, रामकुमार शर्मा राज दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

मारपीट पर पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विवाद के चलते पांच लोगों पर एक युवक से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगा है। तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। वार्ड 13 निवासी शमशुद्दीन पुत्र मासूम अली ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि श्मशान घाट के पास 30 अक्तूबर की रात पहाड़गंज निवासी साजिद पुत्र अकरम, फैजान पुत्र रफिक अहमद, फैसल पुत्र अतहर उर्फ पप्पू, सलमान पुत्र डा. खुर्शीद और अन्य उनके मोहल्ले के रिक्शा चालक जाकिर से मारपीट कर रहे थे। आरोप है कि बीच-बचाव करने पर उन लोगों ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पिकअप वाहन चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर के ग्राम चिलकिया क्षेत्र में शनिवार की देर रात एक पिकअप वाहन चोरी होने का मामला सामने आया है।वाहन स्वामी रफत अली ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों को पकड़ने की मांग की है। चोरी की यह वारदात आसपास लगे कैमरों में कैद हुई है।जिसमें दो युवक वाहन लेकर फरार होते दिखाई दे रहे हैं।

रविवार को ग्राम चिलकिया निवासी वाहन स्वामी रफत अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वे चिलकिया क्षेत्र के निवासी हैं और उनका पिकअप वाहन संख्या यूके 19 सीए 1515 रोज की तरह घर के बाहर खड़ा था।उन्होंने बताया कि रात करीब 2 बजे दो अज्ञात चोरों ने गाड़ी को घर के बाहर से चोरी कर लिया। सीसीटीवी कैमरों में आरोपी वाहन को तेलीपूरा रोड की ओर ले जाते हुए दिखाई दिए। पीड़ित ने पुलिस से वाहन बरामद करने और चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है।कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।आरोपी सीसीटीवी कैमरों में वाहन ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पुलिस ने जनपद में चलाया ऑपरेशन 'कालनेमि'

■ 157 की हुई जांच, दस के हुए चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के सख्त निर्देश पर संपूर्ण जनपद में ऑपरेशन कालनेमी के तहत व्यापक सघन चेकिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना था। जनपद के सभी थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए 157 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें से 10 व्यक्तियों को फर्जी पाए जाने पर पुलिस एक्ट के अंतर्गत चालान किया गया।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि कोतवाली जसपुर में 27 व्यक्तियों की चेकिंग की गई। जबकि कोतवाली कुंडा में 4, कोतवाली काशीपुर में 6, कोतवाली आईटीआई में 12 व्यक्तियों की चे. कंग, 01 का पुलिस एक्ट में चालान, कोतवाली बाजपुर में 13 व्यक्तियों की चेकिंग, 1 का चालान, कोतवाली केलाखेड़ा में 4 व्यक्तियों की चेकिंग, 2 के चालान, कोतवाली गदरपुर में 9 व्यक्तियों की चेकिंग, 3 के चालान, थाना दिनेशपुर में 3 व्यक्तियों की चे. कंग, कोतवाली पंतनगर 2 व्यक्तियों की चेकिंग, थाना ट्रांजिट कैंप में 6 व्यक्तियों की चेकिंग, कोतवाली रुद्रपुर में 25 व्यक्तियों की चेकिंग, 3 के चालान, कोतवाली किच्छा में 15 व्यक्तियों की चेकिंग, थाना पुलभट्टा में 12 व्यक्तियों की चे. कंग, कोतवाली सितारगंज में 1 व्यक्ति की चेकिंग, थाना नानकमत्ता में 2 व्यक्तियों की चे. कंग, कोतवाली खटीमा में 13 व्यक्तियों की चेकिंग, थाना झनकईया में 3 व्यक्तियों की चेकिंग ई गई। उन्होंने बताया ए जनपद में कुल 157 संदिग्धों की चेकिंग व 10 फर्जी व्यक्तियों के पुलिस एक्ट में चालान किए गए। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने एवं अपराधियों के विरुद्ध ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। पुलिस का उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा और अपराध मुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है।

राज्य आंदोलनकारी भाजपा व कांग्रेस से भींख न मांगे: धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उत्तराखंड क्रांति दल के जिला अध्यक्ष राम सिंह धामी ने एक विज्ञप्ति जारी कर सरकार द्वारा एक दिन पूर्व 8 नवंबर को रजत जयंती वर्ष मनाने की घोषणा को महज छलावा बताया है।

उक्रांद नेता धामी ने उत्तराखंड की जनता के त्याग बलिदान एवं संघर्ष का सरेआम अपमान है। उन्होंने भाजपा के इस अपमान. जनक शासनादेश का कांग्रेस द्वारा विरोध नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। उक्रांद जिला अध्यक्ष राम सिंह धामी ने विज्ञप्ति में कहा है कि कांग्रेस एवं भाजपा दोनों ही राष्ट्रीय पार्टियां पिछले 25 वर्षों से लगातार ही उत्तराखंड के संसाधनों को अपने-अपने तरीके से इस्तेमाल कर रही हैं। इसका दुष्परिणाम आज तक उत्तराखंड वासी झेलते आ रहे हैं। उत्तराखंड में 2017 से 2022 तथा 2022 से 27 तक कांग्रेस के भगोड़े और भाजपा के दिल्ली की कृपापात्र विधायकों की ताकत से ही सरकारें संचालित हो रही हैं। जनता कि वास्तविक जनमत को कमजोर करके भाजपा के भ्रष्टाचारी कांग्रेस के तीन दर्जन से भी ज्यादा गढ़वाल और कुमाऊं के नेताओं को अपनी पार्टी में दल बदल करवा कर अपनी शक्ति में इजाफा किया है। 2027 के चुनाव में भी भ्रष्ट कांग्रेसियों की ताकत से ही भाजपा पुन: प्रदेश में सरकार बनाने का सपना देख रही है। प्रदेश की जनता को इससे सतर्क रहना प्रदेश के हित में है।

बेटी ने पिता पर लगाया सौदा और आपत्ति. जनक हरकतें करने का आरोप

रुद्रपुर। एक युवती ने अपने पिता पर उसका सौदा करने और आपत्तिजनक हरकतें करने का गंभीर आरोप लगाया है। आरोप है कि पिता ने नशे के लिए उसका सौदा किया और विरोध करने पर मारपीट की। एसएसपी कार्यालय पहुंची युवती ने पिता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ट्रांजिट कैंप निवासी लगभग 22 वर्षीय एक युवती ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका पिता नशे का आदी है। घर में नशेबाजी और बाहरी लोगों की आवाजाही के कारण माहौल असुरक्षित रहता है। पिता कई दिनों से उसे किसी अधेड़ व्यक्ति के साथ शादी के नाम पर बेचने की कोशिश कर रहा था। विरोध करने पर वह उसे घर से निक. ालने, भोजन-पानी से वंचित करने और जान से मारने की धमकियां देता था। आरोप है कि 8 नवंबर की सुबह वह कॉलेज जाने से पहले पानी भरने जा रही थी। आरोप है कि तभी उसका पिता अचानक निर्वस्त्र अवस्था में उसके पास आ गया और आपत्तिजनक हरकतें करते हुए उसे गलत नीयत से पकड़ने का प्रयास करने लगा।

शुद्धि-पत्र

सूचित किया जाता है कि दिनांक 23.11.2025 को दैनिक शाह टाइम्स में पृष्ठ संख्या 5 पर प्रकाशित नगर पालिका परिषद नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल के विज्ञापन में त्रुटिवश नीचे लिखे गये अधिकारियों के पदनाम गलत प्रकाशित हो गये हैं। जिन्हें एलम सिंह रावत (**अधिशासी अधिकारी**) व आशीष चन्द्र घिल्डियाल (**प्रशासक**) पढ़ा जाये।

विज्ञापन व्यवस्थापक

रामनगर महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया एनसीसी दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में एनसीसी इकाईयों द्वारा एनसीसी दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया।एनसीसी की 79 व 24 यूके बटालियन की उप इकाईयों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण,राष्ट्र गान एवं राष्ट्र गीत वन्दे मातरम् के उपरान्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ.साकेत बडोला, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य प्रो.एम.सी. पाण्डे व विशिष्ट अतिथि चीफ प्रॉक्टर प्रो.एस.एस.मौर्या ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

एनसीसी कैडेट निशा एवं मधु द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गई।कार्यक्रम संयोजक एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) डीएन जोशी ने स्वागत उद्बोधन कर एनसीसी की वार्षिक आख्या प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ.साकेत बडोला ने एनसीसी दिवस की बधाई देते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण के सन्दर्भ में कार्बेट टाइगर रिजर्व एवं वन विभाग के संयोजन में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि चीफ प्रॉक्टर प्रो.एसएसमौर्या ने एनसीसी के लाभों को बताकर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य प्रो.एम.सी. पाण्डे ने सभी कैडेट्स को एनसीसी दिवस की बधाईयां देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने एनसीसी इकाइयों की प्रशंसा करते हुए उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों एवं विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका की सराहना की। 79 बटालियन के एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.)डी.एन. जोशी ने व्यक्तित्व विकास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, एकता एवं अनुशासन व युवा शक्ति पर विचार व्यक्त किए। भूगोल विभाग प्रभारी डॉ.सिराज अहमद ने एनसीसी के लाभों को बताते हुए राष्ट्रीय एकता में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। 24 यूके बटालियन की एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) कृष्णा भारती ने एकता और अनुशासन को धारण करने के लिए युवाओं का आह्वान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत एकल गायन,समूह गायन,एकल नृत्य एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए। कैडेट आकाश रावत व रूचि नेगी ने एनसीसी संगठन पर विचार व्यक्त किए। कैडेट अनुज कुमार ने कुमाऊंनी गीत प्रस्तुत किया। समूह गीत में हिमांशी, निधि, रूचि व हर्षिता ने प्रस्तुति दी।एकल नृत्य में तनुजा जोशी,निकिता रावत,मानसी सती,मधु एवं अनुष्का ने लोकनृत्य प्रस्तुत किए।

आर्य समाजियों ने महर्षि दयानंद के सिद्धांतों का संदेश दिया

शोभायात्रा के दौरान केसरिया रंग से रंगी धर्मनगरी

हरिद्वार। आर्य उप प्रतिनिधि सभा हरिद्वार उत्तराखंड की ओर से महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती व आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य आर्य राष्ट्र निर्माण यात्रा निक. ाली गई। जिसके माध्यम से निशुल्क शिक्षा, सुरक्षा, चिकित्सा, न्याय, चरित्र निर्माण, जनसंख्या समाधान के लिए राज्यपाल के नाम से ज्ञापन जारी किया। हरिद्वार में निकाली गई शोभायात्रा में आर्य समाज की संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ गुरुकुल एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। योगगुरू स्वामी रामदेव के साथ समस्त आर्य समाजियों ने महर्षि दयानंद सरस्वती के सिद्धांतों के साथ वेदों को पढ़कर उन्हें अमल में लाने को आह्वान किया। रविवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद के नेतृत्व में स्वामी दर्शानंद गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर हरिद्वार के परिसर में आर्य उप प्रतिनिधि सभा की ओर से आर्य राष्ट्र निर्माण यात्रा से पूर्व हवन-यज्ञ हुआ। इसके बाद मंचासीन अतिथियों ने आर्य समाज के सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी। जिसमें योगगुरू स्वामी रामदेव ने कार्यक्रम में पहुंचे भारी संख्या में आर्य समाजियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वेदों के पथ पर चलो, वेद सनातन मूल है, महर्षि दयानंद नहीं होते तो गुरुकुल न होते, तमाम विद्वान न होते और आडम्बर खत्म नहीं होते। उन्होंने कहा कि महर्षि ने पूरे देश में जागरूकता की क्रांति पैदा की।

उन्होंने कार्यक्रम में भक्ति के लिए जोश भरा। इस दौरान स्वामी रामदेव ने गीत भी गया। कार्यक्रम संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि आज परिवारों में एकरूपता नहीं है। संस्कृति को भुलाकर पाश्चात्य संस्कृति की भटक रहे हैं जबकि विश्व में सनातन परंपराओं को अपनाने का काम हो रहा है। इसलिए महर्षि दयानंद सरस्वती के द्धिांतों के प्रचार के साथ इन्हें अपनाने की जरूरत है। उन्होंने बढ़ती जनसंख्या, समलैंगिता के लिए सख्त कानून की मांग करते हुए कहा कि देश में शिक्षा, चिकित्सा, न्याय पूरी तरह से निशुल्क हो, ताकि हर कोई देशवासी अच्छा जीवन व्यतीत कर सके। उन्होंने पाश्चात्य के बजाय गुरुकुल पद्धति को अपनाने पर जोर दिया। इस दौरान स्वामी अग्निवेश के साथ तमाम विद्वानों ने अपने विचार रखे। इस मौके पर कई अखाड़ों के श्रीमहंत, कोठारी के साथ प्रा. सत्यदेव विद्यालंकार, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, स्वामी धर्मानंद, हाकम सिंह आर्य, स्वामी घनश्याम, योगी प्रज्ञानंद, स्वामी मुक्तिवेश, स्वामी वैदिक देव, मेघानंद सरस्वती, ओमानंद परिव्राजक, अमन शास्त्री, रमाकांत, बलवंत चौहान, अभिषेक, गौतम खट्टर, योगेश्वरांद, शिवकुमार चौहान, उधम सिंह, पवन आर्य, प्रीति आर्य, सुनील सैनी, कमला, पदम सिंह, आदित्य देश महाराज, शहदेव शास्त्री, धन्यजय शास्त्री, अतुल मगन, अनिल गोयल, जागेश्वर मुनि, पूर्व प्रधान हाकम सिंह, मानपाल सिंह आर्य, कोषाध्यक्ष ब्रह्मपाल आर्य, दिनेश कुमार आर्य, इंद्रराज सिंह, भोपाल गिरी, जिला पुरोहित बलवंत सिंह आर्य, डा. रामपाल, चौधरी राज सिंह, ज्ञान सिंह, नितिन आर्य, रामपाल आर्य, मास्टर यशवीर सिंह, जयपाल सिंह, वीरेंद्र आर्य, चेयरमैन राजीव शर्मा, अशोक चौधरी आदि शामिल हुए। हरिद्वार शहर में निक. ाली भव्य शोभायात्रा के दौरान सड़कें केसरिया रंग के रंग में रंगी रही। शोभायात्रा गुरुकुल ज्वालापुर से शुरू होकर सिंहद्वार, आर्यनगर चौक, वेद मंदिर आश्रम, शंकर आश्रम, चंद्राचार्य चौक से होते हुए रेलवे स्टेशन के सामने शिवमूर्ति से होते हुए तुलसी चौक पर समापन हुआ। गुरुकुल के छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

गुरुकुलों के छात्रें ने शोभायात्रा के दौरान अपनी शौर्य एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्रों ने लाठी चलाकर, तलवारों का प्रदर्शन, भाले से बचाव और दुश्मन को पस्त करने, योग की तमाम क्रियाओं का प्रदर्शन किया। ज्ञापन के माध्यम से ये उठाई मांगे कार्यक्रम संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्व. रानंद, पूर्व मंत्री स्वामी अग्निवेश के साथ प्रतिनिधियों ने सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, एस.डी.एम जितेंद्र कुमार के माध्यम से उत्तराखंड के राज्यपाल के नाम से नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राष्ट्र में समान नागरिक संहिता को लागू करने, बुलेट ट्रेन व किसी भी हवाई अढे का नाम महर्षि दयानंद के नाम पर, नशा मुद्र भारत के तहत पूर्ण नशाबंदी लागू की जाए, गौवंश संरक्षण के साथ गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। समलैंगिक विवाह एवं लिव इन रिलेशनशिप को सामाजिक एवं कानूनी दृष्टि से प्रतिबंधित किया जाए। कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू किया जाए, महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम से एक भव्य स्मारक का निर्माण हो, प्रमाण पत्रों में जाति एवं सम्प्रदाय का उल्लेख बंद हो, गुरुकुलों को आर्थिक सहायता की व्यवस्था लागू की जाए।

शहर एवं ग्राम क्षेत्रों में सफाई कार्य प्रगति

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ ,क्लीन एवं मॉडल जनपद बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विगत दिन सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद के सभी क्षेत्रों में एवं प्रवेश द्वारों में सभी अधिकारियों को स्वयं धरातल पर उतरते हुए,अपने अपने क्षेत्रों में बेहतर सफाई व्यवस्था किए जाने के लिए निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे।

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में चौथे दिन भी जनपद से लेकर के ग्रामीण क्षेत्रों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी चलाया गया सफाई अभियान। ई.ओ नगर पालिका मंगलौर ने अवगत कराया है कि नगर पालिका मंगलौर क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस लाइन में स्वच्छ अभियान उनकी देख-रेख में किया गया। बी.डी.ओ भगवानपुर आलोक गार्गेय ने अवगत कराया है कि भगवानपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत सिसोना में साफ सफाई के कार्य कराया गया। अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार वर्मा ने अवगत कराया है कि मजाहिदपुर सत्तीवाला क्षेत्रांतर्गत सफाई अभियान कराया गया। खंड विकास अधिकारी लक्सर परवीन भट्ट ने अवगत कराया है कि आज बेसरी मार्केट, लक्सर रुड़की रोड क्षेत्रांतर्गत सफाई अभियान चलाया गया,जिसमें उनके द्वारा किए जा रहे सफाई कार्यों का निरीक्षण किया गया। बी.डी.ओ बहादराबाद मानस मित्तल ने अवगत कराया है कि बहादराबाद स्थित पुलिस बूथ तिराहे क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई का कार्य कराया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित का जो उद्देश्य है कि धर्मनगरी जनपद हरिद्वार को स्वच्छ एवं क्लीन बनाने का है उसका असर धरातल पर दिखने लगा है तथा शहर से लेकर ग्रामीणों क्षेत्रों तक साफ सफाई अभियान का कार्य निरंतर किया जा रहा है जिसकी निगरानी संबंधित क्षेत्र के अधिकारी स्वयं धरातल पर पहुंचकर कर रहे है।

भाजपा में भ्रष्टाचार और बेइमानी : गणेश गोदियाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। बहादुरपुर जट में कांग्रेस की ओर से रजत जयंती के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितजन और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सम्मान में जन प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के साथ विधायक अनुपमा रावत का कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि भाजपा राज्य में पहाड़ व मैदानवाद को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। कांग्रेस राज्य में इसे बढ़ावा नहीं देने देंगी। इसके लिए कांग्रेस को कोई भी कुर्बानी देनी पड़ेगी, तो वह तैयार है।

कांग्रेस नेताओं ने समारोह में कहा कि पंचायत चुनाव में भाजपा की मंशा साफ हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जो प्रत्याशी जीत रहे थे भाजपा ने उन्हें हराने का कार्य किया है। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार और बेइमानी की हदें पार कर रही है। कांग्रेस सरकार में ही जनता का हित है। बहादुरपुर जट में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों का स्वागत करते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल साथ में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि हम सबको अभी आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगना होगा तभी 2027 में भाजपा को सत्ता से बाहर कर सकते हैं। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की खामियों को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में हमें भाजपा के लोगों के बहकावे से बचना होगा। हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत ने स्वतंत्रा सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं होने देंगी। इस दौरान धर्मेंद्र चौहान, संतोष चौहान, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण जिलाध्यक्ष बालेश्वर सिंह, पूर्व प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह रावत, साधुराम चौहान, मुस्का अंसारी, सलीम अहमद, शकील अहमद, नाथी राम, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बिजली कटौती से नागरिक परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सरकार दावा करती है कि बिजली 24 घंटे देने की लेकिन बिजली विभाग कोई ना कोई कारण बताकर बिजली कटौती करते रहते है सुल्तानपुर मजरी ग्राम, बहादराबाद मे बिजली कटौती लगभग 8 घंटे रोज होती है बिजली कटौती की शिकायत कई स्थानीय लोगो ने की लेकिन जे.ई के कहना है ऊपर से आदेश है बिजली कटौती करने हेतु इसी क्रम में शिवालिक नागपालिका परिषद में भी बिजली विभाग एक-दो घंटे की कटौती करता है और कभी कभी तो चार-पाँच घंटे की कटौती जब इस संबंध में शिकायत की जाती है तो बिजली विभाग कोई स्पष्ट कारण नहीं बताता यही हाल नगर निगम क्षेत्र का भी है आजादी के 75 वर्ष के पश्चात भी सरकार बुनियादी सुविधाएं अपने नागरिकों को देने में विफल है।

मोबाइल छीनकर फरार आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर पर दिनांक 21 नवंबर को वादी अमरचन्द्र पुत्र बटेश्वर लाल निवासी ब्रह्मपुरी द्वारा सूचना दी कि दिनांक 20 नवंबर को बैरियर 6 के पास दो अज्ञात व्यक्तियो द्वारा झपट्टा मारकर उनका मोबाइल फोन पोको छीनकर भाग गये है सूचना पर तत्काल घटना से संभ्धित धारा के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना के अनावरण हेतु कोतवाली रानीपुर प्रभारी के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी, पतारसी कर विभिन्न सी.सी.टी.वी कैमरो का अध्ययन करते हुये 24 घण्टे के अन्दर ही दिनांक 22 नवंबर की रात्रि को ही मुखबिर की सूचना पर जमालपुर नहर पटरी से दो आरोपियो प्रवेज पुत्र शमशाद निवासी जमालपुर खुर्द व समीर पुत्र मोहम्मद अली निवासी गांधी आश्रम बिजनौर को दबा. चकर आरोपियो के कब्जे से छीना गया एक अदद मोबाइल फोन पोको की बरामदगी की गयी। पूछताछ पर दोनो आरोपियो ने बताया कि दोनों नशे के आदी हैं तथा नशे की पूर्ति के लिये छीना झपटी करते हैं। दिनांक 20 नवंबर को भी दोनो आरोपियो द्वारा बैरियर 6 के पास एक व्यक्ति का मोबाइल फोन छीन लिया था फिर आरोपी समीर ने मोबाईल का सिम निकालकर गंगनहर मे फेंक दिया ताकि पकड़े न जा सके। दोनो आरोपी छीने गये मोबा. इल को बेचने के लिये ग्राहक तलाश कर रहे थे। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियो के खिलाफ धारा 317(2) बी.एन.एस की बढोत्तरी कर आरो. पियो को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

अवैध देशी शराब विक्रेता दबोचा

हरिद्वार। दिनांक 22 नवंबर को थाना श्यामपुर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में दौराने चौकिंग अवैध देशी शराब के विक्रय में संलिप्त एक व्यक्ति को 50 टेट्रा पैक माल्टा मार्का मसालेदार देशी शराब समेत हिरासत में लिया गया। आरोपी आलोक पुत्र सुरेश चन्द निवासी इन्द्राबस्ती के विरुद्ध थाना श्यामपुर पर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की गई।

दबिश के दौरान बिजली चोर पकड़ा

हरिद्वार। न्यायालय द्वारा जारी गैर जमनाती वारण्टों की तामील हेतु कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। दबिश के दौरान ज्वालापुर क्षेत्र से दो वारण्टी भूरा पुत्र मकसूद निवासी मोहल्ला कैथवाड़ा व संदीप उर्फ काका पुत्र टोनी उर्फ सीताराम निवासी मोहल्ला शरीफ नगर, तेलियान हिरासत में लिए गए जिनके विरुद्धअग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। दोनों वारण्टी को बिजली चोरी के जुर्म पकड़ा गया।न्यायालय द्वारा कई बार सम्मन, जमनाती वारंट जारी होने के बावजूद आरोपी न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहे थे कानूनी प्रक्रिया के अनुसार न्यायालय द्वारा गैर जमनाती वारण्ट जारी हुए आदेश के अनुपालन करते हुए पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सत्यापन अभियान चलाया

हरिद्वार। कप्तान के निर्देश पर संदिग्ध व्यक्तियों की पड़ताल एवं सत्यापन हेतु पुलिस द्वारा देहात से लेकर शहर तक सघन सत्यापन अभियान चलाया जा गया किरायेदारों एवं बाहरी व्यक्तियों का समय पर सत्यापन न करने वाले लापरवाह मकान मालिकों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही भी की गई पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में हरिद्वार पुलिस का सहयोग करें एवं समय से सत्यापन अवश्य कराएं।

सार्वजनिक स्थान पर खाईबाड़ी

हरिद्वार। थाना पथरी पुलिस ने सट्टे की खाई बाडी करते शाकिब को घिस्सू पुरा तिराहे के पास से सट्टा पर्ची, पैन, गत्ता व 10360 रुपए के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। आरोपी सार्वजनिक स्थान सट्टे का व्यापार कर रहा था।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की संदिग्ध मौत

बागेश्वर। जिले के गरुड़ ब्लॉक, जिनखोला निवासी मनोज जोशी (32) की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। मनोज देवाल बाजार में किराए के कमरे में रहता था, वह जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीकोट में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। शनिवार शाम लगभग पांच बजे से मनोज का परिवार उससे संपर्क नहीं कर पा रहा था। उसकी पत्नी, मां और बहन ने कई बार फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। चिंता बढ़ने पर उन्होंने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद मकान मालिक ने मनोज के कमरे का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस थाने में दी। जिसके बाद देवाल चौकी प्रभारी देवेंद्र भारती की टीम ने दरवाजा तोड़ा। कमरे में मनोज अचेत अवस्था में लेटा हुआ था। पुलिस ने मनोज को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मृतक के परिजनों को दी। देर रात परिजन मौके पर पहुंचे। जिसके पश्चात शव का पंचनामा भर पीएम के लिए मोर्चरी में रखा। रविवार को शव का पीएम करने बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। इधर बताया जा रहा है कि मनोज की पिछले 6 माह पूर्व शादी हुई थी। उनके घर में मां एक बहन है। जिनका रो रो कर बुरा हाल है। वहीं पुलिस मनोज के मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है। हालांकि पुलिस ने बताया कि मौत के कारणों का सही पता पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगी।

खेल देते हैं राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा: पंवार

बीएचईएल स्टेडियम में टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगीता का आयोजन

हरिद्वार। बी.एच.ई.एल हरिद्वार के ब्लाक चार से वर्ष 2012 मे सेवानिवृत्त स्वर्गीय चन्दरपाल मलिक एक समर्पित एवं निष्ठावान कार्मचारी रहे। उन्होंने सदैव ईमानदारी, अनुशासन एवं टीम भावना से सदैव बी.एच.ई.एल का मान बढ़ाया। स्वर्गीय चन्दरपाल मलिक के जीवन और मूल्यों से प्रेरित इस टूर्नामेंट के आयोजन से भेल कर्मियों ने उनके योगदान और स्मृति को नमन किया। 23 नवम्बर को टूर्नामेंट का उद्घ्घाटन बी.एच. ई.एल सम्पदा विभाग के प्रभारी एवं अपर महाप्रबंधक संजय पंवार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर संजय पंवार ने कहा कि खेल भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल, भाषा, धर्म, जाति और सामा. जिक-आर्थिक स्थिति की बाधाओं को पार कर लोगों को एक साथ लाते हैं जिससे देश की विविधता में एकता का सार परिलक्षित होता है। परंपरागत खेल जैसे खो-खो, कबड्डी आदि हमें अपने संस्कृति से जोड़ते हैं। उनको भी इसी संकल्प के साथ प्रोत्साहन और बढ़ावा देना चाहिए। इस टूर्नामेंट में नियमित कर्मचारी, अनुबंधित कर्मचारी या उनके बच्चे भाग ले सकते है। सभी मैच 15-15 ओवर के होगे, एवं डे-नाइट बाल से खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें प्रतिभाग कर रही है प्रत्येक मैच में मैन आफ द मैच का पुरस्कार दिया जायेगा। विजेता टीम को नगद पुरस्कार राशि, ट्रॉफी एवं मैडल प्रदान किये जायेंगे। उपविजेता टीम को ट्रॉफी के अलावा इनाम भी मिलेगा।

मारपीट मामले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अल्मोड़ा। बीते दिनों धारानौला क्षेत्र में मारपीट मामले में पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने आरोपियों पर जानलेवा हमला करने तथा वाहन में तोड़-फोड़ करने का आरोप लगाया है। इधर, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। भगवत सिंह रावत निवासी धारानौला ने पुलिस में तहरीर सौंपी है। कहना है कि बुधवार रात्रि करीब 10 बजे अपनी कार से सवारी छोड़ने के बाद वापस लौट रहा था। इस बीच सिकुड़ा बैंड के पास एक रेस्टोरेंट से सिगरेट खरीदी। रेस्टोरेंट मालिक ने 15 रुपये देने को कहा। इसके बाद रेस्टोरेंट संचालक से रुपयों को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि इस बीच रेस्टोरेंट के अंदर बैठे लोगों ने गाली गलौज शुरू कर दी। जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कहा कि इसके बाद वह वापस धारानौला को आ गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इसके बाद त्रिलोक बिष्ट और हिमांशु एक अन्य व्यक्ति के साथ धारानौला पहुंचे। पीड़ित ने बताया कि अचानक आरोपियों ने लाठी-डडों व लोहे की रोड से जानलेवा हमला कर दिया। वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोपियों से स्थानीय लोगों ने बमुश्किल उनकी जान बचाई। बताया कि हमले में कई जगह चोंटे लगी है। जबड़ा भी टूट गया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी त्रिलोक बिष्ट और हिमांशु के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निलंबन आदेश को शीघ्र निरस्त करने की मांग

अल्मोड़ा। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजी. नियर्स संघ की रानीखेत इकाई की आपातकालीन बैठक निर्माण खंड लोक निर्माण विभाग रानीखेत के अपर सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता कक्ष में आहूत की गयी। उत्तराखंड शासन द्वारा निर्माण खंड लोक निर्माण विभाग रानीखेत के अभियंताओं के निलम्बन की कार्यवाही के संबंध में बिना स्पष्टीकरण के उपरोक्त अभियंताओं का निलम्बन न्यायसंगत प्रतीत नही होता है। उक्त निलंबन आदेश को शीघ्र निरस्त न किये जाने की दशा में समस्त उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजी. नियर्स संघ लोक निर्माण विभाग के सदस्य कार्य बहिष्कार व अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं आंदोलन के लिए बाध्य होगें। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व शासन-प्रशासन एवं उच्चाधिकारियों का होगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सर्विस अभिलेखों में त्रुटिवश मेरा नाम घना नन्द (GHANA NAND) एवं पत्नी का नाम सरोज (SAROJ) हो रखा है जबकि मेरा सही एवं वास्तविक नाम **घनानन्द थपलियाल (GHANANAND THAPLIYAL)** एवं पत्नी का सही नाम **सरोज थपलियाल (SAROJ THALIYAL)** है। EX आर्मी नम्बर-4055744K घनानन्द थपलियाल पुत्र स्व० पीताम्बर दत्त थपलियाल, निवासी गोविन्दनगर, काशीरामपुर मल्ला, तहसील कोटद्वार, जिला पौडी गढ़वाल

पीएम धन धान्य कृषि योजना में अल्मोड़ा का चयन

अल्मोड़ा। प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत अल्मोड़ा जिले का चयन होने पर जनपद स्तरीय कार्ययोजना तैयार करने के लिए विकास भवन में बैठक हुई। सीडीओ रामजी शरण शर्मा ने उत्पादकता बढ़ाने और काश्तकारों की आय बढ़ाने के लिए ब्लाक स्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मौके पर उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वद्धि, फसल विविधीकरण व सतत् कृषि प्रणाली को बढ़ावा, फसल कटाई पश्चात भंडार क्षमता में वृद्धि, सिंचाई सुविधा में सुधार, अल्पकालीन एवं दीर्घ कालीन ऋण सरलीकरण एवं बेहतर सेवा विस्तार प्रणाली प्रमुख है। सीडीओ ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर अपने विभाग से संबंधित मुख्य सूचकांक को ध्यान में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अलावा मुख्य ख्रषि अधिकारी अल्मोड़ा को रेखीय विभागों से प्राप्त कार्ययोजना को संकलित कर शीघ्र प्रेषित करने एवं संकलित कार्ययोजना की पुन: समीक्षा करने के लिए समस्त संबंधित अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने एवं अपने विभाग से संबंधित कार्ययोजना को प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that Kuldeep Singh S/o Ramesh Chandra R/o Village Wazirpur, Tintana, Dhidwari, Panipat, Haryana intent to mortgage his Scheduled Property with UCO Bank, Main Branch, E.C. Road, Dehradun. As the mutation proceedings is presently suspended in Tehsil Vikasangar in Mauza Central Hope Town, Vikasnagar. If anybody is having any objection, claim, interest, dispute for the above intended mortgage, sale transaction, he/she/they may contact the undersigned with the documentary proof substantiating his/her/their objections/claims/details of dispute/s within Seven (7) days from the date of this publication, failing which, UCO Bank will proceed to complete the mortgage proceeding with the above owner. SCHEDULE OF THE PROPERTY All that Commercial Property bearing Khata No. 757 (Fasli year 1394 to 1399) Khasra No. 1305 area 126.86 Sq. Meters and Khata No. 1168 (Fasli year 1394 to 1399) Khasra No. 1304 area 83.64 Sq. Meters, total area 210.50 Sq. Mtrs., situated at Mauza Central Hope Town, Pargana Pacchwa Doon, Tehsil Vikasnagar, Distt. Dehradun, bounded and butted as under :- East : Land of others, side 30 ft. West : 25 ft. wide Road, side 30 ft. North : Land of Shri Sachin Rawat, side 73.9 ft. South : Land of Shri Ashish Tomar, side 77.1 ft. Authorised Officer UCO Bank, Main Branch, E.C. Road, Dehradun Mobile No. 8305533238

न्यायालय श्रीमान असिस्टेंट कलेक्टर महोदय धनोल्टी जिला टिहरी गढ़वाल

रेवेन्यू वाद संख्या सन्-2025

वादी– नवीन प्रसाद उर्फ नवीन चंद्र

बनाम

प्रतिवादीगण– हर्षदेव आदि

नोटिस बनाम– 1. हर्षदेव पुत्र पूर्णानन्द, 2. लोकेन्द्र पुत्र पूर्णानन्द, 3. अजेन्द्र पुत्र पूर्णानन्द, 4. मुन्नी देवी पत्नी पूर्णानन्द, 5. दिनेश प्रसाद पुत्र रमादत्त, 6. कुका पुत्र रमादत्त, 7. जयप्रकाश पुत्र हरिप्रसाद, 8. वैभव पुत्र कैलाश चन्द्र, 9. ऋषभ पुत्र कैलाश चन्द्र, 10. कमलेश पुत्र हरिप्रसाद, 11. कुंती देवी पत्नी आनन्द प्रसाद, 12. अश्वनी उनियाल पुत्र आनन्द प्रसाद, 13. दीपा पत्नी अश्विनी पुत्रवधू आनन्द प्रसाद, 14. वासुदेव पुत्र उपेन्द्र दत्त, 15. सुशील उनियाल पुत्र शैलेन्द्रदत्त, 16. विनीता पत्नी सुशील पुत्र शैलेन्द्रदत्त, 17. अनिता पत्नी मुकेश, 18. कृष्णकांत पुत्र भैरव दत्त, 19. सुभाष पुत्र महावीर प्रसाद, 20. अनिल पुत्र महावीर प्रसाद, 21. कृष्णा देवी पत्नी महावीर प्रसाद, 22. शान्ति देवी पत्नी शंभू प्रसाद, 23. गणेश पुत्र शम्भूप्रसाद, 24. कपिल पुत्र शम्भूप्रसाद, 25. गजेन्द्र भूषण पुत्र सत्यप्रकाश, 26. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र सत्यप्रकाश, 27. शिवेन्द्र भूषण पुत्र सत्यप्रकाश सभी निवासीगण ग्राम उनियाल गांव पट्टी सकलाना तहसील धनोल्टी जिला टिहरी गढ़वाल।

एतत् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि वादीगण ने एक राजस्व वाद ग्राम उनियाल गांव पट्टी सकलाना तहसील धनोल्टी जिला टिहरी गढ़वाल की अपनी तथा प्रतिवादीगण संख्या 1 से 27 की संजायत भूमि के विभाजन के सम्बन्ध में प्रतिवादीगण के विरुद्ध ह०द० 176 उ०प्र०ज०वि० एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950 का इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसमें जवाबदावा हेतु दिनांक 12 माह 12 सन्-2025 की तिथि नियत है।

यदि आपको उक्त वाद में कोई आपत्ति प्रस्तुत करनी हो तो आप उक्त नियत तिथि 12-12-2025 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं अन्यथा उक्त वाद में एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 21 माह 11 सन्-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

आज्ञा से
वाचक
असिस्टेन्ट कलेक्टर धनोल्टी
जिला टिहरी गढ़वाल

महिला से छेड़छाड़ मामले में फोन कारोबारी पर अभियोग दर्ज

ज्वालापुर। एक महिला ने मोबाइल फोन कारोबारी पर राह चलते ज्वालापुर क्षेत्र में छेड़छाड़ और धमकाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली ज्वालापुर में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। व्यापारी पक्ष ने भी अपनी ओर से तहरीर देकर महिला और उसके परिजनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में एक कॉलोनी में रहने वाली महिला ने बताया कि 18 नवंबर की रात वह अपनी दुकान बंद कर रानीपुर मोड़ से घर लौट रही थीं। जैसे ही वह रामेश्ववर मंदिर के पास पहुंचीं, वहां मोबाइल व्यापारी स्कूटी के साथ खड़ा दिखा। आरोप लगाया कि वह अपने बेटे से फोन पर बातचीत कर रही थी, तभी वह पीछे से आया और उसका हाथ पकड़कर खींचने का प्रयास किया। आरोप लगाया कि युवक के गलत तरीके से छूने पर वह घबराकर शोर मचाने लगीं। तभी राह से गुजर रहे उनकी दुकान के एक कर्मचारी ने उन्हें सहायता दी और उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाया। महिला ने आरोप लगाया कि घटना के बाद जब उन्होंने अपने पति को पूरी बात बताई, तो युवक ने फोन कर उनके पति को धमकाया। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि महिला की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

अभिनेत्री पर परिवार की प्रतिष्ठा धूमिल करने का आरोप

हरिद्वार। पूर्व विधायक सुरेश राठौर की धर्मपत्नी रविंदर कौर राठौर ने सहारनपुर निवासी अभिनेत्री उर्मिला सनावर पर परिवार की प्रतिष्ठा धूमिल करने का आरोप लगाया है। सुरेश राठौर की पत्नी रविंदर कौर राठौर, पुत्र लकी राठौर, पुत्री दीपिका राठौड़ ने रविवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान अपना पक्ष रखा। रविंदर कौर राठौर ने आरोप लगाया कि उनके पति को अपना पति बता रही महिला उर्मिला सनावर पहले से शादीशुदा हैं। उनका उनके पति से तलाक भी नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि उर्मिला सनावर सोशल मीडिया पर झूठे बेबुनियाद आरोप लगाकर उनके परिवार को बदनाम कर रही है। जिससे पूरा परिवार मानसिक रूप से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से उनके पति पूर्व विधायक सुरेश राठौर की संपत्ति हड़पने और उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से उर्मिला सनावर षड्यंत्र रच रही है। अपने आप को फिल्म एक्टर बता कर शॉर्ट फिल्म बनाकर सुरेश राठौर को बदनाम किया जा रहा है। रविंदर कौर राठौर ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने न्यायालय से भी गुहार लगायी। सुरेश राठौर की पुत्र लकी राठौर और पुत्री दीपिका राठौर ने कहा कि उन्हें भी निशाना बनाया जा रहा है। जिससे तंग आकर पूरे परिवार को मीडिया के सामने आना पड़ा है। दीपिका राठौर ने कहा कि उर्मिला सनावर उनके परिवार के अलावा अन्य महिलाओं के प्रति भी सोशल मीडिया पर अनर्गल टिप्पणी कर रही है। इस दौरान कमला देवी, कविता देवी, प्रताप कुमार आदि ने भी उर्मिला सनावर पर आरोप लगाते हुए नाराजगी जतायी। प्रैसवार्ता के दौरान राठौर परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे।

प्रेमनगर आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा 24 नवंबर से

हरिद्वार। श्री हरि कृपा फाउंडेशन के तत्वाधान में 24 नवम्बर से प्रेमनगर आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचिका देवी भवानी अपने मुखारविंद से श्रद्धालु भक्तों को कथा का श्रवण कराएंगी। पत्रकार वार्ता के दौरान श्री हरि कृपा फाउंडेशन के संस्थापक हरि कृष्ण महाराज ने कहा कि भागवत कथा के श्रवण और मनन से जीवन भवसागर से पार हो जाता है।

कथा के प्रभाव से परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है। दुखों से मुक्ति मिलती है। पितरों को भी मोक्ष की प्राप्ति होती है। हरि कृष्ण महाराज ने बताया कि कथा के माध्यम से भारत नेपाल की संस्कृति, आपसी समन्वय एवं भाईचारे का संदेश भी प्रसारित होगा। जिससे भारत नेपाल के रिश्तों को मजबूती मिलेगी। कथा वाचिका देवी भवानी ने कहा कि युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन जरूरी है। संस्कृति एवं धार्मिक क्रियाकलापों की जानकारी युवा पीढ़ी को अवश्य होनी चाहिए। श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से विचारों में परिवर्तन होता है। मन, मस्तिष्क की शुद्धि होती है। सद्विचारों का उदय होने से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने बताया कि नेपाल एवं देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु भक्त कथा का श्रवण करेंगे। समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा ने बताया कि कथा का शुभारंभ 24 नवम्बर को भव्य कलश यात्र के साथ होगा।

टीकाकरण के दस दिन बाद हुई नवजात की जान गई

■ मामले की जांच के लिए सीएमओ ने गठित की समिति

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। उप जिला अस्पताल में तैनात एएनएम द्वारा लापरवाही से टीका लगाए जाने के 10 दिन के भीतर नवजात की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं सीएमओ ने मामले की जांच को समिति गठित की है।

सितारगंज वार्ड नंबर 6 निवासी राकेश कुमार ने बताया कि 27 सितंबर को उनकी बहू कंचन ने पुत्र को जन्म दिया था। 12 नवंबर को उप जिला अस्पताल में तैनात एएनएम ने नवजात को चार टीके लगाए थे। राकेश ने बताया कि टीका लगने के बाद से ही बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी। टीका लगाने वाली जगह से लगातार रक्तस्राव हो रहा था। इसे देखते हुए वह बच्चे को दोबारा अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन स्वास्थ्य कर्मियों ने महज औपचारिकता निभाने के बाद उन्हें वापस भेज दिया। स्थिति खराब होने पर 18 नवंबर को नवजात को रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे आईसीयू में रखा गया। इसके बावजूद रविवार को बच्चे की मौत हो गई। घटना से परिवार गमजदा और नाराज है।

परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति तीन दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी।

लधियाघाटी का लाल दीपक सिंह सीमा पर शहीद, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर

■ आज सोमवार को सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। लधियाघाटी क्षेत्र के खरही गांव का जवान अग्निवीर दीपक सिंह (23) देश की रक्षा करते हुए जम्मू कश्मीर में शहीद हो गया। शनिवार को अग्रिम चौकी पर अपनी ड्यूटी निभाते समय गोली लगने से उसका निधन हो गया। जैसे ही यह दुखद समाचार गांव पहुंचा, पूरे क्षेत्र में मातम छा गया और हर आंख नम हो गई।

दो वर्ष पूर्व अग्निवीर योजना के माध्यम से सेना में भर्ती हुए दीपक का सपना था कि वह स्थायी सैनिक सेवा के लिए चयनित होकर पूरे जीवन देश की सेवा करें। परिजनों के अनुसार दीपक दस दिन पहले ही छुट्टी बिताकर यूनिट लौटा था और माता-पिता से वादा कर गया था "जल्द वापस आऊंगा" पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। अब दीपक तिरंगे में लिपटा घर लौटेगा। दीपक अपने चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर था।

परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उसके शहीद होने की खबर मिलते ही मां तारी देवी सहित पूरा परिवार बेहाल है, जबकि पिता शिवराज सिंह को लोग ढांढस बंधाने घर पहुंच रहे हैं। जम्मू कश्मीर के पुंछ सेक्टर में तैनात दीपक की ड्यूटी के दौरान चली गोली कहां से चली, इसकी जांच सेना द्वारा की जा रही है। घायल अवस्था में उसे सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दीपक की शहादत पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड ने एक और वीर सपूत खो दिया। इसके अलावा विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, जिलाधिकारी मनीष कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, भाजपा कार्यकारणी के सदस्य सतीश चन्द्र पाण्डेय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल, जिला पंचायत सदस्य सोनू बोहरा, ब्लॉक प्रमुख शंकर सिंह अधिकारी, पूर्व प्रमुख लक्षिमण सिंह लमगड़िया, पूर्व सदस्य भोला सिंह बोरा तथा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के बाबा श्याम सिंह ने भी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

वीर सपूत का पार्थिव शरीर आज देर रात गांव पहुंचने की उम्मीद है। सोमवार को पूरे राजकीय सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

एक नजर

स्वतंत्रता सेनानी नजीबुल्लाह के परिवार को सम्मान दिलाए प्रशासन : अवधेश पंत

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वीर सेनानी नजीबुल्लाह के परिवार को सम्मान दिलाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ गई है। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद परिवार कल्याण महापरिषद (रजि.) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पंत ने जिलाधिकारी चंपावत को पत्र लिखकर 80 वर्षीय सहिदन खातून जो स्वतंत्रता सेनानी नजीबुल्लाह की जीवित पुत्री हैं को शासन की ओर से निर्धारित सम्मानों और सुविधाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की है।

श्री पंत ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी नजीबुल्लाह के दस्तावेजों और उपलब्ध अभिलेखों का संज्ञान लेते हुए प्रशासन को चाहिए कि उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी परिचय पत्र के आधार पर शहीदन खातून को सम्मान, पहचान एवं समस्त सुविधाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में योगदान देने वाले परिवार आज भी सम्मान की प्रतीक्षा में हों, यह बेहद संवेदनशील विषय है। प्रशासन को इसे प्राथमिकता के साथ हल करना चाहिए। अवधेश पंत ने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन शीघ्र कार्रवाई करते हुए स्वतंत्रता सेनानी के परिवार को न्याय दिलाएगा और उनके सम्मान की पुनर्स्थापना सुनिश्चित करेगा।

न्याय परामर्श शिविर आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। अधिवक्ता परिषद ऊधमसिंह नगर ने रविवार को वार्ड एक जनपद रोड फूलसूंगी में निशुल्क न्याय परामर्श केंद्र शिविर लगाया। जिला न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता संजय सिंह, अधिवक्ता परिषद के जिलाध्यक्ष डीडी गुणवंत, प्रांतीय महिला प्रमुख सुभाषनी द्विवेदी, जिला महामंत्री दुर्गेश मोहन शर्मा, मंत्री रेनू तिवारी और सदस्य अधिवक्ता विजय ने लोगों के विभिन्न मामलों को सुनकर नि:शुल्क कानूनी परामर्श दिया। परामर्श के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक मामलों, उत्तराधिकार, संपत्ति विवाद, श्रम कानून तथा अन्य कानूनी परेशानियों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। अधिवक्ताओं ने कहा कि ऐसे नि:शुल्क न्याय परामर्श केंद्र आगे भी समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे आमजन को न्याय और कानून संबंधी जानकारी सरलता से मिल सके।

स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्या के समाधान के लिए लगेगा मेगा कैंप

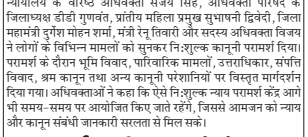

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्या के समाधान के लिए ऊर्जा निगम मेगा कैंप का आयोजन करेंगा। एसडीओ अंबिका यादव ने बताया कि 25, 27 और 29 नवंबर को मेलाघाट रोड पर कैंप लगेगा। ऊर्जा निगम के एसडीओ कार्यालय में आयोजित इस कैंप में स्मार्ट मीटर के विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे जो क्षेत्र के उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर में आने वाली समस्याओं और स्मार्ट मीटर को लेकर भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास करेंगे। इस मेगा कैंप में विद्युत विभाग के समस्त जेई और स्टाफ भी मौजूद रहेगा। स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली और बिलिंग, बिल जमा करने और सभी समस्या के मौके पर निवारण भी किया जाएगा।

लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय में कोविडकालीन ऑक्सीजन कंसंट्रेटर गायब!

■ 130 मशीनें लौटकर नहीं आईं, जिम्मेदारी किसकी?

■ पीएम - सीएम फंड से मिली जीवनरक्षक मशीनें बिना लेखा-जोखा बांटी गईं, कई गंभीर अनियमित. ताओं के संकेत

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय में कोविडकाल के दौरान मिले जीवनरक्षक ऑक्सीजन कंसंट्रेटरों का कोई अता-पता नहीं है। यह खुलासा तब हुआ जब हाल में कुछ रोगियों ने कंसंट्रेटर की मांग की, लेकिन अस्पताल प्रशासन के पास देने के लिए एक भी मशीन उपलब्ध नहीं मिली। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री कोविड फंड से इस अस्पताल को 130 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराए गए थे, जिन्हें जरूरतमंद मरीजों को घर ले जाने की सुविधा दी गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि ये मशीनें आज तक अस्पताल में वापस नहीं लौटीं।

सरकारी संपत्ति, वह भी ऐसी जो सीधे जीवन बचाने से जुड़ी हो ख्र आखिर किसने इतनी "दरियादिली" दिखाते हुए बांट दी? किसने इसके रिकॉर्ड तैयार किए? और किसकी जिम्मेदारी थी कि इन मशीनों को वापस लिया जाए? यह पूरा मामला अब गंभीर जांच का विषय बन गया है। यह भी प्रश्न उठ रहा है कि यदि किसी मरीज को आपात स्थिति में घर ले जाने की अनुमति दी गई थी तो उसके उपयोग के बाद उसे लौटाने की प्रक्रिया क्यों नहीं अपनाई गई? आखिर इन उपकरणों की निगरानी कौन करता था? मामले में पूर्व विधायक ने भी सार्वजनिक रूप से आपत्ति जताते हुए इसे गंभीर लाप. रवाही बताया था। चर्चाएं यह भी हैं कि न केवल कंसंट्रेटर बल्कि कोविडकाल में मिले अन्य उपकरणों का भी चिकित्सा संस्थान में कोई ठोस लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है।

इसी अवधि में अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट और आईसीयू भी स्थापित किए गए थे, लेकिन कोविड के बाद से ये भी उपयोग में नहीं आ रहे हैं। जबकि अस्पताल में निश्चेतक सहित आवश्यक चिकित्सकीय स्टाफ उपलब्ध है। विभाग समय-समय पर अस्पताल को बदहाल स्थिति से उबारने के दावे करता रहा है, लेकिन भीतर की वास्तविक स्थिति किसी "अंदरूनी हकीकत" की ओर इशारा करती है।

सीएमएस ने माना कि आक्सीजन कंसंट्रेटर गए हैं बाहर

चम्पावत। उप जिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ वीराज रांठी ने माना कि आक्सीजन कंसंट्रेटर चिकित्सालय के बाहर दिए गए हैं। लेकिन उन्हें उनका उपयोग होने के बाद वापिस नहीं लिया गया है। यह मामला उनके कार्यकाल का नहीं है अलबत्ता वे सारे कंसंट्रेटर चिकित्सालय में लाने का प्रयास कर रहे हैं।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनने की चर्चाएं भी तेज

चंपावत। जिला चिकित्सालय में वर्ष 2021 से 2023 के बीच फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाए जाने की चर्चाएं भी लंबे समय से तैरती रही हैं। ये आरोप कितने सच हैं यह तो जांच के बाद ही साफ होगा, लेकिन लोहाघाट जैसे नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में डेमोग्राफिक परिवर्तन की चर्चाओं के बीच यह एक गंभीर संकेत माना जा रहा है। इसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पुनर्वास की मांग को लेकर प्रहलाद पल्सिया में धरना जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। प्रह्लाद पल्सिया में रह रहे पांच परिवारों को हटाने से पहले पुनर्वास की मांग को लेकर दिया जा रहा धरना रविवार को 12वें दिन भी जारी रहा। रविवार को कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) के पूर्व अध्यक्ष किरण मंडल धरनास्थल पर पहुंचे और आंदोलन को समर्थन देते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। प्रह्लाद पल्सिया स्थित करीब 41 एकड़ राजस्व भूमि को एक्वा पार्क के लिए हस्तांतरित किया गया है। प्रशासन ने इस भूमि का अधिग्रहण कर इसे मत्स्य विभाग को सौंप दिया है, जहां एक्वा पार्क निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यहां रह रहे पांच परिवारों को हटाने के लिए 12 दिन पहले प्रशासन व पुलिस बल मौके पर पहुंचा था, लेकिन प्रभावित परिवारों और जनप्रतिनिधियों के विरोध के कारण कार्रवाई रोकनी पड़ी और जेसीबी वापस ले जानी पड़ी।

परिवारों का कहना है कि उन्हें हटाने से पहले पट्टे देकर किसी अन्य स्थान पर बसाया जाए। इसी मांग को लेकर प्रभावित परिवार और जनप्रतिनिधि लगातार धरने पर बैठे हैं। धरने के 12वें दिन केएमवीएन के पूर्व अध्यक्ष किरण मंडल ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया था और वह प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष को एकजुट होकर ही सफल बनाया जा सकता है। धरनास्थल पर नगर पंचायत शक्तिगढ़ के अध्यक्ष सुमित मंडल, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य और पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे भी मौजूद रहे।

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर साढ़े छह लाख ठगे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रुद्रपुर के एक युवक से ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर साढ़े छह लाख रुपये की ठगी हो गई। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, गौतम साहनी पुत्र सुरेश कुमार साहनी निवासी खुशी एन्क्लेव भूरारानी रोड ने बताया कि दो माह पहले उन्हें फेसबुक पर एक लिंक मिला। लिंक खोलते ही वह एक कथित व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ गए, जिसमें लगभग 90 लोग शामिल थे। ग्रुप में रोजाना शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे के फर्जी स्क्रीनशॉट साझा किए जाते थे। खुद को आईआईएफसीएस कंपनी का कर्मचारी बताकर ठगों ने उन्हें प्री-आईपीओ और ब्लॉक ट्रेड में अधिक मुनाफे का लालच दिया।

शुरुआत में शेयर रेट वास्तविक कंपनियों से मेल खाते दिखे, जिससे उन्हें विश्वास हो गया। इसके बाद ठगों ने अलग-अलग बैंक खातों में रकम भेजने को कहा। गौतम ने बताया कि 14 से 30 अक्तूबर के बीच उन्होंने अपने और पत्नी के खातों से कुल 6,47,600 रुपये ट्रांसफर कर दिए। हर निवेश के बाद पोर्टल पर नकली मुनाफा दिखाया जाता था और ज्यादा लाभ का झांसा देकर बड़े निवेश का दबाव बनाया जाता था। कुछ दिन बाद उन्हें पता चला कि पूरा पोर्टल और कंपनी प्रतिनिधि फर्जी थे। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आतंक का अंत: मंगोली में आदमखोर गुलदार पकड़ा

■ दो हफ्ते बाद वन विभाग की मशक्कत लाई रंग

■ पीजी कॉलेज रोड, डैसली और देवीधार में गुलदार की बढ़ती गतिविधियों ने बढ़ाया खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। दो सप्ताह से मंगोली गांव में आतंक का पर्याय बना आदमखोर गुलदार आखिरकार पिंजरे में कैद हो गया है। करीब पखवाड़े पूर्व इसी गुलदार ने गांव के एक व्यक्ति पर हमला कर उसकी जान ले ली थी, जिसके बाद पूरा गांव भय और असुरक्षा की चपेट में आ गया था। ग्रामीणों ने शाम ढलते ही घरों से बाहर निकलना बंद कर दिया था और बच्चों को स्कूल भेजने तक में डर महसूस होने लगा था।

गुलदार के हमले के बाद वन विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया। टीम को कई दिनों तक जंगलों में डटे रहकर कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सर्विलांस कैमरों की निगरानी, गश्त बढ़ाने और अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाने के बाद अंततः शनिवार देर रात सफलता हाथ लगी और गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। पकड़े गए गुलदार को विभाग की देखरेख में सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है, जहां उसका मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। गांव में राहत, पर दहशत के निशान अभी बाकी गुलदार के पकड़े जाने की खबर सुनते ही ग्रामीणों के चेहरों पर राहत लौट आई। लोगों ने कहा कि बीते दिनों में गांव का माहौल पूरी तरह ठप पड़ गया था। खेतों में काम करने से लेकर रोजमर्रा की आवाजाही तक सब कुछ प्रभावित था। वन विभाग की त्वरित कार्रवाई और लगातार प्रयासों की ग्रामीणों ने सराहना की है। लेकिन इसी राहत के बीच पास के क्षेत्रों में वन्यजीव गतिविधि बढ़ने की खबर ने चिंता भी बढ़ा दी है। राय नगर चौड़ी, पीजी कॉलेज रोड और डैसली में बढ़ी हलचल नगर क्षेत्र से लगे राय नगर-चौड़ी, पीजी कॉलेज के पास, डैसली और देवीधार हनुमान मंदिर इलाके में भी पिछले कुछ दिनों से गुलदार की गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शाम होते ही कई बार गुलदार को सड़कों और झाड़ियों के आसपास घूमते देखा गया है। विशेषकर पीजी कॉलेज मार्ग पर विद्यार्थी और स्थानीय लोग आवागमन करते हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है। इसी तरह देवीधार मंदिर के आसपास शाम के समय श्रद्धालुओं की आवाजाही होने के कारण क्षेत्र और ज्यादा संवेदनशील हो जाता है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से इन क्षेत्रों में भी तत्काल पिंजरा लगाने और गश्त बढ़ाने की मांग की है।

सीओ ने किया बाजार पुलिस चौकी का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। सीओ शिवराज सिंह राणा ने रविवार को रिपोर्टिंग पुलिस चौकी बाजार का आकस्मिक निरीक्षण कर मातहतों को दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारी, कर्मचारियों का सम्मेलन लेकर उनसे उनकी समस्याओं के बारे में पूछा गया और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय अभिलेखों, मैस, बैरक आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने चौकी पर नियुक्त सभी कर्मचारियों को अधिक से अधिक सत्यापन करने व निरोधात्मक कार्यवाही करने के लिए बताया गया व ग्राम अपराध रजिस्टरों को अपडेट रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही साइबर क्राइम टोल फ्री नम्बर 1930, पोक्सो, नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में नागरिकों को जागरूक करने को निर्देशित किया गया।

अजमेर पहुंचने पर फरीद अहमद मंसूरी का गर्म जोशी से स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। अखिल भारतीय राहुल गांधी ब्रिगेड उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष व मंसूरी समाज के राष्ट्रीय महासचिव फरीद अहमद मंसूरी का अजमेर पहुं. चने पर मंसूरी समाज के निजाम मंसूरी, मोहम्मद फरीद मंसूरी, कासिम मंसूरी, फरहान मंसूरी, पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने राजस्थानी पगड़ी पहना कर व फूल मालाओं से स्वागत किया।

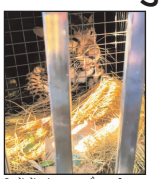

इस मौके पर सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने अपनी-अपनी बात रखी। श्री मंसूरी ने अपने संबोधन में कहा हमें अपने बच्चों को शिक्षित बनाना होगा। अपने बच्चों को पढ़ना होगा। मंसूरी समाज में राजनीतिक बेदारी लानी होगी, हमें ज्यादा से ज्यादा राजनीतिक में हिस्सा लेना होगा और अपने हक की आवाज उठानी होगी। आज हिंदुस्तान के हर प्रदेश में मंसूरी समाज पिछड़ा हुआ है। राजस्थान में 30 लाख मंसूरी समाज के वोटर वोट करते हैं, लेकिन मंसूरी समाज का किसी भी राजनीतिक दल में कोई प्रभाव नहीं है। अगर राजनीतिक पार्टियों मंसूरी समाज की ऐसे ही अनदेखी करती रही तो एक राजनीतिक दल और विपक्ष में खड़ा हो जाएगा, जिसका सीधा असर कांग्रेस पार्टी व भारतीय जनता पार्टी पर पड़ेगा। आने वाले चुनाव में मंसूरी समाज से अपील करता हूं कि वह राजनीतिक में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले और अपनी जगह राजनीतिक में बनाएं तभी मंसूरी समाज उन्नति करेगा।

चेकिंग के दौरान 18 वाहनों का चालान

■ वाहन चालकों व यात्रियों को यातायात से संबंधित दी गई जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था उत्तराखण्ड के आदेश के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उधम सिंह नगर के दिशा निर्देशन मे पुलिस अधीक्षक रुद्रपुर व पुलिस क्षेत्राधिकारी खटीमा के पर्यवेक्षण में अन्तरराज्यीय बार्डर चौकी सत्रह मील मे थाना खटीमा पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाकर 07 रोडवेज बस, 25 बड़ी व करीब 40 छोटे वाहनों को चौक किया गया ।

चेकिंग के दौरान कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नही हुई। वहीं वाहन चालकों व यात्रियों को यातायात व जागरुकता के सम्बन्ध मे अवगत कराया गया । इस दौरान अनियमितता पाए गए कुल 18 वाहनों का एमवी एक्ट में चालान किया गया। पुलिस टीम सीओ विमल रावत, प्रभारी निरीक्षक विजेन्द्र शाह, उ.नि. अनुराग सिंह, चौकी सत्रह मील प्रभारी उ.नि. ललित बिष्ट, अ. उ.नि. पूरन चन्द्र पाण्डे, हे.का. मनोज देव, पंकज कुमार, रविन्द्र नाथ, का. सुभाष पाण्डे, मोहन बोहरा,कमल पाल, पीएसी महेन्द्र सिंह, पीएसी मनोज रायपा, पीएसी बलजीत सिंह तथा पीएसी दिनेश गिरी शामिल रहे।

जीआईसी रेगडू में स्कूल सुरक्षा और आपदा जागरूकता प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी एवं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल के दिशा-निर्देश में जनपद की तहसील बाराकोट अंतर्गत जीआईसी रेगडू में स्कूल सुरक्षा एवं आपदा जागरूकता पर व्यापक जन-जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कार्मिकों को विभिन्न प्रकार की आपदाओं, उनसे बचाव एवं आपदा के समय सही व्यवहार के संबंध में जानकारियां दी गई। प्रशिक्षकों की ओर से भूस्खलन, बाढ़, बादल फटने एवं भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों, सुरक्षित स्थानों की पहचान, परिवार एवं पालतू पशुओं को सुरक्षित रखने के उपायों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में भूकंप सुरक्षा एवं बचाव, भूस्खलन व बाढ़ की स्थिति में सतर्कता, प्राथमिक उपचार, सीपीआर तकनीक, घायल व्यक्ति को सुरक्षित रूप से कैरी करने की विधि, स्थानीय संसाधनों से स्ट्रेचर निर्माण, आपदा रेस्क्यू उपकरणों की जानकारी, रैपलिंग व जुमारिंग, तथा रिवर क्रॉसिंग का प्रदर्शन कराया गया। साथ ही, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों, महिला हेल्पलाइन नंबरों, 'सचेत' एवं 'भूकम्प' एप के उपयोग की भी जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मास्टर ट्रेनर भरत गुसाईं,कनिष्ठ अभियंता नीरज पुजारी, एसडीआरएफ प्रभारी डूंगर सिंह अधिकारी, राम सिंह धोनी, गणेश मेहरा, किशोर सिंह एवं अमित मिश्रा की ओर से संचालित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पंकज कुमार साह सहित अध्यापकों एवं अन्य कार्मिकों ने प्रतिभाग किया।

चम्पावत में साहसिक पर्यटन को नई उड़ान

■ बाणासूर के बाद अब डांडाख्रककनई बनेगा पैराग्लाइडिंग हब

■ दो प्रशिक्षण बैच शुरू, पायलट 100 घंटे की सोलो उड़ान के बाद बनेंगे टैंडम पायलट

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पर्यटन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने की दूरदृष्टि अब धरातल पर दिखने लगी है। बाणासूर किले के बाद अब डांडाख्रककनई क्षेत्र साहसिक पर्यटन का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। यहां पैराग्लाइडिंग गतिविधियों ने रफ्तार पकड़ ली है और जल्द ही यह क्षेत्र उत्तराखंड का प्रमुख पैराग्लाइडिंग हब बनने जा रहा है।

डांडा में वर्तमान में 'पैराग्लाइडिंग उड़ान अभ्यास' नाम से प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित है। इसमें प्रतिभागियों को सोलो पायलट प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 100 घंटे की उड़ान पूर्ण करने के बाद ट्रेनिंग ले रहे पायलट टैंडम (कमर्शियल) पायलट बनने के लिए पात्र होंगे। प्रशिक्षण का पहला बैच 6 नवम्बर से 25 नवम्बर तक संचालित किया जा रहा है, जबकि दूसरा बैच 26 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक चलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यही गति बनी रही तो डांडा-ककनई क्षेत्र में भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकती हैं। इससे पहले पैराग्लाइडिंग पायलटों ने बाणासुर किले से उड़ान भरकर जिले को नई पहचान दी थी, लेकिन एयरोस्पोर्ट्स के विशेषज्ञों ने ककनई साइट को और अधिक उपयुक्त पाया। बेहतर थर्मल, अनुकूल हवा का रुख और सुरक्षित लैंडिंग ग्राउंड इसे पेशेवर स्तर की उड़ान के लिए आदर्श बनाते हैं। यहां उड़ान भर रहे पायलट लगातार तीन घंटे तक आसमान में रोमांचक सफर का आनंद ले रहे हैं।

महाराष्ट्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक आकाश ने डांडा-ककनई को अत्यंत संभावनाशील बताते हुए कहा कि यह साइट देश की श्रेष्ठ पैराग्लाइडिंग लोकेशन में शामिल हो सकती है। पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल की पहल पर प्रदेश में नई पैराग्लाइडिंग साइटों की पहचान की जा रही है। राज्य के 120 से अधिक पैरा पायलटों को विशेषज्ञ पर्यवेक्षण में प्रशिक्षित करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन साहसिक खेल अधिकारी एवं प्रशिक्षण समन्वयक बलवंत सिंह कपकोटी के निर्देशन में किया जा रहा है।

डांडा- ककनई का तेजी से विकसित होता पैराग्लाइडिंग जोन न सिर्फ साहसिक पर्यटन में चम्पावत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोलेगा। आने वाले समय में यह क्षेत्र चम्पावत को उत्तराखंड का एडवेंचर कैपिटल बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

ज़मानत पर बाहर आया, मौत

बेसुध हालत में मिला था धमेन्द्र, मौत के तीन बाद हुई शिनाख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एक अपराधी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जो कुछ साल जेल में बिताने के बाद हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। यह व्यक्ति गंभीर रूप से 15 नवंबर को किच्छा सड़क किनारे घायल और लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ मिला था। घायल को स्थानीय लोग पहले किच्छा अस्पताल लाए लेकिन हालत में सुधार ना होने पर उसे 16 नवंबर को सुशीला तिवारी रेफर कर दिया। बीते 20 नवंबर को उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। व्यक्ति की शिनाख्त नहीं होने पर उसका शव मोर्चरी में ही पड़ा रहा। पुलिस ने शव की शिनाख्त कर आज रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते 15 नवंबर को किच्छा की सड़क किनारे एक बेसुध और लहूलुहान व्यक्ति पड़ा हुआ मिला। स्थानीय लोगों व पुलिस ने घायल अवस्था में व्यक्ति को किच्छा के सीएचसी में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत बिगड़ गई, और डाक्टरों ने उसे 16 नवंबर को सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान उसने बीते 20 नवंबर को दम तोड़ दिया। जब मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई तो पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस द्वारा शव के बारे में तीन दिन लगातार प्रचार-प्रसार करने के बाद शनिवार शाम मृतक की पहचान छरैली, उसहैत बदायूं निवासी 26 वर्षीय धर्मेंद्र उर्फ झल्लू के रूप में हुई। धर्मेंद्र के परिवार ने उसकी शिनाख्त की और बताया कि वह पंजाबी मोहल्ला किच्छा का निवासी था। बताया जा रहा कि मृतक धर्मेंद्र एक आर्म्स एक्ट मामले में जेल गया था और हाल ही में वह जमानत पर रिहा हुआ था। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया है। जिसके बाद परिजनों ने रानीबाग चित्रशिला घाट में ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

ज़हर गटक लेने से युवक की मौत

हल्द्वांनी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक युवक ने तहरीर पदार्थ का सेवन कर लिया। युवक की हालत बिगड़ती देख परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाए। जहां पर उसने दम तोड़ दिया। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परि. जनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार रामनगर सावल्दे निवासी 22 वर्षीय इंदर गिरी पुत्र स्व. लाल गिरी ने बीते शनिवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों के चलते जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। इंदर की हालत बिगड़ती देख परिजन द्वारा उसे स्थानीय अस्पताल लाए लेकिन युवक की हालत नाजुक देख उसे सुशीला तिवारी रेफर कर दिया। जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा कि इंदर तीन भाईयों में सबसे छोटा था। परिजनों द्वारा बताया गया कि इंदर बीते कुछ दिनों से नौकरी को लेकर काफी परेशान रहने लगा था। कई जगह नौकरी की तलाश की लेकिन नौकरी नहीं मिली। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

हादसे में स्कूटी सवार ने जान गंवाई

हल्द्वानी। शनिवार देर शाम गौलापार में एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें कार और स्कूटी की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में उसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी लाया गया। जहां उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुट गई। बताया जा रहा कि कार चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार काठगोदाम निवासी 29 वर्षीय सुंदर सिंह पुत्र चंदन सिंह किसी प्राइवेट कंपनी में काम करता था। बताया जा रहा कि बीते शनिवार शाम वह गौलापार से स्कूटी में सवार होकर काठगोदाम की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान कुंवरपुर, रामबाग के पास उसकी स्कूटी सामने से आ रही कार से टकरा गई। हादसे में सुंदर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल को लोगों ने सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा और पुलिस को सूचना दी। अस्पताल पहुंचने के बाद सुंदर ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है और फरार कार चालक की तलाश कर रही है।

खटीमा और सितारगंज में मिले दो भ्रूण फॉरेंसिक एक्सपर्ट नहीं मिला

हल्द्वानी। पहले खटीमा और फिर सितारगंज में एक के बाद एक दो भ्रूण मिले। किसने और किन हालातों में भ्रूण को फेंका यह अभी साफ नहीं है, लेकिन फॉरेंसिक एक्सपर्ट के न होने से पहला भ्रूण तीन दिन तक मोर्चरी में पड़ा रहा। जब दूसरा भ्रूण भी हल्द्वानी पहुंचा तो रविवार को दोनों का पोस्टमार्टम किया गया। बता दें कि बीते 19 नवंबर को खटीमा और सितारगंज में बीते शनिवार को भ्रूण मिले। दोनों को पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी मोर्चरी लाया गया। यहां उनका पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस के अनुसार पांच दिन पहले खटीमा में जबकि दो दिन पहले सितारगंज से एक भ्रूण बरामद हुआ है। लोकल में फॉरेसिंक जांच की सुविधा न होने के कारण दोनों को हल्द्वानी लाया गया। यहां जांच के बाद पोस्टमार्टम किया गया है। दोनों पांच से छह महीने के भ्रूण हैं। किसने दोनों फेंका, इसकी स्थानीय पुलिस जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि दस दिन पहले भी काशीपुर से एक नवजात शिशु मृत अवस्था में मिला था।

वाहन चालक पर बाइक सवार ने लोहे की रॉड से किया हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवार सुबह मुखानी थाना क्षेत्र में एक मुर्गा लदे वाहन के चालक पर बाइक सवार युवक ने हमला कर दिया। न केवल चालक को लोहे की रॉड से पीटा, बल्कि वाहन में तोड़फोड़ भी की। मुखानी पुलिस ने पीड़ित चालक की तहरीर के आधार पर आरोपी बाइक सवार युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मूलरूप से खड़ी बाजार रानीखेत व हाल निवसी गौलापार अब्दुल कादिर ने मुखानी पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसका वाहन यूपी23टी-9019 मुर्गा चुगना कंपनी से पोल्ट्री माल लोड करके हल्द्वानी की ओर जा रहा था। जिसे चालक रिफाकत मलिक निवासी मजीत गदरपुर चला रहा था। तहरीर में आरोप लगाया कि रविवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे आम्रपाली इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार रवि सागर नामक युवक ने अपनी बाइक वाहन के आगे लगा दी। फिर उसने चालक को बाहर खींचकर उस पर लोहे की भारी रॉड से हमला कर दिया, इतना ही नहीं बाइक सवार ने वाहन के शीशे तोड़ने के साथ वाहन की बौंडी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। तहरीर में आरोप है कि हमले के दौरान आरोपी ने चालक से धर्म विशेष को लेकर अपशब्द कहे और गाली-गलौज की। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

प्रोत्साहन का लालच, करोड़ी की ठगी, तीन पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर के एक बीयर डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ा एक बड़ा प्रोत्साहन घोटाला सामने आया है, जिसमें करोड़ों रुपये के धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। मां शीतला डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रो. लि. ने एन्हाउजर बुश इनबेव इंडिया लिमिटेड के तीन अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि इन अधिकारियों ने ग्राहकों को मर्सिडीज कार देने का झांसा देकर भुगतान रोकवाया और कंपनी को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। इस मामले में तहरीर के साथ ईमेल प्रमाण भी पुलिस को सौंपे गए हैं। पुलिस ने इस मामले में मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार मां शीतला डिस्ट्रीब्यूटर्स के प्रबंधक संजीव कुमार ने कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में आरोप लगाते हुए कहा कि एन्हाउजर बुश इनबेव इंडिया लिमिटेड के रीजनल डायरेक्टर अभिनव डंडोना, एरिया मैनेजर जगनिवास दुबे और स्टेट हेड आशीष सूरी ने बिना किसी अनुमति और अधिकार के ग्राहकों को प्रोत्साहन स्वरूप मर्सिडीज कार देने का वादा किया। इस झांसे में फंसकर ग्राहकों ने कंपनी का शेष भुगतान रोक दिया, जिससे संजीव की कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। संजीव ने पुलिस को दी तहरीर के साथ उन ईमेल्स की प्रतियां भी दिया है, जिनमें कार देने के वादे का उल्लेख किया हुआ है। उनका कहना है कि उनकी कंपनी पिछले 15 साल से उत्तराखंड में एन्हाउजर बुश इनबेव इंडिया लिमिटेड के बीयर उत्पादों की एकमात्र अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर है, और राज्य में कोई भी अन्य व्यक्ति या संस्था उक्त उत्पादों की बिक्री नहीं कर सकती। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने कहा कि तहरीर के आधार पर मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर के बाहर से बाइक चोरी

हल्द्वानी। मुखानी थाना क्षेत्र में एक घर के पास से बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने मामले में अज्ञात पर मुक. दमा दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है। नरीपुर, लामाचौड़ निवासी सतीश ने बताया कि 16 नवंबर को उनके निवास स्थान से बाइक चोरी हो गई थी। काफी ढूंढने के बाद भी गाड़ी नहीं मिली। पीड़ित ने मुखानी पुलिस को तहरीर दी। थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

शहरी विकास एजेंसी के खिलाफ प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सड़क निर्माण की मांग को लेकर रविवार को सद्भावना विहार कॉलोनी पीलीकोठी के स्थानीय लोगों ने पहाड़ी आर्मी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कांडपाल और

नगराध्यक्ष भुवन पहाड़ी के नेतृत्व में शहरी विकास एजेंसी और उनकी ठेकेदार फर्म के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने कहा कि पिछले एक साल से कॉलोनी की सड़कों की खुदाई की गई थी, लेकिन कार्य पूरा नहीं हुआ। साथ ही सड़कों में पड़े चैंबर भी गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। इसके अलावा सीवर लाइन डालने का काम भी समय पर पूरा नहीं हो पाया, जबकि ठेकेदार ने दिवाली के बाद काम शुरू करने का वादा किया था। स्थानीय लोगों ने चेताया कि अगर शीघ्र ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो वह लोनिवि और नगर निगम के साथ सड़क जाम करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन करने वालों में मुकुल वर्मा, अशोक वर्मा, संतोष पांडे, महेश चंद पाठक, जुगल किशोर पांडे, चंद्रशेखर पांडे, सावित्री, रामलाल सक्सेना, राहुल बेलवाल, हरिश्चंद्र पांडे, रूपचंद, गोपाल लाल पांडे, विनोद रौतेला, रेवती देवी, नारायण सिंह किरोला, आनंद सिंह रावत, किशन सिंह बिष्ट, देवेंद्र सिंह, रमेश चंद जोशी, केशव जोशी, कैलाश चंद, गोविंद पंत, प्रदीप पंत, एसके श्रीवास्तव, राजेंद्र सिंह बोरा, मालती देवी, हरगो. विंद पांडे, मथुरादास जोशी, कैप्टन मेहरा, कैलाश चंद पाठक, लोकेश पंत आदि मौजूद रहे।

प्रभातफेरी निकाली, पुष्पवर्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। श्री गुरु तेग बहादुर जी के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित दो दिवसीय धार्मिक आयोजनों के तहत आज रविवार दूसरी और अंतिम प्रभात फेरी भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। प्रभात फेरी का आयोजन सुबह 5 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु नानकपुरा से प्रारंभ हुआ। यह फेरी नैनीताल रोड, सुभाष नगर रोड और ठंडी सड़क होते हुए पुन: गुरुद्वारा साहिब पहुंची। इस दौरान स्थानीय समुदाय ने मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा की और श्रद्धा के साथ प्रभातफेरी का स्वागत किया। प्रभात फेरी के समापन के तुरंत बाद, गुरुद्वारा श्री गुरु नानकपुरा में श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर विशेष अखंड साहिब पाठ की शुरुआत की गई। गुरुद्वारा

साहिब के हेड ग्रंथि ज्ञानी ठाकुर सिंह जी ने अरदास की और पाठ का आयोजन शुरू किया। इस धार्मिक अवसर पर बड़ी संख्या में संगत ने लंगर हॉल में प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य सेवादार हरजीत सिंह सच्चर, अमरजीत सिंह बंटी आनंद, जसपाल सिंह कोहली, दिलप्रीत सिंह, हरजीत चड्डा, बलजीत कौर, सतवंत कौर सहित कई लोग मौजूद रहे।

धाकड़ प्रदर्शन से कोल्ट्स क्रिकेट ने झटकी ट्रॉफी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कोल्ट्स क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में हल्द्वानी कोल्ट्स क्लब के मैदान में कराई जा रही अंडर-14 स्व. पूरन चन्द्र बल्यूटिया मेमोरियल बहुदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन अपनी पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी मात्र 130 रन ही बना सकी। 130 रनों का लक्ष्य लेकर पहली पारी खेलने मैदान में उतरी डीके स्पोर्ट्स अकादमी के बल्लेबाज हार्दिकराज के 120, शुभ 37 और आरव जोशी ने 30 रनों की मदद से 219 रनों पर पारी घोषित कर दी। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी

■ वंश मैन ऑफ-द मैच, हार्दिकराज सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

अपनी दूसरी पारी में 169 रनों पर आल आउट हो गयी। कार्तिक रावत 89, जयवर्धन 27 और वंश रावत 22 रन ही डीके स्पोर्ट्स के गेंदबाजो का सामना कर सके। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज अनामय पाण्डे ने 3, देवांग, ईशान और ओम ने 2-2 विकेट लिए। अपनी दूसरी पारी में 81 रनों का लक्ष्य पूरा करने उतरी डीके स्पोर्ट्स अकादमी की पूरी टीम मात्र 55 रनों पर आल आउट हो गयी। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज कृष रावत और उत्कर्ष ने 4-4 विकेट लेकर 25 रनों से फाइनल मैच का खिताब अपने नाम किया। मैच के अंपायर सौम्य और हरप्रीत सिंह कम्बोज रहे जबकि स्कोरर की भूमिका रवि सिंह ने निभाई। प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि हल्द्वानी विधायक व जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित हृदयेश व विशेष अतिथि बीना बल्यूटिया ने विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को पुरुस्कार वितरित किए। प्रतियोगिता में दोहरा शतक लगाने के लिए हार्दिकराज, देवांश, गजेंद्र, बजवाल, मेहुल गोस्वामी, इशांत जोशी और एक मैच में 10 विकेट लेने वाले विनय जोशी, वेदांत यादव आदि खिलाड़ियों को भी पुरूस्कृति किया गया। जबकि फाइनल मैच का मैन ऑफ-द मैच वंश रावत, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, हार्दिकराज सिंह बिष्ट, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज देवांग नेगी, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक ओम बोरा व मैन ऑफ डी सीरीज ईशान जोशी के नाम रही। इस मौके पर नीरज बल्यूटिया, आनंद बिष्ट, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिक. ारी, पंकज गुरुरानी, योगेश चौहान, संजय चौधरी, विक्रम बोरा, धर्मेंद्र पाल, प्रशांत भंडारी, प्रकाश रावत, विजय आर्या, सोनू आर्या, प्रकाश भगत मनोज पंत आदि मौजूद रहे।

नृत्य वाटिका शरदोत्सव में द्वितीय

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मानव विकास सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय 25वें शरदोत्सव मेले में नृत्य वाटिका एवं डांस एकेडमी कमलुवागंजा हल्द्वानी के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में नृत्य वाटिका ने ग्रुप डांस श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम नृत्य वाटिका अकादमी में आयोजित किया गया। जहां मुख्य आयोजनकर्ता एवं फिल्म निर्माता-निर्देशक विक्की योगी और मुख्य अतिथि ट्रिपल ए मैनेजमेंट सर्विसेज के प्रबंध निदेशक जीएस रावत ने टीम को 5000 रुपये नकद, प्रमाणपत्र और ट्राफी प्रदान की। मंचन के दौरान डांस कोरियोग्राफर स्मिता और उनकी टीम की सराहना की गई। कार्यक्रम में डांस योगा अकादमी की निदेशक बबीता हलदर, ममता पंत, शालिनी पंत सहित कई लोग मौजूद रहे।

कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर शिक्षकों का मंथन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संगठन की त्रैमासिक बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष मनोज तिवारी की अध्यक्षता में कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर बीआरसी भीमताल में संपन्न हुई।

बैठक का संचालन महामंत्री बंशीधर कांडपाल द्वारा किया गया। त्रैमासिक बैठक में संगठन ने एक स्वर में कहा उपशिक्षा अधिकारियों ने उल्लास कार्यक्रम के तहत शिक्षकों के वेतन को बिना किसी स्पष्ट कारण के रोकने के आदेश दिए हैं, जो गलत है, साथ ही विकासखंड धारी और ओखलकांडा के औपबंधिक शिक्षकों की सामान्य भविष्य निधि

और गोल्डन कार्ड की कटौती जून माह से बंद कर दी गई थी। इसके बाद शिक्षकों ने कई बार खंड शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक शिक्षा से संपर्क किया, लेकिन नवंबर माह तक कोई समाधान नहीं निकला।

इस कारण शिक्षकों में गहरा रोष उत्पन्न हुआ। संगठन कहा कि जनपद में जो 129 शिक्षक पदों की नियुक्ति की जा रही है, उन्हें पहाड़ी विकासखंडों में ही दिया जाए, क्योंकि इन क्षेत्रों में शिक्षक की भारी कमी है। इसके अतिरिक्त संगठन ने यह आह्वान किया कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संगठन 24 नवंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर टेट की बाध्यता को समाप्त करने और 25 नवंबर को पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचे। संगठन ने कहा कि शिक्षा विभाग में एनजीओ की बढ़ती घुसपैठ चिंता का विषय है। एनजीओ द्वारा बार-बार शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाता है, जो अक्सर केवल खानापूर्ति ही होती है और इससे शिक्षकों के समय की बर्बादी होती है। बैठक में जिले की पूरी कार्यकारिणी व आठों विकासखंडों के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष और शिक्षक प्रति. निधि मौजूद रहे।

नए लेबर कोड आधुनिक गुलामी की संहिताएं: पाण्डेय

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। केंद्र सरकार द्वारा 21 नवंबर को चार श्रम संहिताओं वेतन संहिता 2019, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य-शर्त संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और औद्योगिक संबंध संहिता 2020 को अधिसूचित किए जाने का भाकपा (माले) ने कड़ा विरोध किया है। भाकपा माले के जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि ये कोड श्रम सुधार नहीं बल्कि व्यापार करने में सुगमता के नाम पर श्रमिकों के अधिकारों को छीनने और बड़े कारपोरेट हितों को मुनाफा पहुँचाने वाले औजार हैं।

पाण्डेय ने आरोप लगाया कि नए कोड सुरक्षा अनुपालन और मजदूरी संबंधी जरूरतों को कमजोर करते हैं तथा संगठन बनाने और सामूहिक कार्रवाई जैसे ऐतिहासिक श्रमिक अधिकारों को खत्म करते हैं। उनका कहना है कि इससे असंगठितकरण, ठेकाकरण और बंधुआ मजदूरी जैसे हालात और गहरे होंगे। विरोध कार्यक्रमों के तहत ऐक्टू 24 नवंबर को लेबर कोड की प्रतियां जलाएगा, जबकि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र फेडरेशनों और संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 नवंबर को प्रतिवाद व अवज्ञा दिवस की घोषणा की है।

साहित्यकार त्रिभुवन गिरी महाराज का नागरिक सम्मान

कुमाऊंनी साहित्य में पकड़ रखने वाले गिरी को अल्मोड़ा रंगमंच का पुरोधा बताया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। क्रिएटिव उत्तराखंड-मयर पहाड़ संस्था के तत्वावधान में तथा समय साक्ष्य एवं सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के सहयोग से साहित्यकार और रंगकर्मी त्रिभुवन गिरी महाराज का नागरिक सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रो. देव सिंह पोखरिया, डा. हयात रावत मंचाशीन रहे। संच. ालन करते हुए डा. नीरज पांगती ने त्रिभुवन गिरी के जीवन पर प्रकाश डाला। नवीन बिष्ट ने त्रिभुवन गिरी महाराज के कृतित्व और व्यक्ति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे अपने आप में एक ग्रंथ है। पहरू पत्रिका के पूर्व संपादक डा. हयात सिंह रावत ने त्रिभुवन गिरि

को लेकर कहा कि कुमाऊंनी साहित्य की कोई ऐसी विधा नहीं है जिसमें त्रिभुवन गिरी का नाम न हो। उनके लेखन का एक स्तर है। उन्होंने सच्चे अर्थो में साहित्य साधना की है। साहित्यकार दीपक कार्की ने कहा कि त्रिभुवन गिरी के सानिध्य में 1977 के साथ रहा। उनका कुमाऊंनी साहित्य बहुत समृद्ध है। उनका साहित्य ठेठ कुमा. उनी में लिखा गया है। रंगकर्मी और पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी भंडार हुक्का क्लब के प्रभात लाल साह गंगोला ने कहा कि अल्मोड़ा के रंगमंच के वे पुरोधा है। वे स्क्रिप्ट को बहुत गहनता से पढ़ते है और उसका सीन निर्मित करते है। विद्वान प्रो. देव सिंह पोखरिया ने कहा कि त्रिभुवन गिरी महाराज बहुआयामी चित्रकार, कलाकार, रंगकर्मी, साहित्यकार है। उनके साहित्य में विविधता है। उनका बाँजि कुड़िक पहरू कुमा. उनी साहित्य के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। उनके लेखन से कुमाउनी साहित्य जगत में ऊर्जा, उत्साह, उमंग आई है जो कुमाउनी काव्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सोबन सिंह जीना परिसर अल्मोड़ा के गणित विभाग के सभागार में क्रिएटिव उत्तराखंड-म्यर पहाड़ संस्था द्वारा आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम में अल्मोड़ा के रंगकर्मी, साहित्यकार और रंगकर्मी त्रिभुवन गिरी महाराज को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। क्रिएटिव संस्था के दयाल पांडे ने बताया कि यह हर्ष का विषय है कि हम उनको सम्मानित कर रहे है। साहित्यकार नीरज पंत ने त्रिभुवन गिरी का साक्षात्कार लिया। इस अवसर पर हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति आर्या, हेम पंत, हिमांशु पाठक, नरेंद्र बंगारी, डा. माया गोला, डा. आशा शैली, नीरज पंत, प्रभात लाल साह गंगोला, ध्रुव टम्टा, बीना चतुर्वेदी, हर्ष काफर, डा. दलीप सिंह बोरा, ललित तुलेरा, कंचन तिवारी सहित साहित्यकार और रंगकर्मी मौजूद रहे।

नृत्य और नाटक में श्रीसनातन धर्म विद्यालय का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक स्पर्धा के अंतर्गत श्रीसनातन धर्म संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय ने प्रतिस्पर्धात्मक नृत्य और नाटक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही विद्यालय को आगामी राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भाग लेने का गौरव प्राप्त हुआ है, जिससे जिले का नाम रोशन हुआ है। विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मुख्य शिक्षाधिकारी गोविंद जायसवाल, सहायक निदेशक संस्कृत शिक्षा यशोदा प्रसाद सिमल्टी, और विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार पाण्डेय ने प्रतिभागियों की कला और संस्कृत वाचन की सराहना की। साथ ही उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक घनानंद जोशी, जानकी त्रिपाठी, आरती त्रिपाठी, डा. नारायण दत्त थुवाल, डा. मोहित जोशी, साकेत पाठक आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भारत ने दृष्टिबाधित महिला विश्वकप जीता

फाइनल में दिखा दृष्टिबाधित भारतीय टीम का दबदबा, नेपाल को सात विकेट से हराया

कोलंबो, वार्ता। भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी-20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा। भारत ने नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया था। जवाब में टीम ने 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय महिला दृष्टि बाधित टीम का फाइनल में ऐसा दबदबा रहा कि नेपाल की टीम अपनी पारी में सिर्फ एक बाउंड्री ही लगा सकी। भारत के लिए फाइनल में सबसे ज्यादा रन फुला सारेन ने बनाए। वह 44 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत ने सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने पाकिस्तान को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस टूर्नामेंट की सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती दौर में पांच में से सिर्फ एक मैच जीत सकी थी। टीम ने अमेरिका को हराया था। पाकिस्तान की मेहरीन अली छह टीमों के बीच खेले गए इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। उन्होंने 600 से ज्यादा रन बनाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों पर 230 रन बनाना शामिल है। मेहरीन ने इसके अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ 133 रन बनाए थे।

अभिनव देशवाल ने 25मी पिस्टल इवेंट में जीता गोल्ड

टोक्यो, वार्ता। भारत के अभिनव देशवाल ने रविवार सुबह यहां चल रहे डेफलम्पिक्स के 9वें दिन 25मी पिस्टल मेन्स इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। साउथ कोरिया की लीना सेउंग ह्वा ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि यूक्रेन के फोमिन सेरही ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। एक और भारतीय शूटर, चेतन हनमंत सपकाल, 5वें स्थान पर रहे। क्वालिफायर में 600 में से 575 के साथ क्वालिफिकेशन वर्ल्ड रिकॉर्ड और क्वालिफिकेशन डेफलम्पिक्स रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद अभिनव 25मी पिस्टल मेन्स इवेंट के फाइनल में पहुंच गए थे।

केएल राहुल साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में कप्तानी करेंगे

● इंजर्ड श्रेयस शुभमन बाहर कोहली-रोहित 9 महीने बाद घर में इंटरनेशनल मैच खेलेंगे

गुवाहाटी, वार्ता। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इंजर्ड कप्तान शुभमन गिल, उपकप्तान श्रेयस अय्यर और आलराउंडर हार्दिक पांड्या इस सीरीज से बाहर हैं। वनडे टीम की कप्तानी विकेटकीपर केएल राहुल संभालेंगे। वहीं रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 9 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते दिखाई देंगे। जसप्रीत बुम. राह को आराम दिया गया है।

3 वनडे की सीरीज 30 नवम्बर से शुरू होनी है। टी-20 सीरीज 9 दिसंबर से खेली जाएगी, लेकिन इसके लिए टीम घोषित नहीं की गई। विकेटकीपर केएल राहुल तीनों फार्मेट में भारत की कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने 2023 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही टीम की वनडे में कप्तानी की थी, जिसमें भारत को 8 विकेट से हार मिली थी। उन्होंने 12 वनडे में टीम की कप्तानी की है। 8 में भारत को जीत और 4 में हार मिली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में बैटिंग के दौरान स्वीप शाट खेलने के बाद उन्हें गर्दन में खिंचाव महसूस हुआ। जिसके बाद वे रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्हें हास्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां सामने आया कि वे क्रिकेट खेलने के लिए फिलहाल फिट नहीं हैं। शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में बैटिंग करने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। श्रेयस आस्ट्रेलिया में इंजर्ड हुए टीम इंडिया अक्टूबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी-20 खेलने गई थी। वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में उप कप्तान श्रेयस अय्यर कैच लेने की कोशिश में इंजर्ड हो गए। वे कैच लेते हुए अपने कंधे के बल गिरे, जिस कारण उन्हें गंभीर चोट लग गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उनका अगले साल मार्च तक क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर पाना मुश्किल है। हार्दिक पांड्या एशिया कप में चोटिल हुए आलराउंडर हार्दिक पांड्या एशिया कप में चोटिल हो गए थे। इसी साल सितम्बर में सुपर-4 स्टेज मैच के दौरान उन्हें चोट लगी थी। जिस कारण वे 28 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल भी नहीं खेल सके थे। हालांकि, टीम इंडिया ने 5 विकेट से मुक. ाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया था। अगले साल फरवरी में टी-20 वर्ल्ड कप होना है, बीसीसीआई उससे पहले हार्दिक की फिटनेस पर पैनी नजर रखे हुए हैं। माना जा रहा है कि वे 26 नवम्बर से सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्राफी में कुछ मैच खेलेंगे। यहां उनकी फिटनेस जांचने के बाद ही उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में उतारा जाएगा। हार्दिक पांड्या सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट से मैदान पर वापसी कर सकते हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 9 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार फरवरी में घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी। फिर दुबई में चौंपियंस ट्राफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने आस्ट्रेलिया में खेले थे।

संक्षिप्त खेल समाचार

सत्र को जीत के साथ समाप्त कर अच्छा लगा: लक्ष्य सेन

सिडनी, वार्ता। ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में सत्र का अपना पहला खिताब जीतने वाले लक्ष्य सेन ने आज कहा कि सत्र को जीत के साथ समाप्त कर अच्छा लग रहा है। इंडिया के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, जो 14वें नंबर पर हैं, ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जापान के वर्ल्ड नंबर 26 युशी तनाका को 21-15, 21-11 से हराया। इस जीत के बाद लक्ष्य ने कहा," मैंने इस सीजन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं, सीजन की शुरुआत में कुछ चोटें भी लगीं, लेकिन मैंने पूरे सीजन में अपनी मेहनत जारी रखी और मैं सीजन को अच्छे नोट पर खत्म करके बहुत खुश हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं, अब अगले सीजन का इंतज़ार कर रहा हूं और मैं आज और इस हफ्ते जिस तरह से खेला, उससे सच में बहुत खुश हूं।

जर्मनी को हराकर डेविस कप फाइनल में पहुंचा स्पेन

स्पेन, वार्ता। स्पेन यहां जर्मनी पर 2-1 से जीत के बाद छह साल में पहली बार डेविस कप फाइनल में पहुंचा। छह बार के डेविस कप चैंपियन शनिवार को जर्मनी के खिलाफ 2-1 से सेमीफाइनल जीत के साथ आगे बढ़े, जब मार्सेल ग्रैनोलर्स और पेड्रो मार्टिनेज की डबल्स जोड़ी ने केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुट्ज़ को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। स्पेन का सामना रविवार को मेजबान और डिफेंडिंग चैंपियन इटली से होगा। इटली शुक्रवार के सेमीफाइनल में बेल्जियम पर जीत के साथ फाइनल में पहुंचा था। कैप्टन डेविड फेरर की टीम, चोटिल दुनिया के नंबर 1 कार्लोस अल्काराज के बिना, अपने डबल्स स्पेशलिस्ट, 39 साल के फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन चैंपियन ग्रैनोलर्स और उनके पार्टनर मार्टिनेज का शुक्रिया अदा कर सकती है।

अनाहत ने जीता इंडियन ओपन स्क्वैश का खिताब

● जोशना चिनप्पा की कड़ी टक्कर के बावजूद अनाहत ने 5वां मैच जीत लिया और इस सीजन का का अपना तीसरा टाइटल जीता

इंदौर, वार्ता। भारतीय स्क्वैश की होनहार खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शनिवार को इंदौर में अपनी सीनियर हमवतन जोशना चिनप्पा को हराकर एसआरएफआई इंडियन ओपन 2025 पीएसए चैलेंजर महिला खिताब जीता। डेली कॉलेज में मुकाबला कर रही, टॉप सीड और दुनिया की 33वें नंबर की महिला स्क्वैश खिलाड़ी, अनाहत सिंह ने अपनी ज़्यादा अनुभवी और बिना सीड वाली विरोधी के खिलाफ 54 मिनट में 3-2 (11-8, 11-13, 11-9, 6-11, 11-9) से फाइनल जीता। 17 साल की अनाहत ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 7-4 से आगे हो गईं। हालांकि 39 साल की अनुभवी जोशना, जो दो बार की एशियन चैंपियन हैं, ने कुछ देर के लिए कंट्रोल करके 8-7 की बढ़त बना ली, लेकिन अनाहत ने बिना जवाब दिए चार पॉइंट्स के साथ गेम जीत लिया। अनाहत ने दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को बनाए रखा और 10-7 से आगे हो गईं। हालांकि, जोशना ने और ज़ोर लगाया, लगातार चार पॉइंट्स बनाकर 11-10 से आगे होने से पहले 13-11 से गेम अपने नाम कर लिया। मैच तीसरे गेम में भी इसी तरह जारी रहा, जोशना 9-8 से आगे थीं, इससे पहले अनाहत सिंह ने लगातार तीन पॉइंट जीतकर मैच 2-1 कर दिया।

खिताब दांव पर होने के साथ, जोशना ने चौथे गेम की शुरुआत में कंट्रोल हासिल कर लिया और 4-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने इसे 9-2 तक बढ़ाया और हालांकि अनाहत ने लगातार चार पॉइंट बनाए, लेकिन यह निर्णायक मुकाबला रोकने के लिए काफी नहीं था। हालांकि, मुंबई में इंडियन ओपन इवेंट और चेन्नई में एसआरएफआई इंडियन टूर टाइटल के बाद जोशना चिनप्पा की कड़ी टक्कर के बावजूद अनाहत ने पांचवां गेम जीत लिया और इस सीजन का अपना तीसरा टाइटल जीत लिया। कुल मिलाकर, यह अनाहत सिंह का सिर्फ 20वें पीएसए इवेंट में 13वां पीएसए टाइटल था। दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी मार्च में मुंबई में हुए इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी आमने-सामने हुए थे, जिसे अनाहत सिंह ने 3-1 से जीता था। इससे पहले इंदौर में हुए सेमीफाइनल में, अनाहत सिंह ने आयरलैंड की हन्ना क्रेग को 3-2 (11-4, 10-12, 9-11, 11-6, 11-4) के स्कोर से हराकर जीत हासिल की। इस बीच, जोशना ने अपने सेमीफाइनल मुकाबले में मिस्र की दूसरी सीड नादियन एल्हममी को 3-1 (7-11, 11-5, 11-7, 11-7) से हराया। पिछले महीने कैनेडियन विमेंस ओपन में, अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की वर्ल्ड नंबर 10 जॉर्जिना केनेडी से हारने से पहले सातवीं रैंक की टिने गिलिस और दुनिया की 20 नंबर की मेलिसा अल्वेस को हराया था।

मेरे लिए सचमुच यह एक खास पल है: सेनुरन

● मुझे खुशी है कि मैं टीम में अपना योगदान दे सका

गुवाहाटी, वार्ता। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शानदार शतक बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज सेनुरन मुथुसामी ने कहा कि यह उनके लिए सचमुच यह एक घस पल है। मुथुसामी ने 109 रन बनाए जिसकी बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 489 रन का विशाल स्कोर खघ किया। दिन के खेल के बाद मुथुसामी ने कहा कि इतने भरे हुए हाउस के सामने यह सच में एक खास पल था। मुझे खुशी है कि मैं टीम में अपना योगदान दे सका और पहली इनिग्स में कुछ रन बना सका, जो हमेशा जरूरी होता है। यह (प्लान) बस पार्टनरशिप बनाने और इनिग्स को आगे बढ़ाने और फिर बीच में रन बनाने का था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि स्कोल्सी (वेरेन) ने आज सच में बहुत अच्छा किया और मार्को स्पेशल था। और दूसरे लोगों ने भी योगदान दिया, जो बहुत बढ़िया था। यानसन के लंबे छक्कों पर मुथुसामी ने हैरानी जताते हुए कहा कि ओह, यह अविश्वसनीय था। मुझे हाउस में सबसे अच्छी सीट मिली थी। वह स्पेशल था। स्पेशल बॉल स्ट्राइकिग। यह उसकी तरफ से शानदार था। यह बहुत बढ़िया था। पगबाधा कॉल को सफलतापूर्वक रिव्यू करने पर उन्होंने कहा कि मैं सच में बहुत निराश था। और जब मैं स्कोल्सी के साथ खड़ा था, तो मैंने कहा कि तुम्हें पता है, यह शायद मेरे ग्लब से छू गया होगा।

द. अफ्रीका पहली पारी में 489 पर ऑलआउट

● दूसरे टेस्ट का दूसरा दिन-अब नजरें भारतीय बल्लेबाजों पर, स्कोर 9/0

गुवाहाटी, वार्ता। कुलदीप यादव ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शतक की ओर बढ़ रहे मार्को यानसन (93) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए नौ रन बना लिए है। केएल राहुल दो और यशस्वी जयसवाल सात रन बनाकर क्रीज पर है। भारत के लिए कल तीसरा दिन बहुत चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि मेजबान टीम के सामने दक्षिण अफ्रीका का विशाल स्कोर होगा। कुलदीप ने आज 152वें ओवर की पहली गेंद पर मार्को यानसन को आउटकर दिन का अपना यह पहला विकेट झटककर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 489 रन के स्कोर पर अंत किया। मार्को यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। कुलदीप ने चार विकेट लिए, और जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। दक्षिण अफ्रीका की पारी में केवल साइमन हार्मर ही एकमात्र ऐसे बल्लेबाज रहे जो दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सके वरना अन्य सभी 10 बल्लेबाजों ने दहाई का आंकड़ा पार किया। दक्षिण अफ्रीका की पारी में 21 अतिरिक्त रनों का भी योगदान रहा। इससे पहले भोजनकाल के बाद 139वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने शतकवीर सेनुरन मुथुसामी जयसवाल के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। सेनुरन मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली।

जयपुर ने कश्मीर चैलेंज कप के फाइनल में जगह पक्की की

● कश्मीर चैलेंज कप में थंडरबोल्ट टीम पर 13-02-05 से शानदार जीत दिलाई

जयपुर, वार्ता। जयपुर के महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार परफॉर्मेंस दिया, शानदार नौ गोल करके जयपुर पोलो टीम को कश्मीर चैलेंज कप में थंडरबोल्ट टीम पर 13-2-5 से शानदार जीत दिलाई, जिससे रविवार को कनोता पोलो के खिलाफ फाइनल में उनकी जगह पक्की हो गई। शुरुआती चक्कर से ही, पद्मनाभ सिंह ने अपनी शानदार सटीकता और कंट्रोल से माहौल बनाया, जयपुर के अटैक को लीड किया और पूरे मैच में लगातार दबाव बनाए रखा। उन्हें प्रणव कपूर का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने तीन गोल किए, और दक्षिण अफ्रीका के लांस वॉटसन ने एक और गोल करके जयपुर का स्कोर 13-2-5 कर दिया। मुश्किल के बावजूद, थंडरबोल्ट टीम ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी, जिसमें लेर्फ्टनेंट कर्नल विशाल चौहान ने एक बार गोल किया। उनके 1-5 के हैंडीकैप को मिलाकर, थंडरबोल्ट ने कुल 2-5 गोल किए। जयपुर ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बनाया, जल्दी ही बढ़त बना ली और सभी चक्करों में मजबूत बढ़त बनाए रखी। पद्मनाभ सिंह के शानदार नौ गोल मैच का सबसे अहम हिस्सा साबित हुए, क्योंकि जयपुर के आसान तालमेल और अटैकिग मोमेंटम ने उन्हें आखिरी घंटी तक मजबूती से कंट्रोल में रखा। इस शानदार जीत के साथ, जयपुर पोलो टीम ने कश्मीर चैलेंज कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है, और टूर्नामेंट में आगे बढ़ते हुए अपने पक्के इरादे, स्किल और जबरदस्त जोश का परिचय दिया है।

बांग्लादेश ने आयरलैंड को 217 रनों से हराया और सीरीज भी जीती

● सीरीज में 13 विकेट लेने वाले तैजुल इस्लाम को प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा

बांग्लादेश, वार्ता। तैजुल इस्लाम और हसन मुराद (चार-चार विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन आयरलैंड को दूसरी पारी में 291 के स्कोर पर समेट कर मुकाबला 217 रनों से जीत लिया। इसी के बंगलादेश ने दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। मुशफिकुर रहीम को 106 और नाबाद 53 रनों की शानदार पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और सीरीज मे 13 विकेट लेने वाले तैजुल इस्लाम को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया। आयरलैंड ने कल के छह विकेट पर 176 रन से आगे खेलना शुरु किया। आयरलैंड ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के समर्थन से जबरदस्त विरोध किया। कैमफर ने बहुत हिम्मत और पक्के इरादे के साथ बल्लेबाजी की और उन्हें निचले क्रम के बल्लेबाजों का भी समर्थन मिला। मेजबान टीम पहले सेशन में कुछ विकेट लेने में कामयाब रही। लेकिन उसके बाद कैमफर और होए ने बंगलादेश के गेंदबाजों को पसीना बहाने पर मजबूर कर दिया। सुबह के सत्र में तैजुल इस्लाम ने एंडी मैक्ब्राइन (21) को पगबाधा आउटकर बंगलादेश को सातवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए जॉर्डन नील ने कर्टिस कैमफर के साथ पारी को संभाला और आठवें विकेट के लिए 48 रन जोड़े। 82वें ओवर में मेहदी हसन मिराज ने जॉर्डन नील को बोल्डकर इस साझेदारी का अंत किया। जॉर्डन नील ने 46 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 30 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए गेविन होए ने कर्टिस कैमफर के साथ जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए बंगलादेश के गेंदबाजों को जीत के लिए तरसाए रखा। दोनों बल्लेबाजों के बीच नौवें विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी हुई। 114वें ओवर में हसन मुराद ने गो. विन होए को आउटकर आयरलैंड को नौवां झटका दिया। गोविन होए ने 104 गेंदों में चार चौकों की मदद से 37 रन बनाए। इसी ओवर की अगली गेंद पर हसन मुराद ने मैथ्यू हम्फ्रीज (शून्य) को आउटकर आयरलैंड की पारी का 291 रन के स्कोर पर अंत कर अपनी टीम को 217 रनों से जीत दिला दी। कर्टिस कैमफर 259 गें. दों में 71 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश के लिए तैजुल इस्लाम और हसन मुराद ने चार-चार विकेट लिए। मेहदी हसन मिराज और खलील अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

साइना-पीटर ने 'द लेजेंड्स' विजन-लेगेसी टूर इंडिया की शुरुआत की

आठ साल बाद भारत लौटे लेजेंड्स विजन का दिल्ली चैप्टर बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ

नई दिल्ली, वार्ता। दिल्ली में आज भारतीय बैडमिंटन के लिए एक यादगार दिन रहा, जब साइना नेहवाल और पीटर गेड ने सीरीफोर्ट डीडीए स्क्वैश एंड बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स में आयोजित ष्द लेजेंड्स' विजन - लेगेसी टूर इंडियाष की शुरुआत की। यह दिन विरासत, युवा ऊर्जा और उद्देश्य का ऐसा संगम लेकर आया, जिसने दिखाया कि जब महान खिलाड़ी अपने नन्हे चाहने वालों के साथ खड़े होते हैं, तो खेल की ताकत कई गुना बढ़ जाती है। आठ साल बाद भारत लौटे 'लेजेंड्स' विजन' का दिल्ली चैप्टर बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ। स्टेडियम शुरुआत से ही दर्शकों से भर गया था-जूनियर खिलाड़ी अपनी क्लब जर्सी में पहुंचे और परिवारों ने इसे एक उत्सव की तरह मनाया। जैसे ही साइना और गेड कोर्ट पर उतरे, चारों ओर गूं. जती तालियों ने साफ कर दिया कि शहर इस पल का लंबे समय से इंतज़ार कर रहा था। एम्बेसडर्स परुपल्ली कश्यप, आनंद पवार, अपर्णा पॉपट और सायली गोखले ने भी लेजेंड्स के साथ बच्चों के साथ मज़ेदार सत्र खेले, जिसमें लेजेंड्स और एम्बेसडर्स ने युवा खिलाड़ियों के साथ मिलकर कई दिलचस्प मुकाबले खेले। दिन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था ' ए रैकेट सेकंड लाइफ' का भारत में शुभारंभ। योनैक्स द्वारा लगाए गए दान बॉक्स में जब बच्चे और प्रशंसक अपने इस्तेमाल किए हुए रैकेट जमा करने लगे, तो इस पहल की असल भावना स्पष्ट दिखी-एक रैकेट, जो किसी ने कभी प्यार से इस्तेमाल किया, अब किसी ऐसे बच्चे के हाथों में जाएगा जिसे खेलने का मौका नहीं मिल पाता।

ऑन-कोर्ट सत्र पूरे कार्यक्रम की धड़कन थे। जूनियर खिलाड़ियों को साइना और गेड के साथ रैली खेलने का दुर्लभ अवसर मिला। लेजेंड्स ने उनके शॉट सुधारे, ग्रिप ठीक करवाई और कई बार सिर्फ बच्चों को उस अनुभव का आनंद लेने दिया-यह एक ऐसी मास्टरक्लास थी, जिसे बच्चे जिदगीभर याद रखेंगे। साइना नेहवाल ने कहा कि 'ये रैकेट सेकंड लाइफ' को भारत लाना मेरे लिए बेहद खास है। इस देश ने मुझे मेरा सफर दिया-कोच, प्रशंसक, सपोर्ट सिस्टम, सबकुछ। इसलिए अब जब मैं कुछ लौटाने की स्थिति में हूं, तो यह दिल से महसूस होता है। इस पहल की खूबसूरती यह है कि यह सिर्फ प्रोफेशनल या बड़े अकैडमियों के लिए नहीं है, बल्कि हर किसी के लिए है। हर फैन, हर खिलाड़ी सिर्फ एक रैकेट दान करके किसी बच्चे की जिदगी बदल सकता है। मेरा संदेश है-आपका रैकेट किसी का भविष्य बन सकता है। इस कहानी का हिस्सा बनें। पीटर गेड ने कहा कि शुरू से ही 'द लेजेंड्स' विजन' का मकसद था दुनिया को बैडमिंटन को नए नजरिए से देखने के लिए प्रेरित करना-सिर्फ मेडल और ट्रॉफियों से आगे बढ़कर। पिछले दस सालों में जागरूकता तो बढ़ी है, लेकिन असली मायने तब हैं जब जागरूकता कार्रवाई में बदलती है। यही वजह है कि भारत में उठाया गया यह कदम इतना महत्वपूर्ण है। 'ए रैकेट सेकंड लाइफ' इस वैश्विक मिशन को जमीन पर लाने जैसा है-बच्चों को उपकरण मिलना, समुदायों तक पहुंच बढ़ना, और ज़िदगियां बदलना। और इसे साइना द्वारा अपने देश में लीड किया जाना इसे और प्रभावशाली बनाता है। कार्यक्रम के अंत में, बच्चों ने दोनों लेजेंड्स के साथ अंतिम रैली खेली और यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। यह दृश्य बताने के लिए काफी था कि यह दिन किस बारे में था-एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक लिगेसी का सीधा हस्तांतरण। कल (24 नवम्बर) टूर दिल्ली-एनसीआरके विभिन्न स्थानों पर जारी रहेगा, जहां साइना नेहवाल और पीटर गेड चुनिदा योनेक्स सनराइज स्टोर्स में जाकर फैंस से मिलेंगे, दान को प्रोत्साहित करेंगे और 'ए रैकेट सेकंड लाइफ' को सीधे समुदायों तक ले जाएंगे।

एसपी देहात ने किया बुग्गावाला थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

लंबित विवेचनाओं का तुरंत निस्तारण करें : सुयाल

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शेखर चंद्र सुयाल ने बड़ा वाला थाने का अर्धवार्षिक निरीक्षण करते हैं थाने की सभी व्यवस्थाओं को बारीकी से जांच परख के साथ ही सफाई व्यवस्थारिकॉर्ड रूम सालों का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने निरीक्षण के दौरान थाना अध्यक्ष व दरोगाओं से साफ किया कि वह पीड़ितों को तुरंत इंसाफ दिलाऐ और विवेचकों से कहा कि जो भी लंबित विवेचनाएं हैं उनका तुरंत निस्तारण करें उन्होंने थाना अध्यक्ष को हिदायत दी की पीड़ितों को इंसाफ दिलाना प्राथमिकता में शामिल रखें वहीं सत्यापन अभियान व नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाकर उन्हें जेल भेजें । एसपी देहात ने निरीक्षण के दौरान थाने की सफाई व्यवस्था व रिकॉर्ड रूम की व्यवस्थाओं के अलावा असलाह रखने की जगह को भी परखा और असलाहो का भी निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक बुग्गावाला की उपस्थिति में थाना बुग्गावाला का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया तथा थाने की विभिन्न शाखाओं में पाई गई कमियों को परखते हुए

आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष मनोज कुमार के अलावाअन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।

लक्सर में 117 का सत्यापन, 30 हजार का जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस द्वारा क्षेत्र में सत्यापन अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। यह अभियान विशेष रूप से किरायेदार, होटल-ढाबों, तथा गुड़ चरकियों में काम करने वाले बाहरी व्यक्तियों पर केंद्रित है ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, हरिद्वार, के आवश्यक दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, प्रभारी निरीक्षक लक्सर ने थाना क्षेत्र में विभिन्न पुलिस टीमों का गठन किया। इन टीमों ने आज सघन चेकिंग और सत्यापन की कार्यवाही की। यह अभियान किरायेदारों, होटल और ढाबों में कार्यरत कर्मचारियों, तथा फड़-फेरी एवं गुड़ चरखी में काम करने वाले व्यक्तियों के सत्यापन पर केंद्रित रहा सत्यापन अभियान कार्यवाही का विवरण द्व संख्या/ राशि सत्यापन न कराने वाले 03 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 83 पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। 30,000/-का चालान न्यायालय भेजा गया। 118 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 81 पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। 4,500/- संयोजन शुल्क वसूला गया। लक्सर पुलिस ने यह स्पष्ट किया

है कि सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा और बिना सत्यापन के व्यक्तियों को काम पर रखने या किराए पर मकान देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रुड़की पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान

चार मकान मालिकों का चालान 3250 रूपये का वसूला जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सिविल लाइन कोतवाली पुलिस नेगली मोहल्ले में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने सत्यापन न करने पर कई मकान मालिकों का जहां चालान काटा तो कुछ मकान मालिकों का का नगद चालान भी काटा गया तो बड़ी तादाद में किराएदारों का सत्यापन भी किया गया।

जानकारी के अनुसार सिविल लाइन कोतवाली पुलिस नेगली मोहल्ले में सत्यापन अभियान चलाया। एसएसपी द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन की कार्रवाई तेज किए जाने के निर्देश दिए गए थे जिस पर प्रत्येक रविवार को सत्यापन की कार्रवाई अमल में ली जा रही थी। पुनः आज दिनांक 23.11.2025 को प्रातः काल सत्यापन की प्रभावी कार्रवाई करते हुए किरायेदार,व संस्थानो पर कार्य कर रहे मजदूरो के सत्यापन टीमे बनाकर कार्रवाई की गई जिसके फल स्वरुप 4 मालिको द्वारा अपने किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराया गया था उनका 83 पुलिस अधिनियम में न्यायालय चालान किए गए तथा अन्य संदिग्ध 13 चालान नगद 81 पुलिस अधि नियम पर 3250 नगद शुल्क वसूल किया गया। सत्यापन कार्रवाई के दौरान 135 व्यक्तियों के सत्यापन किया गये। सत्यापन की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

पुलिस टीम में उप निरीक्षक आनंद मेहरा, चौकी प्रभारी सोत बी अपर उप निरीक्षक बालम राठौर, कांस्टेबल सुरेंद्र लाल, कांस्टेबल इतेंद्र ध्यानी, कांस्टेबल रविंद्र रावत, कांस्टेबल अनिल शर्मा आदि शामिल रहे।

सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स व छात्रों ने किया रक्तदान

रक्तदान से हृदय रोग का खतरा हो जाता है कम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में में दिनांक 18 नवंबर 2025 से आयोजित शिविर के छठे दिन 78वे एनसीसी स्थापना दिवस के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एनसीसी कैडेट्स व संस्थान के छात्र, छात्राओं द्वारा 195 यूनिट रक्तदान किया गया जो खबर लिखे जाने तक भी जरी था। कर्नल अमन कुमार सिंह, कैम्प कमांडेंट द्वारा एनसीसी कैडेट्स को रक्तदान से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया जिसमें किसी व्यक्ति की जान बचाना, हृदय रोग का जोखिम कम करना, नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देना और कैलोरी बर्न करना शामिल है के बारे में बताया गया । रक्तदान के अवसर पर रक्तदान हेतु आए एनसीसी कैडेट्स व छात्र-छात्राओं को बताया गया की रक्तदान करने से शरीर में आईरन का संतुलन बना रहता है जिससे हृदय रोग का खतरा

कम हो जाता है एक बार रक्तदान करने से हमें मुफ्त स्वास्थ्य जांच का लाभ भी मिलता 650 कैलोरी तक बर्न हो सकती है क्योंकी है जिसमें कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का पता शरीर नए रक्त कोशिकाओं की निर्माण के चलता है और खतरा कम हो सकता है । लिए ऊर्जा खर्च करता है व रक्त दन करने से रक्तदान शिविर के आयोजन में वाहिनी के प्रशिक्षण अधीक्षक रवि कपूर का विशेष योगदन रहा। इस अवसर पर डिप्टी कैम्प कमांडएंट मेजर (डॉ) गौतम वीर, कैप्टन सुशील कुमार आर्य, सूबेदार मेजर अमर सिंह रावत, लेफ्टिनेंट रत्नेश कुमार, सूबेदार पंकज पाल, बीएचएम केशवानंद, हवलदार पूर्ण सिंह, ईएसएम सतेंद्र सिंह, फर्स्ट ऑफिसर कमल मिश्रा, सेकंड ऑफिसर सुशील कुमार, सेकंड ऑफिसर रेणु देवी लेफ्टिनेंट अंजना गुसाई, केयरटेकर पंकज कुमार, केयरटेकर वंदना चौहान, केयरटेकर प्रियंका प्रजापति व रक्तदान करने वाले कैडेट्स रोहित, यूओ अनंत चौहान, वंश प्रजापति आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रविदास सेना ने किए प्रतिभा सम्मान समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भगवान रविदास सेना के तत्वाधान में संविधान दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 10 एवं कक्षा में 12 में प्रथम आने वाले छात्र-छात्राओं एवं समाज में अग्रिम भूमिका निभाने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी सेवाराम भारती ने कहा कि लोगों को बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलना चाहिए बाबा साहब को पढ़ना चाहिए और भारतीय संविधान को भी पढ़ना चाहिए हमें जीवन अपना विज्ञान के आधार पर जीना चाहिए बाबा साहब ने सभी धर्म समाज के लिए काम किया है। महिलाओं के उत्थान के लिए अधिक से अधिक काम किया है। इस अवसर पर रविदास सेवा के अध्यक्ष सोमपाल गोला जी ने कहा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने

संपूर्ण कल्याण के लिए बात कही है अगर किसी धर्म को मानने वाले लोग हैं वह बाबा साहब जिस धर्म को मानते थे वह बौद्ध है बौद्ध धर्म में ना कोई जाती है ना कोई बौद्ध धर्म था दुनिया में सबसे ज्यादा पाती है सब सामान एक हैं जिसकी बाबा साहब परिकल्पना करते थे इस अवसर पर मशहूर गाय का कविता लेखक वंदना सिद्धार्थ ने बाबा साहब के भजन गीतों द्वारा लोगों को प्रेरित किया और लोगों को जागृत किया।

यह कार्यक्रम सिद्धार्थ चेतना एवं ज्ञान केंद्र बौद्ध मठ गोदावरी होटल के निकट था । कार्यक्रम में समाजसेवी सेवाराम पत्रकार को भी सम्मानित किया गया इस अवसर पर चंद्रपाल सिंह किशन पाल विजय पाल चंद्रशेखर जाटव इंजीनियर तेजपाल सिंह डॉक्टर ज्ञानचंद जोशी अमरनाथ सोनू कुमार ब्रह्मपाल अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

113 ग्राम अवैध चरस के साथ एक तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। नशा तस्करों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी के तहत भगवानपुर पुलिस ने 113 ग्राम अवैध चरस के साथ एक तस्कर को दबोचा है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान 2025 को सफल बनाने तथा जनपद हरिद्वार को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से हरिद्वार पुलिस द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। थाना क्षेत्रांतर्गत दिनांक 12/11/2025 को दौराने चैकिंग भगवानपुर पुलिस टीम द्वारा व्यक्ति नसीम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। नाम पता आरोपी-नसीम पुत्र मंजूरा, निवासी कलियर, निकट स्टेट बैंक, थाना कलियर, हरिद्वार है। पुलिस टीम में उ0नि0 सन्तोष सेमवाल, का0 देवेन्द्र नेगी, का0 दीपक ममगाई शामिल रहे।

अवैध चाकू के साथ एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस ने गश्त और सघन चेकिंग के दौरान एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो अवैध चाकू लेकर किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। चेकिंग के दौरान, पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को अवैध चाकू के साथ पकड़ा। पुलिस के अनुसार, यह व्यक्ति भिक्कमपुर क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने की तैयारी में था। लक्सर पुलिस की तत्परता और सतर्कता के चलते आरोपी को समय रहते गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त शेर आलम पुत्र अख्तर ग्राम ढाब सुल्तानपुर, कोतवाली लक्सर है।

समिति गोदामों पर पहुंची यूरिया की खेप

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर खाद की किल्लत से परेशान किसानों को थोड़ी राहत मिली है। इफको से यूरिया की खेप गन्ना समिति और ब्लॉक की किसान सेवा सहकारी समितियों में पहुंचना शुरू हो गई है। गोदाम पर किसानों को यूरिया का वितरण भी शुरू हो गया है। डीएपी के लिए किसानों को अभी इंतजार करना होगा।

सहकारी गन्ना विकास समिति लक्सर से 50 हजार से अधिक किसान जुड़े हैं। इन किसानों को समिति के 14 गोदामों से खाद उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा ब्लॉक की 8 किसान सेवा सहकारी समितियों से भी किसानों को खाद मिलती है। पिछले कई दिनों से यूरिया और डीएपी की किल्लत बनी हुई है। पिछले दिनों गन्ना समिति की ओर से इफको को खाद की डिमांड भेजी गई थी लेकिन सीमित मात्रा में ही खाद उपलब्ध होने पर गोदाम एक बार फिर खाली हो गए थे।

इस बीच, इफको ने करीब 23 हजार बैग यूरिया लक्सर की समितियों को उपलब्ध कराया है। इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद जोशी ने बताया कि गन्ना समिति के गोदामों पर 15 हजार और सहकारी समितियों में करीब करीब 8 हजार बैग यूरिया उपलब्ध कराया गया है। यूरिया गोदामों तक पहुंचना शुरू हो गया है। सहकारी गन्ना समिति के विशेष सचिव सूरजभान सिंह ने बताया कि इफको से यूरिया की खेप पहुंचना शुरू हो गई है। किसानों को भी यूरिया का वितरण शुरू कर दिया गया है।

युवक ने पंखे से लटककर की आत्महत्या

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। एक युवक ने संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मंगलौर कस्बे के मोहल्ला पठानपुरा निवासी असगर के 19 वर्षीय पुत्र सलमान ने देर शाम संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घरवालों ने खाना खाने के लिए उसे आवाज लगाई तो कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर दरवाजा खोलने का प्रयास किया गया तो वह अंदर से बंद था। परिजनों ने किसी तरह दरवाजा खोला तो देखा कि अंदर शव लटका हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

विधायक ने किया सड़क का लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। झबरेडा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नगर निगम रुड़की के वार्ड नंबर 19 में लगभग 50 लाख रुपए की कीमत से बनाने वाली सड़कों का लोकार्पण रविवार को झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाति के द्वारा क्षेत्रीय लोगों के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने विधायक वीरेंद्र जाति को फूल माला पहनकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक वीरेंद्र जाति ने कहा कि झबरेड़ा विधानसभा क्षेत्र का विकास करना उनका पहला लक्ष्य है। इसी लक्ष्य के साथ उन्होंने जिन-जिन क्षेत्रों में सड़कों की समस्या है वहां पर सड़कों का निर्माण करवा रहे है। विधायक वीरेंद्र जाति ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की साथ ही समस्या भी सुनी। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र की जनता की मांग थी कि क्षेत्र में जल भराव

की समस्या बनी हुई है और यहां पर सड़के नहीं बनी हुई है। इसी मांग को देखते हुए उनके द्वारा उनकी निधि से क्षेत्र में बनी सीसी रोड का लोकार्पण किया गया है। साथ ही कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक वीरेंद्र जाति ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस प्रकार के कार्य आगे भी किए जाएंगे साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार और सांसद ऑन पर निशाना साधते हुए कहा कि आज प्रदेश में भाजपा की सरकार है और लोकसभा हरिद्वार में दो राज्यसभा सांसद और भाजपा सांसद हैं और अगर बात की जाए रुड़की नगर निगम की तो वहां भी भारतीय जनता पार्टी की मेयर और पार्षद है। परंतु उन्हें किसी प्रकार का कोई भी सहयोग क्षेत्र के विकास कार्य के लिए नहीं मिलता है। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि काफी लंबे समय से क्षेत्र में समस्याएं उत्पन्न हो रही थी।

लक्सर व खानपुर में सफाई अभियान जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। जिलाधिकारी के आदेश पर शहर से देहात तक सफाई अभियान जारी है और यह अभियान क्षेत्र के अधिकारियों की मोनिटरिंग में किया जा रहा है। रविवार को खंड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया है कि पहलादपुर क्षेत्रांगत सड़क किनारे की सफाई कराई गई। खंड विकास अधिकारी लक्सर परवीन भट्ट ने अवगत कराया है कि रायसी रोड एवं लक्सर रोड क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई कराई गई। बीडीओ बहादराबाद मानस मित्तल ने अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत मिसरपुर, लक्सर हाइवे पर साफ सफाई का कार्य कराया गया तथा उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के बाहर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित का जो उद्देश्य एवं देह है कि धर्मनगरी जनपद हरिद्वार को स्वच्छ एवं क्लीन बनाने का है उसका असर धरातल पर दिखने लगा है तथा शहर से लेकर ग्रामीणों क्षेत्रों तक साफ सफाई अभियान का कार्य निरंतर किया जा रहा है जिसकी निगरानी संबंधित क्षेत्र के अधिकारी स्वयं धरातल पर पहुंचकर कर रहे हैं।

कलियर में क्षतिग्रस्त स्टील गार्डर पुल बना खतरा

कलियर। स्टील गार्डर पुल इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। पुल की दोनों ओर की एप्रोच स्लैब बुरी टूट गई है जिससे सड़क की सतह उखड़कर सरिये दिखाई देने लगे हैं। सुरक्षा दीवार न होने से वाहन फिसलने और फंसने की घटनाएं बढ़ गई हैं। रात में अंधेरा होने पर जोखिम और अधिक बढ़ जाता है।

मंगलौर महाविद्यालय में युवा सांसद तरुण सभा

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। राजकीय महाविद्यालय मंगलौर में एनवाईपीएस के तत्वाधान में युवा सांसद तरुण सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ महाविद्यालय में सभागार को संसद की भांतिसेटअप किया गया इसके पश्चात सत्ताधारी सरकार और विपक्ष पार्टी गठित की गई जिसमें विचारों का मंथन हुआ।

विपक्ष पार्टी की ओर से सत्ताधारी पार्टी से कई मुद्दों जैसे एनआरसी, समान नागरिक संहिता, राजनीति संबंधी कानून, बढ़ते साइबरक्राइम जैसे ज्वलंत मुद्दों पर पूरी गर्म जोशी के साथ विचारों का आदान-प्रदान हुआ प्रश्न काल के दौरान विपक्ष ने कई प्रकार के प्रश्न पूछे जिसके बड़ी बेबाकी के साथ सत्ताधारी पार्टी ने उत्तर दिया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्र एवं छात्राओं ने पूरी गर्म जोशी के साथ बढ़-चढ़कर प्रश्नों के उत्तर से अपनी जिज्ञासा को शांत किया कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में संयुक्त का डॉक्टर रचना ने बताया कि किस प्रकार भारत युवाओं का देश बनकर निरंतर प्रगति के पद पर अग्रसर है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा करते हुए बताया कि भारत एक लोकतंत्र देश है और युवा वर्ग को राजनीति में आगे आकर अपने नए विचारों के साथ

भारत के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर डॉक्टर राम भरोसे,डॉक्टर कालिका, डॉक्टर अनुराग, डॉक्टर ने विद्या, श्रीमती शर्मिष्ठा, सुनील कुमार, फैजान, सूर्य, रोहित, छात्र-छात्राओं में प्राची, पायल, सौम्या, नमराखान, मोनी, पारुल, रितिका, आस मोहम्मद, विपिन आदि उपस्थित रहे।

छात्रों ने प्रभावी ढंग से रखे अपने विचार

रोटरी क्लब मिडटाउन ने किया इंटर स्कूल यूथ फेस्टिवल का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रोटरी क्लब ऑफ रुड़की मिडटाउन द्वारा इंटर स्कूल यूथ फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत डिबेट प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने समसामयिक विषयों पर प्रभावशाली ढंग से अपने विचार रखे। छात्रों की वाक्शक्ति, नेतृत्व क्षमता और तार्किक सोच को देखकर सभी अतिथि एवं निर्णायक मंडल ने उनकी सराहना की। इस युवा महोत्सव के सफल आयोजन में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रवि प्रकाश, क्लब अध्यक्ष डॉ. विकास त्यागी, रोटरी यूथ लीडरशिप चेयर रोटेरियन टीना विरक, तथा सेक्रेटरी अनुभव गुप्ता,प्रोग्राम कॉर्डिनेटर कनेक,की उल्लेखनीय भूमिका रही।

वहीं नगर विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों में प्रतियोगी भावना बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें

समाज के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 24 नवम्बर 2025

चंडीगढ़ पर फिर सियासत

पंजाब और हरियाणा के बीच स्थित केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को लेकर फिर सियासत शुरू हो गई है। यह वही चंडीगढ़ है, जिसको लेकर पंजाब और हरियाणा समय-समय पर एक-दूसरे के सामने आते रहे हैं। चंडीगढ़ का विवाद नया नहीं है, लेकिन यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पंजाब और हरियाणा की राजधानी है। दोनों प्रदेशों के सचिवालय यहीं स्थित है। 2002 में जब ओमप्रकाश चौटाला हरियाणा के मुख्यमंत्री थे, तब पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से चंडीगढ़ को मांगा था और इसके बदले हरियाणा ने पंजाब के हिन्दी भाषी क्षेत्र अबोहर और फाजिल्का मांग लिए थे। इसके बाद से ये विवाद चला आ रहा है। अब केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन में बताया गया है कि सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र (1 दिसंबर से शुरू) में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2025 पेश कर सकती है। अगर ये बिल अपने मौजूदा रूप में पास होता है, तो संभावना है कि चंडीगढ़ के लिए एक स्वतंत्र प्रशासक नियुक्त किया जा सकेगा। जैसा कि पहले यहां स्वतंत्र मुख्य सचिव हुआ करते थे। प्रस्तावित बिल पर बवाल इसलिए है, क्योंकि ये बदलाव चंडीगढ़ की प्रशासनिक पहचान को पूरी तरह बदल देगा। अभी तक चंडीगढ़ एक ऐसा केंद्र शासित प्रदेश है, जिसके संचालन में पंजाब की भूमिका मानी जाती है और पंजाब के राज्यपाल उसकी कमान संभालते हैं। एसएसपी और डीसी जैसी प्रमुख नियुक्तियां भी पंजाब और हरियाणा कैडर से होती हैं, इसलिए यह शहर दोनों राज्यों की साझा राजधानी की तरह काम करता है, लेकिन प्रस्तावित संशोधन के बाद चंडीगढ़ का मॉडल बदल जाएगा। इसे राष्ट्रपति के सीधे नियंत्रण वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाएगा, जिसमें एक अलग प्रशासक या उपराज्यपाल नियुक्त होगा। हालांकि गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया कि चंडीगढ़ की शासन व्यवस्था में किसी भी प्रकार का बदलाव करने या पंजाब और हरियाणा के साथ उसके पारंपरिक संबंधों को प्रभावित करने की कोई बात नहीं है। इस मुद्दे पर पंजाब की राजनीति गरमाई हुई है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने इसे पंजाब के अधिकारों पर हमला बताते हुए केंद्र सरकार पर तीखे आरोप लगाए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि प्रस्तावित संशोधन बिल चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को कमजोर करेगा। सीएम मान ने इसे पंजाब के हितों के विरुद्ध बताते हुए कहा था कि चंडीगढ़ सिर्फ पंजाब का है और राज्य अपने अधिकार से पीछे नहीं हटेगा। मान के पोस्ट के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र पर सीधा हमला बोला था और कहा था कि संविधान संशोधन के नाम पर चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार खत्म करने की कोशिश की जा रही है, जो पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। केजरीवाल ने इसे पंजाब की आत्मा को चोट पहुंचाने वाला कदम बताया था। फिलहाल यह साफ हो गया है कि केंद्र सरकार के स्तर पर अभी कोई बदलाव न तो अंतिम रूप ले चुका है और न ही संसद में इसे तुरंत लाने की योजना है। ऐसे में चंडीगढ़ को लेकर चल रही बयानबाजी पर विराम लगने की संभावना है, हालांकि राजनीतिक हलकों में बहस आगे जारी रहने की पूरी उम्मीद है।

नोटबंदी और लॉकडाउन की याद ताजा

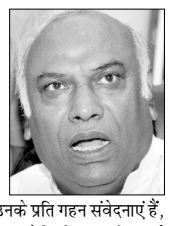

काम के दबाव में बीएलओ की मौत के जो आंकड़े दिखाए जा रहे हैं, वास्तविक संख्या उनसे बहुत अधिक है, यह अत्यंत गंभीर चिंता का विषय है और इस पर सबको ध्यान देना जरूरी है, एसआईआर इसके लिए जिम्मेदार है, भाजपा की वोट चोरी बीएलओ के लिए जानलेवा रूप ले चुकी है,काम के भार से बीएलओ और पोलिंग अधिकारी लगातार आत्महत्या करने पर मजबूर हैं, मेरी हर एक परिवार, जिसने अपनों को खोया है, उनके प्रति गहन संवेदनाएं हैं, इन पीड़ित परिवारों को न्याय कौन दिलाएग, भाजपा चोरी की सत्ता की मलाई खाने में व्यस्त है और आयोग मूक दर्शक बने तमाशा देख रहा है, हड़बड़ी में बिना योजना के जबरन एसआईआर लागू करना नोटबंदी और कोरोना लॉकडाउन की याद दिलाता है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

सेना बनाम सर्वोच्च न्यायालय बनाम मानवाधिकार

विनीत नारायण

पिछले दिनों एक पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। इस पोस्ट में सेवानिवृत्त कर्नल एएन रॉय का बयान सेना के उस वर्ग की भावना को स्पष्ट करता है, जो लगातार आतंकवाद, हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता वाले इलाकों में डटा रहता है। जब सैनिक सीमाओं या कश्मीर जैसे 'संवेदनशील क्षेत्रों' में आतंकवाद का सामना करते हैं, तब उन्हें कुछ फैसले अक्सर सेकंडों में लेने पड़ते हैं। इसमें औपचारिकताओं के लिए समय नहीं होता। जो भी निर्णय लेना होता है वह उन सैनिकों को दिए गए प्रशिक्षण और अपने विवेक से ही लेना पड़ता है।

इस पोस्ट ने सीधे सवाल उठाया, क्या आपने कभी अपने बेटे को खोया है? यह व्यवस्था से उपजी पीड़ा और असंतोष की प्रामाणिक अभिव्यक्ति है। इसका मूल भाव यही है कि जब सैनिक आतंकवादी का सामना करता है, तो वह कानून या न्यायालय की व्याख्याओं से अधिक, अपने प्रशिक्षण और परिस्थिति पर ही निर्भर करता है। बाद में उस पर अभियोग या अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगना उसे अपमानजनक महसूस होता है। दूसरी ओर, सर्वोच्च न्यायालय की दृष्टि संविधान की मूल भावना, 'हर नागरिक के मौलिक अधिकार' से निर्देशित होती है। न्यायालय किसी सेना या व्यक्ति का विरोध नहीं करता, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि 'राज्य की शक्ति' जवाबदेही से परे न हो। कश्मीर या किसी अशांत क्षेत्र में नागरिकों पर अत्याचार या फर्जी मुठभेड़ों के आरोप अक्सर सामने आते हैं। यदि जांच का हक छीन लिया जाए, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठेंगे। न्यायालय यह नहीं कहता कि आतंकवादी को बचाया जाए, बल्कि यह मांगता है कि निर्दोष लोग आतंकवादी समझकर मारे न जाएं। यही 'न्याय का नैतिक आधार' है।

पोस्ट में आतंकवादियों के मानवाधिकारों को लेकर जो कटाक्ष किया गया है, वह भावनात्मक प्रतिक्रिया है, लेकिन मानवाधिकारों का सार आतंकवादी के प्रति करुणा नहीं, बल्कि बिना भेदभाव सिद्धांतों पर आधारित न्याय को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में है। जब किसी संदिग्ध की मौत की जांच होती है, तो लक्ष्य अपराधियों को बचाना नहीं, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग को रोकना होता है। वैश्विक संदर्भ में भी अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस जैसे देशों में वॉर क्राइम्स या एक्सेसिव फोर्स पर सवाल उठते रहे हैं। सशक्त लोकतंत्र वे हैं जो अपने संस्थानों से प्रश्न पूछने का साहस रखते हैं। यह साफ है कि सेना को अपराधी न मानें और न्यायपालिका को देशविरोधी न कहें। दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा और संवैधानिक निष्ठा के दो मजबूत स्तंभ हैं। समस्या तब आती है जब संवैधानिक प्रक्रिया को देश विरोधी साजिश या सैनिक कार्रवाई को न्याय की हत्या मान लिया जाता है। इससे संवाद में विघटन और अविश्वास बढ़ता है। समुचित समाधान यही है कि सेना को 'ऑपरेशनल प्रोटेक्शन' मिले, ताकि तत्काल कार्रवाई में की गई गलती अपराध न माना जाए, लेकिन शक्ति का दुरुपयोग करने पर न्यायिक जांच की प्रक्रिया बनी रहे। ऐसे पोस्ट सोशल मीडिया पर राष्ट्रभक्ति की भावना को सीधा स्पर्श करते हैं। खतरा इस बात में है कि भावनाओं की लहरों में तथ्य और कानूनी सीमाओं की अनदेखी होने लगती है। न्यायपालिका, सेना और मानवाधिकार, ये विरोधी नहीं बल्कि लोकतंत्र के पूरक अंग हैं। सोशल मीडिया पर एकांगी नैरेटिव अंततः सार्वजनिक विश्वास को कमजोर करता है। भारत में सेना, सुप्रीम कोर्ट और मानवाधिकार को लेकर टकराव की घटनाएं केवल हाल ही की नहीं, बल्कि देश के इतिहास में समय-समय पर सामने आई हैं।

18वीं शताब्दी में, कोलोनियल शासन के दौरान सुप्रीम कोर्ट और गवर्नर जनरल इन काउंसिल के बीच अधिकार को लेकर पहली बड़ी भिड़ंत कोसिजुरा मामला में देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट ने सेना का इस्तेमाल करते हुए अपनी शक्तियां बढ़ाने का प्रयास किया, जबकि गवर्नर जनरल इन काउंसिल ने अदालत के आदेशों को चुनौती दी और सेना को अदालत के खिलाफ तैनात कर दिया। यह विवाद बंगाल ज्यूडिकेचर एक्ट 1781 के पास होने तक चलता रहा, जिसने अदालत की सीमाएं तय कर दीं और टकराव का अंत किया। इस मामले ने जता दिया कि अधिकारों की अस्पष्टता शक्ति संघर्ष का हमेशा केंद्र रही है।

1945 में आजाद हिंद फौज के सैनिकों पर देशद्रोह और हत्या के आरोप लगे और उन पर कोर्ट मार्शल चलाया गया। ब्रिटिश सरकार ने इन सैनिकों की गतिविधियों को किंग के खिलाफ युद्ध माना, जबकि भारतीय जनता और नेताओं ने देशभक्ति की भावना को कानूनी प्रक्रिया के विरोध में जोरदार तरीके से रखा। इस संघर्ष में अदालत के आदेशों और जनता के मानस के बीच गहरा विभाजन आया। नगा पीपल्स मूवमेंट बनाम भारत सरकार केस में सर्वोच्च न्यायालय में AFSPA की वैधता को चुनौती दी गई, लेकिन अदालत ने यह माना कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर सेना को अतिरिक्त अधिकार देने का प्रावधान संविधान के खिलाफ नहीं। फिर भी, अदालत ने सेना के अधिकारों पर निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिशा-निर्देश जारी किए। इस मामले में मानवाधिकार और सैन्य अधिकार की सीमा को लेकर बड़ी बहस छिड़ी।

2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा के दौरान सर्वोच्च न्यायालय से सेनाध्पैरामिलिट्री तैनात करने की मांग की गई थी। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि ऐसे आदेश देना न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह कार्यकार्यपालिका का दायित्व है। बावजूद इसके, कभी-कभी अदालत ने सुरक्षा बलों की तैनाती के निर्देश दिए हैं, जैसे 2008 के ओडिशा के दंगों या 2023 के पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों के दौरान हुआ। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों में भी कभी-कभी सेना और मानवाधिकार संस्थाओं के बीच टकराव सामने आते हैं। मगर वहीं बार-बार यह सुनिश्चित किया जाता है कि जनहित और राज्यहित के बीच संतुलन बना रहे। मणिपुर अथवा कश्मीर में जारी घटनाओं में, अदालत के आदेश, सेना के अधिकार और जनता का विश्वासकृतीनों पहलू परस्पर टकरा सकते हैं। मगर, लोकतंत्र की खूबसूरती इनमें संतुलन बनाना और संवाद की प्रक्रिया में सही समाधान ढूंढना ही होना चाहिए। जरूरत इसी बात की है कि अतीत के अनुभवों से सीखकर, आज के तात्कालिक विवादों को अंधी भावनाओं के बजाय गहन विश्लेषण और खुले संवाद द्वारा हल किया जाए। संविधान की साझा जिम्मेदारी मानते हुए सुरक्षा और अधिकार दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। संवाद के बिना, नफरत और अविश्वास बढ़ते हैं। सेना का आत्मसम्मान वही रख सकेगा, जो न्यायपालिका पर भरोसा रखे और न्यायपालिका वही सम्मान पाएगी जो सैनिक के त्याग को समझ सके। इसीलिए, सवाल पूछना गलत नहीं है लेकिन, एक दूसरे पर दोषारोपण करना लोकतंत्र के लिए रचनात्मक नहीं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बसपा का महागठबंधन को जोर का झटका धीरे से

जबकि बीएसपी ने सभी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है, उसने आकाश आनंद द्वारा बनाई गई एक अच्छी तरह से सोची-समझी रणनीति के बाद केवल 40 सीटों पर चुनाव लड़ा और एकमात्र सीट जीती। यह चुनाव एक मजबूत नेता के रूप में उभरे आकाश आनंद के लिए अग्निपरीक्षा था। चुनाव की खूबसूरती यह थी कि बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने एक रैली को संबोधित किया और आकाश आनंद ने रैलियों को संबोधित किया और पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया और चुनाव लड़ रहे पदयात्रा का आयोजन किया।

नसूद हसन

एक सोची-समझी रणनीति के तहत बहुजन समाज पार्टी ने बिहार में सरकार बनाने के न सिर्फ महागठबंधन के सपने को चकनाचूर कर दिया, सियासी गलियारों में चर्चा है कि बसपा ने बिहार में महागठबंधन को जोर का झटका धीरे से ही नहीं दिया बल्कि राज्य में एक सीट जीतकर अपनी पैठ भी बना ली। बसपा की इस जीत में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का भी सहयोग या रणनीतिक चाल मानी जा रही है। बीएसपी ने 243 में से 143 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ा और 57 सीटों पर गठबंधन के उम्मीदवारों की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया, जिससे गठबंधन जादुई आंकड़े को छूने से काफी पीछे रह गया।

बीएसपी ने राज्य में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में अकेली सीट जीतकर बिहार में बढ़त बना ली है। बसपा प्रमुख मायावती ने दावा किया है कि अगर चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होते तो उनकी पार्टी को कई और सीटें हासिल होतीं। बीएसपी उम्मीदवार सतीश कुमार यादव ने बीजेपी उम्मीदवार अशोक कुमार को 30 वोटों के मामूली अंतर से हराकर रामगढ़ सीट जीती। बीएसपी ने रामगढ़ सीट पर कब्जा कर लिया है, जिसे पारंपरिक रूप से आरजेडी का गढ़ माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों ने दावा किया है कि यह परिणाम राज्य में एकमात्र सीट हासिल करके बीएसपी के प्रवेश का प्रतीक है। बीएसपी उम्मीदवार सतीश यादव ने बिहार में अच्छे प्रतिशत वोट हासिल करके बीजेपी उम्मीदवार अशोक कुमार को हरा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता आकाश आनंद को पार्टी में प्रोजेक्ट करने के इरादे से एक सीट जीतने के बाद उत्साहित और उत्साहित महसूस कर रहे हैं।

कार्यकर्ताओं का मानना है कि आकाश आनंद ही बीएसपी सुप्रीमो मायावती के असली उत्तराधिकारी हैं क्योंकि बीएसपी सुप्रीमो ने आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी दी है, बीएसपी नेतृत्व ने कई बार उन्हें अपना उत्तराधिकारी नामित करने का संकेत दिया है। बामसेफ की पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक में उन्होंने संकेत दिया है कि पार्टी को मजबूत करने के लिए आकाश आनंद को बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी, बीएसपी सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके नेतृत्व में काम करने का निर्देश दिया है, बिहार में विधानसभा चुनाव आकाश आनंद के निर्देशन में लड़ा गया था, बिहार में अन्य राजनीतिक दलों को बड़ा झटका लगा है जबकि बीएसपी किसी तरह एक सीट हासिल करने में सफल रही है।

जबकि बीएसपी ने सभी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है, उसने आकाश आनंद द्वारा बनाई गई एक अच्छी तरह से सोची-समझी रणनीति के बाद केवल 40 सीटों पर चुनाव लड़ा और एकमात्र सीट जीती। यह चुनाव एक मजबूत नेता के रूप में उभरे आकाश आनंद के लिए अग्निपरीक्षा था। चुनाव की खूबसूरती यह थी कि बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने एक रैली को संबोधित किया और आकाश आनंद ने रैलियों को संबोधित किया और पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया और चुनाव लड़ रहे पदयात्रा का आयोजन किया। बीएसपी की रणनीति ने 57 सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवारों को बड़ा झटका दिया है और वे अधर में लटक गए हैं, रामगढ़ सीट पर बीएसपी की सफलता आकाश आनंद को पार्टी में स्थापित करने में मदद करेगी। उत्तर प्रदेश में भी बी एस पी का गढ़ था। पार्टी ने यूपी में अपनी सरकार बनाने के लिए समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के साथ क्रमशः एक और तीन बार गठबंधन किया है। बीएसपी ने 2007 में राज्य में आश्चर्यजनक वापसी की थी जब मायावती ने बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार बनाई थी। लेकिन 2022 में, बीएसपी ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट जीती और 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सेहत ही नहीं, त्वचा के लिए भी फायदेमंद हैं ये फल और सब्जियां

फलों और सब्जियों का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी जरूरी होता है। फलों और सब्जियों में मौजूद फाइबर न सिर्फ पाचन को स्वस्थ रखता है, बल्कि इससे आपकी इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है। इसके अलावा यह हमारी त्वचा के लिए भी लाभकारी होती है। कई ऐसे फल और सब्जियां होती हैं, जो स्किन को हेल्दी बनाए रखने में सहायक होती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इन फलों और सब्जियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनके सेवन से आपको सेहत संबंधी लाभ मिलने के साथ ही स्किन संबंधी फायदे भी मिलते हैं।

शकरकंद

आपको बता दें कि सेहत के साथ-साथ शकरकंद स्किन के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। शकरकंद में बीटा केरोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो हमारी त्वचा को नेचुलर रूप से हेल्दी रखने में मददगार होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा भी पाई जाती है। जो त्वचा संबंधी इंफेक्शन के खतरे को कम करता है। शकरकंद को उबाल. कर खाने से त्वचा को फायदा मिलता है।

एवोकाडो

स्किन के लिए एवोकाडो का सेवन भी लाभकारी माना जाता है। एवोकाडो में विटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट और ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से आपकी त्वचा अंदर से साफ होता है। जब स्किन अंदर से साफ होती है तो बाहर भी इसका निखार साफ पता चलता है। आप चाट या फिर शेक के तौर पर भी एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं।

खीरा

खीरा में पानी की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से त्वचा हाइड्रेड रहती हैं। वहीं खीरे में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मददगार होता है। खीरे के नियमित सेवन से स्किन हाइड्रेट रहने के साथ ही मॉइस्चराइज रहती है।

संतरा

विटामिन सी से भरपूर संतरा त्वचा की सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। संतरा में आवश्यक एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो स्किन को नेचुरल तरीके से हेल्दी और ग्लोइंग रखता है। साथ ही संतरे के सेवन झुर्रियां कम होने के साथ कोलेजन बढ़ता है।

पपीता

हमारे पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में पपीता भी अहम भूमिका निभाता है। पपीता में मिनरल्स के साथ-साथ विटामिन-ए, विटामिन बी और विटामिन सी पाया जाता है। जो स्किन को हेल्दी बनाने में मदद करता है। साथ ही यह त्वचा को हाइड्रेट भी रखता है। ऐसे में आप रोजाना पपीते का सेवन कर सकते हैं।

अनानास

स्किन को हेल्दी रखने में अनानास भी मददगार होता है। अनानास में विटामिन ए, सी की अधिक मात्रा पाई जाती है। इसमें मौजूद विटामिन ए और सी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाता है। वहीं इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं। जो चोट को जल्दी रिकवर करते हैं। इसके सेवन से आपकी त्वचा हील होने के साथही ग्लोइंग भी बनती है।

दही का रायता ही नहीं बल्कि कई तरीके से बनाएं चटनी

भारतीय खाने में दही को जरूर शामिल किया जाता है। अक्सर लोग सादा सदी या फिर रायता खाना पसंद करते हैं। बता दें कि पेट के लिए दही काफी फायदेमंद होता है। वहीं इसके सेवन से गट हेल्थ भी बेहतर होती है। भारतीय खाने में चटनी काफी फेमस है। सब्जी और फल से लेकर नारियल तक की चटनी बनाई जाती है। वहीं बोरिंग खाने के स्वाद को चटनी स्वादिष्ट बना देती है। इसलिए अधिकतर घरों में चटनी बनाकर खाई जाती है। लेकिन क्या आपने दही चटनी खाई हैं। अगर आपका जवाब नहीं है, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दही की चटनी बनाने की विधि के बारे में बताने जा रहे हैं। आप कई चीजों और कई तरीकों से दही चटनी बना सकते हैं। आइए जानते हैं दही की चटनी बनाने की रेसिपी के बारे में।।।

राजस्थानी स्टाइल में दही चटनी

पूरे भारत देश में राजस्थानी स्टाइल की चटनी फेमस है। राजस्थान में बनने वाली लहसुन चटनी वाकई स्वाद में बेहद लाजवाब होती है। अगर आपने राजस्थानी दही-लहसुन की चटनी नहीं खाई हैं, तो आप इस रेसिपी को घर पर ट्राई कर सकते हैं।

ऐसे बनाकर करें तैयार

- राजस्थानी स्टाइल की दही चटनी बनाने के लिए सूखे लाल मिर्च को पानी में भिगो दें।
- फिर एक पैन में तेल गर्म करके उसमें लहसुन की कलियों को भूरा होने तक भूनें।
- फिर लहसुन में 2 चम्मच धनिया के बीज, 1 चम्मच जीरा, सूखा लाल मिर्च और आधा चम्मच काली मिर्च डालकर धीमी आंच पर पका लें।
- कुछ देर में चटनी से खुशबू आने लगेगी, तब गैस को बंद कर लें। वहीं पेस्ट को ठंडा होने के लिए छोड़ दें।
- जब पेस्ट ठंडा हो जाए तो इन्हें अच्छे से पीस लें।
- अब पीसे गए पेस्ट को तेल में डालकर तब तक पकाए जब तक उसका तेल अलग न हो जाए।
- फिर इसमें 1 चम्मच जीरा, चुटकी भर हींग ,करी पत्ता, 1 चम्मच सरसों और फेटा हुआ दही अच्छे से मिक्स कर दें।
- करीब 5 मिनट तक चलाने के बाद गैस बंद कर दें।
- इस तरह से आपकी दही-लहसुन की राजस्थानी स्टाइल चटनी बनकर तैयार है।
- इसे आप सादे चावल से लेकर स्नैक्स तक के साथ खा सकते हैं।

ऐसे बनाएं परफेक्ट चटनी

- चटनी को घर टेस्टी बनाने के लिए ताजे लहसुन का इस्तेमाल करें।
- क्योंकि लहसुन के खराब होने पर चटनी का स्वाद बिगड़ जाएगा। इस चटनी के लिए अंकुरित लहसुन का इस्तेमाल न करें।
- वहीं ताजे दही का इस्तेमाल करें, क्योंकि अगर दही खट्टा होगा तो चटनी उतनी स्वादिष्ट नहीं होगी।
- अधिक मात्रा में इसमें तेल का उपयोग न करें।
- वही चटनी बनने के बाद इसको सही से स्टोर करें। जिससे कि यह 2-3 दिन चल जाए।
- आप कांच के जार में चटनी को स्टोर करके रख सकती हैं।
- चटनी अधिक पतली नहीं होनी चाहिए। क्योंकि चटनी गाढ़ी अच्छी लगती है।

दही हरी मिर्च चटनी की रेसिपी

हरा मिर्च भी खाने के स्वाद को दोगुना करता है। हरी मिर्च का इस्तेमाल खाने को चटपटा करने के लिए किया जाता है। आप चाहें तो हरी मिर्च की चटनी भी बना सकती हैं। आज हम आपको दही और हरी मिर्च की चटनी की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आप भी इसे घर पर बनाकर खा सकते हैं। हरी मिर्च की चटनी बनाने के लिए हरी मिर्च को अच्छे से धो लें। फिर इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अगर आप स्वादिष्ट चटनी बनाना चाहते हैं, तो मिर्च को मिक्सी की जगह सिलबट्टे पर पीसें। इससे चटनी का स्वाद दोगुना हो जाएगा। हरी मिर्च को बारीक पीसने के बाद इसमें दही मिक्स कर लें। फिर इसमें हींग, जीरा पाउडर और स्वादानुसार नमक मिला लें। इस तरह से आपकी दही-हरी मिर्च की चटनी बनकर तैयार हो जाएगी।

वेनेजुएला में तख्तापलट करा सकता है अमेरिका

सीक्रेट ऑपरेशन की तैयारी, इलाके में घेराबंदी कर रहा, टकराव की आशंका बढ़ी

वाशिंगटन। अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में वेनेजुएला के खिलाफ नया ऑपरेशन शुरू हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट भी करवा सकता है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी रायटर्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत सीक्रेट ऑपरेशन से हो सकती है। अभी साफ नहीं है कि यह कदम कब उठाया जाएगा और इसका दायरा कितना बड़ा होगा, लेकिन इतना जरूर है कि ट्रम्प प्रशासन इसे लेकर काफी गंभीर है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई इलाके में बड़ी संख्या में जहाज, विमान और सैनिक तैनात किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच टकराव की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और सीक्रेट एजेंसी सीआईए इस पूरे मामले पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति

■ ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर गिराएगा गाज

ट्रम्प ड्रग तस्करी रोकने के लिए हर तरह की ताकत का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। कैरेबियाई इलाके में बीते कुछ महीनों से अमेरिकी सेना का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। सबसे बड़ा अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'जेराल्ड आर फोर्ड' और उसके साथ कई युद्धपोत, एक परमाणु पनडुब्बी और एफ-35 विमान तैनात किए गए हैं। अमेरिका लंबे समय से मादुरो पर आरोप लगाता रहा है कि वह ड्रग तस्करी में शामिल हैं, हालांकि मादुरो इन आरोपों को साफ तौर पर झूठा बताते हैं। दूसरी तरफ मादुरो का कहना है कि अमेरिका उन्हें सत्ता से निकालना चाहता है, लेकिन देश और सेना किसी भी बाहरी दखल का विरोध करेगी। अमेरिकी सेना सितम्बर से अब तक दर्जनों ड्रग बोट्स पर हमले कर चुकी है, जिनमें 80 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अमेरिका बिना सबूत के लोगों को मार रहा है और यह अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। दो महीने पहले वेनेजुएला की बोट पर अमेरिकी हमले का फुटेज। इस हमले में 3 लोग मारे गए थे। हालात और तनावपूर्ण तब हो गए जब अमेरिका की फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने वेनेजुएला के ऊपर उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी कर दी। एफएए ने कहा कि वेनेजुएला के एयर स्पेस में मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ गई है और जीपीएस सिस्टम में दखल जैसी समस्याएं देखी गई हैं, जो उड़ानों के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं।

मोदी ने जमैका के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जोहान्सबर्ग में जी-20 समिट के दौरान जमैका के अपने समकक्ष एंड्रयू होलनेस के साथ बातचीत की और कैरेबियाई देश के साथ भारत के मजबूत और बढ़ते रिश्तों को पक्का किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर शेयर किया कि जोहान्सबर्ग में जी-20 समिट के दौरान जमैका के प्रधानमंत्री मिस्टर एंड्रयू होलनेस से बातचीत की। भारत और जमैका इतिहास से बनी और सांस्कृतिक जुड़ाव से मजबूत हुई दोस्ती से बंधे हैं। हमारी पार्टनरशिप मिलकर तरक्की करने के गहरी प्रतिबद्धता के साथ बढ़ती जा रही है।

प्रयागराज। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए मतदाता फॉर्म जमा करते हुए।

वियतनाम में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 90 लोगों की मौत

हनोई। मध्य वियतनाम इलाके में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 90 हो गई। समाचार पत्र थान निएन ने वियतनाम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हवाले से से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक 12 लोग अभी भी लापता हैं। तेज बारिश और बाढ़ से इलाके में 1154 घरों और 80800 हेक्टेयर से जयादा चावल और दूसरी फसलों को नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने मध्य प्रांतों में गंभीर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के उपाय बढ़ाने को कहा है। वियतनाम न्यूज एजेंसी ने बताया कि वियतनामी सरकार ने इस आपदा से बुरी तरह प्रभावित इलाकों की सहायता के लिए 700 बिलियन वियतनामी डोंग (लगभग 26.6 लाख डॉलर) की आपातकालीन मदद दी है।

गाजा में फिर एयरस्ट्राइक, 24 लोगों की मौत

सीजफायर के बाद भी नहीं मान रहा इजरायल, 54 लोग घायल, अस्पतालों ने की पुष्टि

गाजा/तेल अवीव। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने हमास ठिकानों में हवाई हमले किए, जिनमें 24 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हुए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली सेना ने दावा किया कि ये हमले उन हमास लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने संघर्षविराम के बावजूद इजरायल-नियंत्रित क्षेत्र में घुसकर सैनिकों पर गोली चलाई। सेना ने इस घटना को सीजफायर का गंभीर उल्लंघन बताया।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि कार्रवाई में हमास के पांच वरिष्ठ सदस्य मारे गए, जबकि हमास ने आरोप लगाया कि इजरायल बहाने बनाकर युद्ध फिर शुरू करना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका द्वारा कराए गए युद्धविराम के बावजूद इजरायल अब तक गाजा में 394 हमले कर चुका है, जिनमें 300 से अधिक लोग मारे गए और करीब 700 से ज्यादा घायल हुए। इससे पहले बुधवार को भी आईडीएफ ने गाजा में हमले कर 25 लोगों को मार दिया था, जब इजरायल ने दावा किया कि हमास ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है। गाजा में कई इलाकों पर एक के बाद एक हुए हमलों ने पूरे माहौल को दहशत से भर दिया। गाजा सिटी के रिमाल क्षेत्र में एक वाहन को

■ गाजा सिटी के रिमाल क्षेत्र में एक वाहन को निशाना बनाए गए हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए

निशाना बनाए गए हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए। शिफा अस्पताल के डाक्टरों के मुताबिक, घायलों में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। इसी के साथ, अल-अवदा अस्पताल के पास एक मकान पर हुए हमले में 3 लोगों की जान गई और 11 घायल हुए। नुसेरात कैंप में एक घर पर किए गए हमले में सात लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। दैर अल-बलाह में एक और आवासीय घर को निशाना बनाए जाने से तीन लोगों की मौत हुई, जिनमें एक महिला भी थी। दैर अल-बलाह के खालिल अबू हातब ने भयावह दृश्य बताते हुए कहा अचानक जोरदार धमाका हुआ और चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। यह कैसा संघर्षविराम है? यहां तो कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। गौरतलब है कि सात अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इजरायल-हमास संघर्ष में अब तक 69733 लोग मारे जा चुके हैं, 170000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले में इजरायल में 1,139 लोगों की मौत हुई थी और 250 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया गया था। संघर्षविराम के दौरान भी मौतों का आंकड़ा बढ़ा है, क्योंकि नए हमलों के अलावा मलबे से पुराने शव भी निकाले जा रहे हैं। मंत्रालय का कहना है कि मृतकों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। वहीं इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने दावा किया है कि फलस्तीनी संगठन हमास पूरे यूरोप में आतंकी हमलों की साजिश रच रहा है। इसके लिए हमास द्वारा स्लीपर सेल द्वारा आतंकी नेटवर्क तैयार किया जा रहा है।

■ अब यूरोप में हमले की साजिश रच रहा हमास, इजरायली खुफिया एजेंसी ने किया दावा

एक बयान में मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है और हथियारों को जब्त किया है। साथ ही कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और हमलों को रोका गया है। मोसाद का कहना है कि हमास का आतंकी नेटवर्क यूरोप में यहूदी समुदाय औरइजरायली नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी, आस्ट्रिया जैसे देशों में भी मोसाद ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित ऑपरेशन चलाकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पिछले सितम्बर में वियना में आस्ट्रिया की डीएनएस सिक्योरिटी सर्विस ने हथियारों का एक जखीरा ढूंढा, जिनमें विस्फोटक और हैंडगन शामिल थे। सुरक्षा बलों ने मोहम्मद नईम नामक संदिग्ध के बारे में पता लगाया, जांच में पता चला कि मोहम्मद नईम हमास के शीर्ष ब्यूरो अधिकारी बासेम नईम का बेटा है, जो गाजा में हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हया का करीबी बताया जा रहा है। मोसाद ने आरोप लगाया कि हमास का नेतृत्व भी यूरोप में आतंकी नेटवर्क तैयार करने में मदद कर रहा है। तुर्की में भी हमास के संगठन बेस की जांच चल रही है।

प्रतिबद्धता के साथ हो रियो समझौते का पालनः भारत

नई दिल्ली। भारत ने ब्राजील के बेलेम में जलवायु वित्त के मुद्दे को सामने लाने में सीओपी प्रेसीडेंसी के प्रयासों की सराहना की और उम्मीद जताई कि जलवायु संरक्षण के मुद्दे पर पूरी दुनिया रियो में 33 वर्ष पहले किए वादों को प्रतिबद्धता के साथ पूरा करेगी। भारत ने यूएनएफसीसीसी सीओपी30 के समापन पूर्ण सत्र में उच्चस्तरीय वक्तव्य में सीओ.पी30 प्रेसीडेंसी के समावेशी नेतृत्व का पूरा समर्थन किया और सम्मेलन में लिए गए निर्णयों का स्वागत किया। भारत ने सीओपी अध्यक्ष के नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मेलन समावेसिता, संतुलन पर आधारित रहा और उसने सीओ.पी30 का ईमानदारी से मार्गदर्शन किया। सम्मेलन में भारत ने जलवायु वित्त प्रदान करने हेतु विकसित देशों के दीर्घकालिक दायित्वों पर जोर दिया और कहा कि भारत को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भावना से पूरी उम्मीद है कि 33 वर्ष पहले रियो में किए गए वादे अब बेलेम में उठाए गए शुरुआती कदमों के कारण पूरे होंगे। इसके साथ ही भारत ने सीओपी30 के न्यायसंगत बदलाव तंत्र की स्थापना प्रमुख परिणामों पर संतोष व्यक्त किया।

आठ में से पांच युद्ध टैरिफ की धमकी से रुकवाएः ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि उन्होंने टैरिफ की धमकी देकर आठ में से पांच युद्ध रुकवाए हैं। ट्रम्प ने ये भी दावा किया कि टैरिफ के चलते अमेरिका को दुनिया भर के देशों से खरबों डॉलर मिल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी टैरिफ नीति को कामयाब बताते हुए कहा कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने आठ में से पांच लड़ाइयों को सीधे टैरिफ के खतरे की वजह से रोका।

ट्रम्प ने लिखा कि हम टैरिफ की वजह से विभिन्न देशों से टैरिफ और निवेश के रूप में खरबों डॉलर्स ले रहे हैं। मैंने आठ में से पांच युद्ध को टैरिफ की धमकी से रोका, क्योंकि अगर वे लड़ना बंद नहीं करते हैं तो उन पर टैरिफ लगने का खतरा है। गौरतलब है कि ट्रम्प ने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रोकने के लिए भी टैरिफ की धमकी देने का दावा किया था। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम में ट्रम्प की भूमिका की कभी पुष्टि नहीं की है। ट्रम्प

■ अमेरिकी राष्ट्रपति बोलेः टैरिफ के चलते अमेरिका को दुनिया भर के देशों से खरबों डॉलर मिल रहे हैं

ने अपने पोस्ट में लिखा कि अब अमेरिका में कोई महंगाई नहीं है जबकि जो बाइडन के समय में यह इतिहास में सबसे खराब थी। ट्रम्प ने लिखा कि स्टॉक मार्केट 9 महीनों में 48वीं बार ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टैरिफ ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मदद की है और अमेरिका को लूटने वाले लोगों पर निशाना साधा। उन्होंने यह भी कहा कि अभी, अमेरिका अब तक का सबसे अमीर, सबसे मजबूत और सबसे इज्जतदार स्थिति में है और इसके वजह उन्होंने खुद के राष्ट्रपति चुने जाने और टैरिफ को बताया।

भारत ने सीओपी-30 में ब्राजील के नेतृत्व को सराहा

बेलेम। भारत ने ब्राजील के बेलेम में हुई संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी-30 में जलवायु न्याय की मजबूत आवाज बनकर उभरते हुए ब्राजील के समावेशी नेतृत्व की सराहना ही। साथ ही जलवायु न्याय, समानता और वैश्विक एकजुटता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

भारत ने सम्मेलन में लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसलों का स्वागत किया और सीओपी अध्यक्ष का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व समावेश, संतुलन और ब्राजील की सामूहिक प्रयास की भावना पर आधारित रहा, जिसने पूरे सम्मेलन को सकारात्मक दिशा दी। इसके साथ ही भारत ने ग्लोबल गोल आन एडाप्टेशन (जीजीए) में हुई प्रगति का स्वागत किया। साथ ही कहा कि यह फैसले विकासशील

■ सम्मेलन में लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसलों का स्वागत किया और सीओपी अध्यक्ष का धन्यवाद किया
■ यह कदम वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु न्याय को लागू करने में मदद करेगा

देशों की जरूरतों को समझते हैं, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का असर सबसे ज्यादा उन पर है। इस दौरान भारत ने दोहराया कि विकसित देशों की लंबे समय से चली आ रही जिम्मेदारी है कि वे विकासशील देशों को पर्याप्त जलवायु वित्त उपलब्ध कराएं। भारत ने उम्मीद जताई कि 33 साल पहले रियो में किए गए वादों को अब पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ेंगे। भारत ने सीओपी-30 के सबसे महत्वपूर्ण परिणाम के रूप में 'जस्ट ट्रांजिशन मैकेनिज्म' की स्थापना को बताया। भारत ने कहा कि यह कदम वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु न्याय को लागू करने में मदद करेगा। इस दौरान भारत ने एकतरफा, जलवायु के नाम पर लगाए जाने वाले व्यापारिक प्रतिबंधों का मुद्दा भी उठाया। साथ ही कहा कि ऐसे कदम विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं और समानता तथा साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारी के सिद्धांतों के खिलाफ हैं। इस दौरान भारत ने यह भी स्पष्ट कहा कि जलवायु परिवर्तन का बोझ उन देशों पर नहीं डाला जाना चाहिए जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं। भारत ने विज्ञान-आधारित, न्यायपूर्ण और समानता पर आधारित जलवायु कार्रवाई के प्रति फिर से प्रतिबद्धता जताई। अंत में, भारत ने ब्राजील और सभी देशों को धन्यवाद दिया।

दुबई एयर शो में रूसी विमानों ने नमांश सयाल को दी श्रद्धांजलि

दुबई। दुबई एयरशो के आखिरी दिन रूसी विमानों टीम ने तेजस हादसे में मारे गए विंग कमांडर नमांश स्याल को खास श्रद्धांजलि दी। रूसी विमानों ने आकाश में मिसिंग मैन फार्मेशन बनाया। रूसी टीम ने बताया कि उन्होंने एयर शो में अपना प्रदर्शन जारी रखने का फैसला इसलिए लिया, ताकि उन भाइयों की याद में उड़ान भरी जा सके जो आखिरी उड़ान से वापस नहीं लौटे। टीम ने कहा कि तेजस क्रैश के तुरंत बाद के पल बयां करना मुश्किल थे। 21 नवम्बर को दुबई एयर शो के दौरान भारतीय तेजस जेट क्रैश हो गया था। हादसे में विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई थी। वे विमान से इजेक्ट नहीं कर पाए थे। डेमो फ्लाइट के दौरान तेजस नीचे आकर जमीन से टकराकर क्रैश हो गया।

अब उत्तरी अफ्रीकी देश में विद्रोह की चिंगारी भड़की

ट्यूनीशिया में सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ट्यूनिस। उत्तरी अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में भी सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। शनिवार को हजारों की संख्या में लोग राष्ट्रपति काइस सईद के खिलाफ राजधानी ट्यूनिश की सड़कों पर उतरे।

लोग राष्ट्रपति सईद की बढ़ती कथित तानाशाही और जेल में बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने अन्याय के खिलाफ बैनर के तले विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व जेल में बंद राजनीतिक कैदियों के परिवारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने किया। प्रदर्शन में हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी शामिल हुए, जिन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। ये प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं, जब ट्यूनीशिया आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर परेशानियों से घिरा हुआ है। इससे पहले गुरुवार को ट्यूनीशिया के पत्रकारों ने भी सरकार विरोधी प्रदर्शन किए। दरअसल पत्रकारों ने प्रेस की आजादी को दबाने और प्रमुख नागरिक समाज संगठनों के खिलाफ कार्रवाई विरोध प्रदर्शन किया।

■ प्रदर्शन में हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी शामिल हुए, जिन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति सईद न्यायपालिका में दखलअंदाजी कर रहे हैं। साथ ही उन पर अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने आरोप है। जेल में बंद विपक्षी नेता अब्देलहामिद जलसी की पत्नी मोनिया ब्राहिम ने कहा कि वह मार्च में इसलिए शामिल हुई क्योंकि उनका मानना है कि कई ट्यूनीशियाई लोगों के साथ बहुत नाइंसाफी हो रही है। मैं एक नागरिक के तौर पर अपने अधिकारों की रक्षा करने आई हूं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कैदी अच्छी तरह जानते हैं कि वे अपने उसूला.`, सिविल और पॉलिटिकल एक्टिविज्म के अपने संवैधानिक हक की कीमत चुकाने के लिए जेल में हैं, और आज ट्यूनीशिया में बनी सरकार उन्हें बंधक बनाए हुए है। हिरासत में लिए गए लोगों में से कुछ भूख हड़ताल पर हैं, जिसमें संवैधानिक कानून के प्रोफेसर जाहेर बेन म्बारेक भी शामिल हैं, जो 20 दिनों से जयादा समय से हड़ताल पर हैं। ट्यूनीशिया में बढ़ते दमन पर कई मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि 2022 के आखिर से 50 से जूयादा लोगों को, जिनमें राजनेता, वकील, पत्रकार और एक्टिविस्ट शामिल हैं, अपनी बात कहने की आजादी, शांति से इकट्ठा होने या राजनीतिक गतिविधि चलाने के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया गया।

बांग्लादेश में विशेषज्ञों ने दी भीषण भूकंप की चेतावनी

कहाः अगर सरकार ने तुरंत सख्त कदम नहीं उठाए, तो नुकसान कहीं ज्यादा हो सकता है

ढाका। बांग्लादेश में शुक्रवार सुबह आए 5.7 तीव्रता के भूकंप ने कम से कम 10 लोगों की जान ले ली और राजधानी ढाका समेत कई जिलों में कई इमारतों को नुकसान पहुंचाया।

वहीं विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह झटका किसी बड़े विनाशकारी भूकंप की आहट हो सकता है और अगर सरकार ने तुरंत सख्त कदम नहीं उठाए, तो नुकसान कहीं ज्यादा हो सकता है। शनिवार को भी देश तीन हल्के झटकों से कांपता रहा, जिससे लोगों में डर और बढ़ गया। स्थानीय समाचार पत्र में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार का भूकंप 'ढाका की नाजुकता' को साफ दिखाता है। ढाका जिला प्रशासन ने 14 इमारतों में नुकसान की पुष्टि की है। वहीं राजुक ने 50 से अधिक इमारतों में नुकसान की बात

■ ढाका जिला प्रशासन ने 14 इमारतों में नुकसान की पुष्टि की
■ राजुक पर वर्षों से निर्माण निगरानी में लापरवाही और कम स्टाफ होने के आरोप लगते रहे हैं

कही है, और मान रही है कि जांच आगे बढ़ने पर यह संख्या और बढ़ेगी। राजुक के चेयरमैन एम. रियाजुल इस्लाम ने कहा कि हमारी जांच जारी है। कई और इमारतें जोखिम भरी मिलेंगी। राजुक पर वर्षों से निर्माण निगरानी में लापरवाही और कम स्टाफ होने के आरोप लगते रहे हैं। बांग्लादेश भूकंप सोसायटी के उपाध्यक्ष प्रो. मुनाज अहमद नूर ने कहा कि राजुक शहमेशा किसी बड़े हादसे के बाद ही जागता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश नेशनल बिल्डिंग कोड का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। नूर के अनुसार, समस्या अक्सर डिजाइन में नहीं बल्कि उसके लागू होने में होती है, जैसे लोहे की मजबूती को गलत जगह लगाना। वहीं बांग्लादेश इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. मेहंदी अहमद अंसारी ने चेतावनी दी कि जिन इमारतों में दरारें या नुकसान दिख रहा है, उनका तुरंत मूल्यांकन होना चाहिए। जोखिम के आधार पर उन्हें श्रेणीबद्ध कर कार्रवाई होनी चाहिए। यह हाल के झटके किसी बड़े भूकंप के पूर्व संकेत यानी पूर्वाभास भी हो सकते हैं। उनका कहना है कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए, तो किसी बड़ी घटना में भारी जनहानि हो सकती है। वरिष्ठ भूकंप वैज्ञानिक सईद हुमायूं अख्तर ने कहा कि भारत-बर्मा सबडक्शन क्षेत्र में बहुत ऊर्जा जमा हो रही है, जो किसी भी समय बहुत बड़े भूकंप का रूप ले सकती है। ढाका दुनिया के 20 सबसे भूकंप-जोखिम वाले शहरों में शामिल है। घनी आबादी, पुरानी और जर्जर इमारतें, और अवैध निर्माण इसे और ज्यादा असुरक्षित बनाते हैं। इतिहास की

श्रीलंकाः पहले मौके पर गिराएंगे सरकार

कोलंबो। श्रीलंका में सरकार और विपक्षी दल के बीच जारी तनाव के बीच पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के नेतृत्व वाले विपक्षी दल ने राष्ट्रीय जनशक्ति (एनपीपी) सरकार पर चुनावी वादों को पूरा ना करने का आरोप लगाया है। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए तो पहले मौके पर सरकार को गिरा दिया जाएगा। राजधानी कोलंबो के उपनगर नुगेगोडा में शुक्रवार को आयोजित एक रैली में महिंदा राजपक्षे के बेटे और राजनीतिक उत्तराधिकारी नमल राजपक्षे ने कहा कि हम तैयार हैं और सरकार को चेतावनी देते हैं कि हम पहले मौके पर इसे गिरा देंगे। नमल ने आगे कहा कि श्रीलंकाई सरकार को जनता से किए गए अपने वादे पूरे करने चाहिए। इस दौरान उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल या जमानत पर कई पार्टी नेताओं के बावजूद वह डरेंगे नहीं और संघर्ष जारी रखेंगे। बता दें कि श्रीलंकाई सरकार के खिलाफ आयोजित रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, हालांकि मुख्य विपक्षी दल एसजेबी ने इसमें भाग नहीं लिया।